RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
# राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
बोकारो, शुक्रवार
19.6.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 237
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

## आईआईटी दिल्ली का दबदबा कायम , क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 118वां स्थान

**एजेंसी, नई दिल्ली**

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटी) ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में शानदार प्रदर्शन करते हुए वैश्विक स्तर पर 118वां स्थान हासिल किया है। पिछले वर्ष की 123वीं रैंकिंग की तुलना में संस्थान ने इस बार सुधार दर्ज किया है। इसके साथ ही आईआईटी दिल्ली लगातार देश का सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान बना हुआ है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 के अनुसार, आईआईटी दिल्ली ने भारतीय संस्थानों द्वारा अब तक प्राप्त सर्वोच्च वैश्विक रैंकिंग की बराबरी भी कर ली है। संस्थान की रैंकिंग में सुधार के पीछे कई प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में उल्लेखनीय प्रगति रही है। एम्प्लॉयर रेपुटेशन श्रेणी में आईआईटी दिल्ली ने 11 स्थानों की छलांग लगाकर वैश्विक स्तर पर 39वां स्थान प्राप्त किया है। यह संकेत इस बात का आकलन करता है कि वैश्विक नियोक्ता किस संस्थान के छात्रों को रोजगार के लिए सबसे अधिक तैयार

मानते हैं। इसी प्रकार, एम्प्लॉयमेंट आउटकम्स श्रेणी में संस्थान ने 60 स्थानों का उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। यह संकेतक स्नातकों की रोजगार क्षमता तथा विभिन्न क्षेत्रों में उनके नेतृत्व और प्रभाव को दर्शाता है। साइटेशन्स प्रति फैकल्टी संकेतक में भी आईआईटी दिल्ली ने 26 स्थानों का सुधार किया है। यह मानक विश्वविद्यालयों द्वारा किए गए वैज्ञानिक अनुसंधान की गुणवत्ता और उसके प्रभाव का आकलन करता है। इस उपलब्धि पर आईआईटी दिल्ली के डीन (योजना) एवं रैंकिंग सेल के प्रमुख प्रो. सोमनाथ बैद्य रॉय ने कहा कि संस्थान विश्वस्तरीय और किफायती तकनीकी शिक्षा प्रदान करने तथा वैश्विक शोधार्थियों की पसंदीदा मंजिल बनने के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध है।

# अमेरिका-ईरान समझौते पर ट्रंप और पेजेशकियन ने किए हस्ताक्षर

**एजेंसी, पेरिस (फ्रांस)**

मध्य पूर्व ( पश्चिम एशिया) में तनाव कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते के मसौदे पर प्रारंभिक सहमति बन गई है। मसौदे में सैन्य गतिविधियों को रोकने, समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, आर्थिक प्रतिबंधों में राहत, ईरान के पुनर्निर्माण में सहयोग और परमाणु कार्यक्रम पर निगरानी जैसे कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल हैं। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने बुधवार शाम फ्रांस के वर्साय पैलेस में आयोजित रात्रिभोज के दौरान अमेरिका-ईरान समझौते के मसौदे पर आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस और फॉक्स

न्यूज ने अपने एक्स हैंडल पर सबसे पहले इसकी पुष्टि की। इसके बाद यह खबर दुनिया में आग की तरह फैल गई। ईरान के प्रेस टीवी, गल्फ न्यूज, अल जजीरा, सीएनएन, टाइम पत्रिका और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने, प्रतिबंधों में राहत, परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत और 60 दिन के भीतर अंतिम समझौते की दिशा में कदम शामिल हैं। बताया जाता है कि ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति ने पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात के दौरान इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता तत्काल प्रभाव से लागू भी हो गया है। अमेरिका ने इस दस्तावेज को 'संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्लामी गणराज्य ईरान के बीच इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन' के रूप में जारी किया है। अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोलना, ईरान के संवर्धित यूरेनियम भंडार से जुड़े मुद्दों का समाधान करना और प्रतिबंधों में चरणबद्ध राहत देने के लिए एक ढांचा तैयार करना है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने पुष्टि की कि समझौते के मसौदे को अंतिम रूप देकर दोनों पक्षों ने उस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि इस विषय पर ओमान और अन्य देशों के साथ काफी समय से परामर्श चल रहा था। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन से जुड़े अधिकांश मुद्दों पर सहमति बन चुकी थी। बघाई ने कहा कि अब समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी। होर्मुज जलडमरूमध्य पर इस्लामी गणराज्य ईरान की संप्रभुता और अधिकार सुरक्षित रहेंगे।

## पीएम-किसान की 23वीं किस्त 20 को होगी जारी

### 9.44 करोड़ किसानों के खाते में आएंगे 18,880 करोड़

**एजेंसी, नई दिल्ली**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 जून को पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त जारी करेंगे। इस दौरान देशभर के 9.44 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 18,880 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि सीधे हस्तांतरित की जाएगी। लाभार्थियों में 2.18 करोड़ से अधिक महिला किसान भी शामिल हैं। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर. एन. रवि, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी सहित कई केंद्रीय मंत्री और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। कृषि मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी की गई जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल के 45.35 लाख से अधिक किसानों को 907.21 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि मिलेगी। इसके साथ ही वर्ष 2019 से अब तक राज्य में पीएम-किसान के तहत कुल वितरण 15,055 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा।

प्रधानमंत्री इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण कृषि योजनाओं की शुरुआत करेंगे। इनमें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के तहत एग्रीस्टैक, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना शामिल हैं। फसल बीमा योजना के तहत वर्ष 2026-27 में पश्चिम बंगाल के लगभग 1.10 करोड़ किसानों को बीमा सुरक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्रालय ने बताया कि एग्रीस्टैक के माध्यम से किसानों को उर्वरक वितरण, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और एमएसपी खरीद जैसी सेवाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत राज्य में 346 प्राकृतिक खेती क्लस्टर विकसित किए जाएंगे, जिससे 43,250 किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत पुरुलिया, दार्जिलिंग, अलीपुरद्वार और झाड़ग्राम जिलों में कृषि विकास, सिंचाई और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा। किसानों में जागरूकता बढ़ाने के लिए 20 जून को देशभर में "पीएम-किसान उत्सव दिवस" भी मनाया जाएगा। कृषि विज्ञान केंद्रों, मंडियों, एफपीओ और ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनसे लगभग 1 करोड़ किसानों के जुड़ने की संभावना है।

## धर्मेंद्र प्रधान ने नीट यूजी पुनर्परीक्षा की तैयारियों का जायजा लिया

**एजेंसी, नई दिल्ली**

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 21 जून को प्रस्तावित नीट-यूजी पुनर्परीक्षा की तैयारियों का आकलन करने के लिए गुरुवार को एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और संबंधित अधिकारियों को परीक्षा प्रक्रिया में ईमानदारी, पारदर्शिता तथा दक्षता के सर्वोच्च मानकों को बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में शिक्षा मंत्रालय, राज्य सरकारों, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) तथा उच्च शिक्षण संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों और पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी तथा एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह भी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान

ने कहा कि पुनर्परीक्षा के स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुचारु संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों को सतर्क रहने और पूर्ण तैयारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा नामित अधिकारी सभी राज्यों में पहुंच कर पुनर्परीक्षा से जुड़ी गतिविधियों का समन्वय करेंगे और एनटीए के महानिदेशक की अध्यक्षता वाले कमांड सेंटर को रिपोर्ट देंगे। शिक्षा मंत्री ने राज्य सरकारों के नोडल अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि अभ्यर्थियों को परीक्षा के दौरान तनावमुक्त वातावरण मिले और उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को परीक्षा में सहजता के साथ शामिल होने के लिए बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने राज्य सरकारों के नोडल अधिकारियों से कहा कि वे इस दिशा में ज़रूरी कदम उठाएं। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी ने कहा कि पुनर्परीक्षा तक का समय अत्यंत महत्वपूर्ण है और सभी संबंधित पक्षों के बीच सक्रिय समन्वय, समयबद्ध निर्देशों के प्रसार तथा निर्धारित प्रोटोकॉल के कड़ाई से पालन की आवश्यकता है।

एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि एजेंसी जिला स्तर की समन्वय समितियों, राज्य पुलिस विभागों तथा खुफिया एजेंसियों सहित सभी संबंधित पक्षों के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि पुनर्परीक्षा का संचालन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से किया जा सके। बैठक में परीक्षा की तैयारियों, समन्वय तंत्र, सुरक्षा प्रोटोकॉल, लॉजिस्टिक व्यवस्था, शिकायत निवारण प्रणाली और परीक्षा दिशानिर्देशों के अनुपालन पर विस्तार से चर्चा की गई। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी हितधारकों के साथ निकट समन्वय बनाए रखने की सलाह दी गई।

## राज्यसभा चुनाव में बैद्यनाथ राम और परिमल नाथवाणी विजयी, कांग्रेस को झटका

**राष्ट्रीय मुख्यधारा**

**रांची** : झारखंड की दो राज्यसभा सीटों के लिए हुए चुनाव में बैद्यनाथ राम और परिमल नाथवाणी ने जीत दर्ज की है। मतगणना के बाद घोषित परिणामों में बैद्यनाथ राम को 31 वोट और परिमल नाथवाणी को 28 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को 19 मतों से संतोष करना पड़ा। चुनाव परिणाम में तीन वोटों का अमान्य घोषित होना चर्चा का विषय बना रहा। इन अमान्य मतों ने राजनीतिक गलियारों में कई तरह की अटकलों को जन्म दिया है और दलों के भीतर क्रॉस वोटिंग को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। बैद्यनाथ राम की जीत को झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक सफलता माना जा रहा है। वहीं, परिमल नाथवाणी ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए राज्यसभा की सीट हासिल की। दूसरी ओर कांग्रेस को इस चुनाव में झटका लगा है, क्योंकि उसके उम्मीदवार प्रणव झा अपेक्षित समर्थन जुटाने में सफल नहीं हो सके। चुनाव परिणाम के बाद राज्य की राजनीति में नए समीकरणों और अमान्य वोटों की भूमिका को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

## विकास और संस्कृति का संतुलन ही एक सशक्त व समृद्ध समाज का आधार : द्रौपदी मुर्मु

- बैतूल में जनजातीय महासम्मेलन में शामिल हुईं राष्ट्रपति, संबोधन के बाद ओंकारेश्वर के लिए रवाना

**एजेंसी, बैतूल**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि विकास और संस्कृति, दोनों का संतुलन ही एक सशक्त एवं समृद्ध समाज का आधार है। सार्थक विकास वह हैए जो हमारी जड़ों और जीवन मूल्यों से पोषण भी ग्रहण करे तथा उन जड़ों को मजबूत भी बनाए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार को मध्य प्रदेश के बैतूल में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'आध्यात्मिक जागृति से जनजातीय समाज का सशक्तिकरण' महासम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उपभोग की संस्कृति पर आधारित आज की तेज भागती दुनिया में समाज के हर वर्ग की आध्यात्मिक शुचिता बहुत महत्वपूर्ण हो गयी है। इसी के बल पर दीर्घकालिक रूप से समता परक आचरण पद्धति और प्राकृतिक संपदाओं के प्रति संवेदनशील जीवन शैली विकसित की जा सकती है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि समाज का वास्तविक सशक्तीकरण तब होता है जब व्यक्ति आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और जागरूकता के बल पर सामाजिक दायित्वबोध के साथ अपने कार्यक्षेत्र में सक्रिय होता है। जब अध्यात्म और सेवा का संगम होता है, तब समाज में स्थायी परिवर्तन आता है। बैतूल में कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर राष्ट्रपति ने सबसे पहले पौधरोपण किया।

इसके बाद उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का बारीकी से अवलोकन किया। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के साथ की गई। इसके बाद राष्ट्रपति ने दीप प्रज्वलित कर महासम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया। मंच पर उन्हें स्मृति भेंट कर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर कलाकारों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिसके बाद महासम्मेलन की औपचारिक शुरुआत हुई।

## अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अमित शाह से की मुलाकात

**एजेंसी, नई दिल्ली**

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से यहां मुलाकात की तथा दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को और सुदृढ़ करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि उन्होंने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ विशेष रूप से आतंकवाद-रोधी और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग को और मजबूत बनाने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के

नेतृत्व में भारत, भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों का लाभ भारत और अमेरिका के नागरिकों को मिलेगा।

## तृणमूल का सरकार पर आरोप - ममता बनर्जी की सुरक्षा से पुराने कर्मियों को हटाया गया

**एजेंसी, कोलकाता**

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने राज्य सरकार पर सवाल उठाए हैं। पार्टी का आरोप है कि ममता बनर्जी की सुरक्षा में पिछले दो दशकों से तैनात सरकारी सुरक्षा कर्मियों (पीएसओ) को हटा दिया गया है। राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डैरेक ओ ब्रायन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस संबंध में जानकारी दी। उनके अनुसार, बुधवार शाम धर्मतला से सुभाष मल्लिक स्क्वायर तक निकाले गए मार्च के दौरान ममता बनर्जी की सुरक्षा में पुराने पुलिसकर्मी

तैनात थे, लेकिन शाम लगभग 7:30 बजे उन्हें हटा दिया गया और उनकी जगह नए सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति कर दी गई।

डेरेक ओ' ब्रायन ने दावा किया कि हटाए गए सुरक्षा कर्मी करीब 20 वर्षों से ममता बनर्जी की सुरक्षा से जुड़े हुए थे। तृणमूल का कहना है कि इस बदलाव को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। इसी बीच, किसी भी संभावित अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से दक्षिण कोलकाता के कालीघाट स्थित ममता बनर्जी के आवास के बाहर अस्थायी 'व्यू कटर' या दृश्य अवरोधक दीवार भी लगाई गई है। सूत्रों के मुताबिक, यह व्यवस्था सुरक्षा कारणों से की गई है ताकि बाहर से आवास के भीतर की गतिविधियों पर सीधे नजर न रखी जा सके। नवान्न सूत्रों के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री के आवास की सुरक्षा की जिम्मेदारी सुरक्षा निदेशालय के अधीन है और उसी स्तर पर सुरक्षा समीक्षा के बाद इस अस्थायी संरचना को लगाने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, राज्य प्रशासन की ओर से सुरक्षा कर्मियों में बदलाव या व्यू कटर लगाए जाने को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने इस घटनाक्रम को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए मामले पर निगरानी बनाए रखने की बात कही है। सांसद कल्याण बनर्जी ने भी इस पर टिप्पणी की है और इस कार्रवाई को दुर्भाग्यजनक बताया है।

## शिवसेना (यूबीटी) की बैठक में शामिल नहीं हुए पार्टी के 6 सांसद, अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी

**एजेंसी, नई दिल्ली**

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित संसदीय दल की बैठक में अनुपस्थित रहने वाले छह लोकसभा सदस्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की है। पार्टी नेताओं का कहना है कि पार्टी व्हिप की अवहेलना को देखते हुए यह कार्रवाई की जा रही है। पार्टी की ओर से दिए गए व्हिप के बावजूद छह सांसद अनुपस्थिति रहे। इनमें संजय दीना पाटिल (मुंबई उत्तर-पूर्व), संजय देशमुख (यवतमाल-वाशिम), नागेश पाटिल अष्टिकर (हिंगोली), संजय जाधव (परभणी), भाऊसाहेब वाकचौरे (शिरडी) और ओमप्रकाश उर्फ ओम राजे निम्बालकर

(धाराशिव/उस्मानाबाद) शामिल हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का दावा है कि शिवसेना (यूबीटी) के अधिकांश सांसद दल बदलने को तैयार हैं। बैठक में तीन सांसद उपस्थित थे। इनमें अरविंद सावंत (मुंबई दक्षिण), अनिल देसाई (मुंबई दक्षिण-मध्य) और राजभाऊ वाजे (नासिक) शामिल हैं। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में पार्टी से राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने बताया कि संसदीय दल की बैठक लोकसभा के फ्लोर लीडर अरविंद सावंत और मुख्य सचेतक अनिल देसाई ने बुलाई थी। इसमें तीन लोकसभा सांसद अरविंद सावंत, अनिल देसाई और राजभाऊ वाजे मौजूद थे। महत्वपूर्ण बैठक होने की वजह से राज्यसभा सदस्य होने के बावजूद उन्होंने बैठक में भाग लिया। उन्होंने कहा कि छह सांसदों की अनुपस्थिति को पार्टी के निर्देशों का उल्लंघन माना जाएगा। उनके खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि पार्टी बागी सांसदों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही शुरू करेगी। इस दौरान एक बार फिर संजय राउत ने पार्टी के बागी नेताओं के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया।

## पंजाब के वित्त मंत्री का दावा, विवादित वीडियो में सीएम भगवंत मान नहीं

**एजेंसी, चंडीगढ़**

अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के विवादित वायरल वीडियो को एफएसएल रिपोर्ट के आधार पर सही करार दिया है। दूसरी ओर, पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने गुरुवार को दो लैब की रिपोर्ट जारी करते हुए दावा किया कि विवादित वीडियो में मुख्यमंत्री भगवंत मान नहीं हैं। अकाल तख्त साहिब में मुख्यमंत्री तथा कैबिनेट को तलब किए जाने के बाद पंजाब की राजनीति गरमा गई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान पर आरोप है कि उन्होंने गुरुओं की तस्वीर के सामने शराब पी और उसके छींटे मारे। इसका कथित तौर पर वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसकी जांच अकाल तख्त ने करवाई और इसे सही करार देते हुए सीएम मान को गुरुदोषी और पंथ विरोधी करार दिया गया। अकाल तख्त की तरफ से मुख्यमंत्री और अन्य कैबिनेट मंत्रियों को 29 जून को तलब किया गया। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता बलतेज पन्नू ने कहा कि अब 2 लैबों से जांच करवाई गई है। उन्होंने दावा किया कि इन रिपोर्टों में कुल 1191 अलग-अलग एंगल से मुख्यमंत्री की बॉडी का विश्लेषण किया गया है, जिसमें चेहरे, कद-काठी और चाल-ढाल तक का अध्ययन शामिल है। उन्होंने कहा कि ये दोनों लैब स्वतंत्र और भारत सरकार से मान्यता प्राप्त हैं। रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि वीडियो में सीएम भगवंत मान नहीं हैं, बल्कि किसी अभिनेता का इस्तेमाल करके वीडियो तैयार किया गया है।

## संक्षिप्त समाचार

### संघ कार्यालय पर पेट्रोल बम हमले का आरोपित मांडर में मुठभेड़ के बाद घायल, आईएसआई संलिप्तता के आरोप की जांच जारी

**आईएसआई के कहने पर संघ कार्यालय पर किया गया था हमला**

**रांची** : चुटिया थाना क्षेत्र स्थित निवारणपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमले के मामले में गिरफ्तार एक आरोपित गुरुवार को पुलिस हिरासत से फरार हो गया। बाद में मांडर टोल प्लाजा के पास पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

पुलिस के अनुसार, सैफ नामक आरोपित को कोतवाली थाना में पूछताछ के लिए रखा गया था। गुरुवार दोपहर उसने बाथरूम जाने की अनुमति ली। बाथरूम के भीतर नल खोलकर उसने प्रहरी को भ्रमित किया और खिड़की के रास्ते झाड़ियों के सहारे थाने से फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही रांची पुलिस में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से लेकर सिटी नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) और विभिन्न थानों की पुलिस टीमों ने उसकी तलाश शुरू कर दी।

पुलिस ने बताया कि मांडर टोल प्लाजा के पास उसकी लोकेशन मिलने पर घेराबंदी की गई। इस दौरान आरोपित ने पुलिस का हथियार छीनने और फायरिंग करने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें वह घायल हो गया।

रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि घेराबंदी के दौरान आरोपित द्वारा पुलिस पर हमला करने की कोशिश की गई, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। घायल आरोपित को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एसपी सिटी ने बताया कि आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम हमले के मामले में अब तक तीन आरोपितों अमन अंसारी, सैफ और सयान खान को गिरफ्तार किया गया है। अमन अंसारी हाल ही में दुबई से भारत लौटा था। उसका आतंकवादी संगठन आईएसआई से संपर्क है। आईएसआई के कहने पर ही संघ कार्यालय पर हमला किया गया था। उसे इससे बड़ा भी कुछ करना था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल कर रही है और आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस का यह भी दावा है कि प्रारंभिक जांच में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं, जिनमें कथित अंतरराष्ट्रीय संपर्कों की बात शामिल है। हालांकि, किसी भी संगठन या विदेशी एजेंसी की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है और जांच जारी है।

अधिकारियों के अनुसार, पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है और विभिन्न पहलुओं पर पड़ताल जारी है। मामले में आगे की कार्रवाई साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

### कुजू में ठनका गिरने से मवेशी की मौत

**कुजू**। कुजू ओपी क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में गुरुवार को हुई वर्षा के दौरान अपराह्न में ठनका गिरने से एक मवेशी की मौत हो गई। उक्त मवेशी भैंस रुबिया देवी पति तीरथ महतो ग्राम बड़कीडुंडी टोला सारजमबेड़ा निवासी की थी। बताया गया है कि उक्त मवेशी को निकट के खेत में घास चरने के लिए भेजा गया था। इसी दौरान तेज गरज के साथ ठनका गिरा। इसकी चपेट में उक्त मवेशी आ गया। जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। बाद में मवेशी के मालिक सूचना मिलने के बाद वहां पहुंचे तो देखा कि उनका मवेशी मरा पड़ा है। भुक्तभोगी ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

### रामगढ़ में सड़क हादसाः बाइक सवार को बचाने के प्रयास में टोटो पलटा, चार घायल; एक की हालत गंभीर

**रामगढ़**ः रामगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत कैथा शिव मंदिर के समीप आज सुबह एक सड़क दुर्घटना में टोटो वाहन पलट जाने से चार लोग घायल हो गए। घायलों में दो बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों का इलाज रामगढ़ सदर अस्पताल में चल रहा है।जानकारी के अनुसार, गोला थाना क्षेत्र के हेसापोडा गांव से एक परिवार टोटो वाहन से रामगढ़ स्थित खाटू श्याम मंदिर में पूजा-अर्चना करने जा रहा था। इसी दौरान कैथा शिव मंदिर के पास अचानक सामने आए एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिससे टोटो अनियंत्रित होकर पलट गया।हादसे के बाद आसपास के लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया और सभी घायलों को इलाज के लिए रामगढ़ सदर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों की निगरानी में सभी का उपचार जारी है, जबकि एक घायल की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

# 6 ग्राम सभाओं को मिले पारंपरिक वाद्य यंत्र, संस्कृति संरक्षण को मिलेगा बल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**पाकुड़** : आदिवासी संस्कृति और पारंपरिक विरासत के संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एकीकृत जनजातीय विकास अभिकरण (आईटीडीए) की ओर से अमरापाड़ा प्रखंड की 16 ग्राम सभाओं को पारंपरिक वाद्य यंत्र उपलब्ध कराए गए। प्रखंड मुख्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता और अंचल अधिकारी औसफ अहमद खां ने ग्राम प्रधानों को वाद्य यंत्र सौंपे।

इस अवसर पर प्रमोद कुमार गुप्ता ने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी है। आधुनिकता के दौर में भी अपनी सांस्कृतिक जड़ों को संरक्षित रखना आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ सकेगी।

औसफ अहमद खां ने कहा कि कला और संगीत समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने ग्रामीणों से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने और अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने की अपील की।

कार्यक्रम में मौजूद ग्राम प्रधानों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे गांवों में होने वाले सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में पारंपरिक गीत-संगीत और लोक संस्कृति को नई ऊर्जा मिलेगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, ग्राम प्रधान तथा प्रखंड और अंचल कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

## फर्नेस ब्लास्ट और प्रदूषण पर ग्रामीणों का विरोध, एसडीओ से जांच की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**चांडिल** : सरायकेला-खरसावां जिले के करनीडीह टोला, भुइयाडीह स्थित गैलेक्सी कंपनी में हाल ही में हुए फर्नेस ब्लास्ट और कथित प्रदूषण संबंधी समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने अनुमंडल पदाधिकारी चांडिल को आवेदन सौंपकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी की औद्योगिक इकाइयां हरिजन बस्ती से सटी हुई हैं, जहां बड़ी संख्या में लोग निवास करते हैं।

आवेदन में कहा गया है कि 16 जून 2026 को हुए फर्नेस ब्लास्ट में दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए। ग्रामीणों ने घटना की निष्पक्ष जांच के साथ कंपनी से निकलने वाले धुआं, धूलकण, राख, शोर और कंपन से हो रहे कथित स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय प्रभावों की भी जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कंपनी को जारी विभिन्न पर्यावरणीय और संचालन संबंधी अनुमतियों तथा सुरक्षा मानकों के अनुपालन की समीक्षा की मांग उठाई है।

विस्थापित अधिकार मंच फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश रंजन महतो ने ग्रामीणों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि जन सुरक्षा और पर्यावरण से समझौता स्वीकार्य नहीं है। मामले की प्रति रांची लोकसभा सांसद संजय सेठ को भी भेजी गई है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि मांगों पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं होने पर 22 जून 2026 से कंपनी के मुख्य द्वार पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

## तोपा परियोजना में स्कूली बच्चों के बीच किताब व पठन सामग्री का वितरित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**कुजू**। सीसीएल तोपा परियोजना के न्यू माइनस कॉलोनी स्थित तोपा प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार को किताब व अन्य पठन सामग्री का वितरण किया गया। झारखंड शिक्षा परियोजना से विद्यालय को किताब, कॉपी व बैग उपलब्ध कराया गया। इसका बच्चों के बीच जिला परिषद सदस्या दयामंती देवी के प्रतिनिधि ज्योतिंद्र प्रसाद साहू व ओरला पंचायत मुखिया गुड़िया देवी के प्रतिनिधि निर्मल करमाली ने संयुक्त रूप से बच्चों के बीच वितरण किया। साथ ही प्रत्येक दिन स्कूल आने और अपना भावी भविष्य उज्ज्वल करने का आह्वान किया। इस दौरान मुख्य रूप से विद्यालय प्रधानाध्यापक कमल राम, अखिलेश कुमार, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष समेत अन्य कई सम्मानित व्यक्ति उपस्थित हुए।

# हाईकोर्ट में 500-400 मीटर नियम पर सुनवाई टली

» 30 जुलाई को अगली तारीख
» प्रदूषण बोर्ड ने मांगा 4 हफ्ते का समय
» सैकड़ों खदान-क्रशर पर अब भी लटकी तलवार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

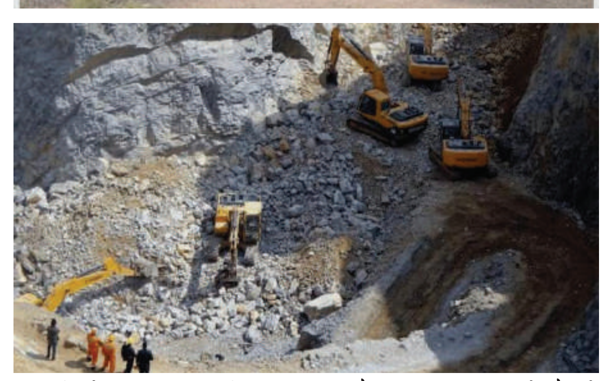

**साहिबगंज**। झारखंड में पत्थर कारोबार की किस्मत का फैसला गुरुवार को अपराह्न 2:15 बजे होना था,लेकिन अंतिम आदेश पारित नहीं हो सका.झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जवाब दाखिल करने के लिए 4 सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा,जिसे हाईकोर्ट की मुख्य खंडपीठ ने स्वीकार कर लिया.अब इस मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी.मुख्य न्यायाधीश महेश शरदचंद्र सोनक और न्यायाधीश राजेश शंकर की खंडपीठ ने 16 अप्रैल को दिए अंतरिम आदेश पारित कर कहा था कि वन भूमि की सीमा से पत्थर खन के लिए 500 मीटर और स्टोन क्रशर लगाने के लिए 400 मीटर की न्यूनतम दूरी अनिवार्य होगी. प्रदूषण बोर्ड ने 2015 और 2017 में इस दूरी को घटाकर 250 मीटर कर दिया था,जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था. यह नियम राज्य के सभी 24 जिलों पर लागू होगा.अंतरिम आदेश के बाद से पत्थर-क्रशर उद्योग में हड़कंप मचा है.कारोबारियों का कहना है कि यदि फैसला बरकरार रहा तो सैकड़ों खन पट्टे और क्रशर लाइसेंस रद्द हो जाएंगे.अरबों का निवेश डूबने,हजारों मजदूरों के बेरोजगार होने और गिट्टी के दाम बढ़ने की आशंका जताई जा रही है.इसका सीधा असर निर्माण क्षेत्र पर पड़ेगा.वहीं पर्यावरण प्रेमियों ने हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश का स्वागत किया है.चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर ने इसे झारखंडवासियों की ऐतिहासिक जीत बताया.उन्होंने कहा कि यह फैसला वन संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा और जल,वायु तथा ध्वनि प्रदूषण पर दीर्घकालिक नियंत्रण मिलेगा.हाईकोर्ट ने 16 अप्रैल के अंतरिम आदेश में सभी पक्षों को 12 जून तक अपना पक्ष रखने की छूट देते हुए अंतिम आदेश के लिए 18 जुन की तारीख निर्धारित की थी.निर्धारित तिथि पूरी होने के बाद गुरुवार को सुनवाई हुई,लेकिन प्रदूषण बोर्ड के द्वारा समय मांगने से आदेश टल गया.सुनवाई की तिथि आगे बढ़ने से सरकार और खदान-क्रशर कारोबारियों ने राहत की सांस ली,जबकि पर्यावरण कार्यकर्ताओं में मायूसी देखी गई.अब सबकी निगाहें 30 जुलाई की सुनवाई पर टिकी हैं.हाईकोर्ट यदि 16 अप्रैल के अंतरिम आदेश को बरकरार रखता है तो राज्य के सैकड़ों स्टोन खदान और क्रशर पर ताला लगना तय माना जा रहा है.

# आधार केंद्रों पर आधार अपडेटशन के नाम पर वसूली का खेल जारी, जिला प्रशासन मौन

रिपोर्ट : दीपक कुमार केसरी

बैंक मैनेजर

ग्राहक अभय कुमार

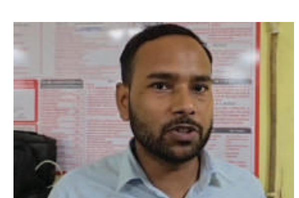

अश्वनी कुमार आधार संचालन

सदर सीओ सह बीडीओ बासुकीनाथ टुड्डू

ग्राहक सरफराज

**साहिबगंज**ः जिले में इन दिनों आधार केंद्रों पर आधार अपडेटशन कराने के लिए जाने वाले गरीब ग्रामीणों से अवैध वसूली के आरोपों ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। जहां सरकारी योजनाओं में गड़बड़ियों को लेकर सवाल फिर तेज हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत चौक बाजार स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में संचालित आधार सेंटर पर कार्यरत कर्मी ने कई लोगों से आधार अपडेटशन करने के नाम पर तय राशि से अधिक वसूली करने का मामला सामने आया है। जहां इस मामले को लेकर चौक बाजार निवासी अभय कुमार ने बताया कि वो अपने आधार कार्ड में मोबाइल फोन नंबर लिंक कराने के लिए आया हुआ था जहां आधार सेंटर पर कार्यरत कर्मी ने उससे तय राशि से अधिक वसूली कर ली है। वही अन्य हबिपूर सरफराज ने भी बताया कि उससे भी आधार अपडेटशन करने के नाम पर तय राशि से ज्यादा की वसूली की गई है। उधर कई ऐसे लोग आधार सेंटर पर मौजूद थे जिन्होंने अपनी अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि जब सभी कार्यों के लिए सरकार के द्वारा एक निश्चित राशि तय की गई है तो किसके आदेश पर आधार अपडेटशन करने के नाम पर संबंधित कर्मी ने ज्यादा की राशि वसूली की है। वही जिले में अभी पेंशन फर्जीवाड़ा के बाद आधार अपडेटशन के नाम पर वसूली का मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन के ऊपर कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं। वही आधार अपडेटशन का काम करने वाले कर्मी अश्वनी कुमार ने बताया कि उसने किसी भी ग्राहक से ज्यादा वसूली नहीं की है। उधर मामले को लेकर सदर सीओ सह बीडीओ बासुकीनाथ टुड्डू ने बताया कि अगर ऐसा मामला सामने आता है संबंधित कर्मी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

## गोला थाना पुलिस के द्वारा पूर्व के दो कांडों के फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**गोला**ः थाना कांड संख्या के दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।जिसमे. गोला थाना कांड सं 18/26 में मोटरसाइकिल पर सवार 02 अज्ञात अपराधकर्मी के द्वारा गोला थाना अंतर्गत ग्राम तोयर, भेड़ा पुल के समीप हथियार का भय दिखकर सोना चांदी जेवरात की लूट की घटना को अंजाम दिया गया था के मुख्य षडयंत्रकर्ता दीपक कुमार स्वर्णकार, पिता-स्व0 कालीचरण स्वर्णकार, स्थायी पता-अग्रवाल मोहल्ला, गोला, थाना-गोला, जिला-रामगढ़ वर्तमान पता-मटवारी, इमली चौक, हजारीबाग, थाना कोर्रा, जिला हजारीबाग के पास से 01 मोबाइल बरामद किया गया तथा व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।दूसरे मामले में गोला थाना कांड सं 30/26 मारपीट कर जख्मी करने के आरोप में दर्ज कराया गया था के प्राथमिकी अभियुक्त. शत्रुधन साव, पिता नारायण साव, ग्राम मगनपुर, थाना गोला, जिला रामगढ़ को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

## बरहेट में दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष शिविर, 11 लाभार्थियों का चयन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**साहिबगंज** : दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बरहेट प्रखंड कार्यालय परिसर में एडीआईपी (ADIP) एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना (RVVY) के तहत विशेष पंजीकरण एवं लाभार्थी चयन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के अंतिम दिन कुल 11 लाभार्थियों का चयन किया गया, जिनमें 10 दिव्यांगजन और एक वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं।

शिविर में लाभार्थियों की शारीरिक आवश्यकताओं का आकलन कर मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, ट्राईसाइकिल, स्मार्ट केन, व्हीलचेयर, सीपी चेयर, एल्बो क्रच, एक्सिला क्रच, नी-ब्रेस, एलएस ब्रेस, कमोड चेयर और वॉकिंग स्टिक जैसे सहायक उपकरणों के लिए चयन किया गया। चयनित लाभार्थियों को उनकी जरूरत के अनुरूप उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

अधिकारियों ने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र दिव्यांगजन या वरिष्ठ नागरिक आवश्यक सहायक उपकरणों के अभाव में कठिनाइयों का सामना न करे। उन्होंने बताया कि ऐसे शिविर समाज के समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं, जो लाभार्थियों को आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के साथ जीवन जीने में सहायता प्रदान करते हैं।

# मोहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**रामगढ़**ः आगामी मोहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं विधि-व्यवस्था के अनुरूप आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत की उपस्थिति में समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को मोहर्रम पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र के संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थलों की पहचान कर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया। साथ ही लाइसेंसी एवं गैर-लाइसेंसी जुलूसों की सूची तैयार कर उनका भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा।उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को संयुक्त रूप से संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण करने तथा जुलूस मार्गों का सत्यापन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी जुलूस निर्धारित मार्ग से ही निकाले जाएं तथा इस संबंध में थाना स्तर पर विशेष निगरानी रखी जाए।बैठक में कार्यपालक अभियंता, विद्युत विभाग को निर्देश दिया गया कि जुलूस मार्गों पर कहीं भी टूटे अथवा झूलते हुए विद्युत तार नहीं रहें। वहीं थाना प्रभारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि जुलूस मार्गों पर पेड़ों की शाखाएं अत्यधिक नीचे न हों तथा आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।उपायुक्त ने सभी थाना प्रभारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में आपत्तिजनक एवं भड़काऊ सामग्री पर विशेष नजर रखने तथा आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जुलूस में प्रयुक्त होने वाले वाहनों की फिटनेस एवं सुरक्षा मानकों की जांच करने का भी निर्देश दिया गया।बैठक के दौरान सभी दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में मोहर्रम समिति के सदस्यों के साथ समन्वय बैठक आयोजित करने तथा आपसी संवाद एवं सहयोग के माध्यम से पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की बात कही गई।संवेदनशील क्षेत्रों में संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च आयोजित करने का भी निर्देश दिया गया।इसके अतिरिक्त सभी चौकीदारों को संवेदनशील स्थलों पर प्रतिनियुक्त कर नियमित रूप से स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराने तथा सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि उपरोक्त बिंदुओं के आलोक में की गई कार्रवाई का संयुक्त प्रतिवेदन 22 जून 2026 तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं पुलिस प्रशासन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### भाजपा नेता ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

**कसमार (बोकारो)** : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चल रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कसमार प्रखंड के दांतू गांव में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा गोमिया विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह बोकारो जिला बीस सूत्री समिति के पूर्व उपाध्यक्ष लक्ष्मण कुमार नायक तथा पूर्व जिला परिषद सदस्य गीता देवी ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मौके पर उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन के लिए ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी आवश्यक हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

### एससी/एसटी मामलों में संवेदनशील पुलिसिंग पर जोर, बोकारो के सभी थाना प्रभारियों को मिला प्रशिक्षण

**बोकारो** : अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से जुड़े अपराधों की रोकथाम, त्वरित कार्रवाई और प्रभावी अनुसंधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बोकारो पुलिस ने सभी थाना प्रभारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 तथा उसके 2015 और 2018 के संशोधनों के विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान एफआईआर दर्ज करने, अनुसंधान, आरोप पत्र दाखिल करने, गिरफ्तारी, जमानत, अपील, मुआवजा और पीड़ितों के अधिकारों से संबंधित कानूनी प्रक्रियाओं को विस्तार से समझाया गया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अधिनियम का क्रियान्वयन पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ किया जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके।

इसके अलावा सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 के तहत अस्पृश्यता, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर जातिगत भेदभाव जैसे मामलों में तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) द्वारा दिए गए इस प्रशिक्षण में जिले के सभी थाना प्रभारी और पुलिस निरीक्षक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए तथा अधिनियम के प्रभावी अनुपालन का संकल्प लिया।

# आधी रात को तेज धमाके के साथ फटी हीरक रोड; फुसरो में 12 फीट का गहरा गड्ढा बनने से दहशत

**अधिकारियों के निरीक्षण के बाद पथ से आवागमन ठप**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** जिले के फुसरो नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 12 स्थित पांच नंबर घौड़ा में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब एक बजे एक बड़ा और खौफनाक हादसा हो गया। राम मड़ैया के समीप से गुजरने वाली हीरक रोड पर वर्षों से सुलग रही भूमिगत आग के कारण अचानक एक तेज धमाका हुआ, जिसके साथ ही वहां भीषण भू-धंसान (लैंड सब्सिडेंस) हो गया। आधी रात को हुए इस जोरदार धमाके के कारण सड़क का एक बड़ा हिस्सा जमींदोज हो गया और मौके पर लगभग 12 फीट व्यास का एक बेहद गहरा व डरावना गड्ढा बन गया। इस घटना के बाद पूरी सड़क के कई हिस्सों में चौड़ी दरारें पड़ गईं और जमीन के भीतर से जहरीला धुआं व तेज आंच निकलने लगी। गुरुवार की सुबह जैसे ही स्थानीय ग्रामीणों को इस तबाही की जानकारी मिली, पूरे इलाके में भय और प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश फैल गया।

घटना से आक्रोशित सैकड़ों स्थानीय महिला-पुरुषों ने सुबह ही हीरक रोड को पूरी तरह जाम कर दिया और सीसीएल प्रबंधन के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस चक्का जाम के कारण सीसीएल अमलो परियोजना से लेकर रेलवे साइडिंग तक होने वाला भारी कोयला परिवहन (कोल ट्रांसपोर्टेशन) पूरी तरह से ठप हो गया, जिससे प्रबंधन को लाखों का नुकसान उठाना पड़ा। हालात बिगड़ते देख ढोरी प्रक्षेत्र की अमलो परियोजना के प्रबंधक अंजनी कुमार, सेफ्टी ऑफिसर सुमन कुमार, एसओसी सतीश कुमार, सेल ऑफिसर विवेक सिंह, आउटसोर्सिंग इंचार्ज उमेश कुमार, डिपो इंचार्ज अर्पण कुमार, साइडिंग इंचार्ज प्रदीप कुमार, ब्लास्टिंग ऑफिसर रमेश कुमार और प्रोजेक्ट इंजीनियर नीलेश कुमार सहित दर्जनों अधिकारियों की फौज तुरंत मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को काफी समझाया-बुझाया और प्रभावित परिवारों को दूसरी सुरक्षित जगह स्थानांतरित करने व वैकल्पिक मार्ग देने का लिखित आश्वासन देकर जैसे-तैसे सड़क के एक किनारे से रेंग-रेंग कर आवागमन शुरू कराया।

मामले की गंभीरता और लोगों की जान पर मंडराते खतरे को देखते हुए बेरमो के अनुमंडल पदाधिकारी मनोज कुमार और अंचलाधिकारी संजीत कुमार सिंह ने तत्काल घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। जमीन के भीतर धधकती आग और सड़कों पर पड़ी चौड़ी दरारों को साक्षात देख अधिकारियों ने स्थिति को अत्यंत संवेदनशील माना। एसडीओ ने किसी भी बड़े जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से पूरी हीरक रोड पर सभी प्रकार के वाहनों और आम लोगों के आवागमन को पूरी तरह से प्रतिबंधित करने का कड़ा निर्देश जारी किया। इसके साथ ही, सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के मद्देनजर और दोबारा कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए पूरे प्रभावित डेंजर जोन क्षेत्र में भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

**बोले वाशिंदे- 40 वर्षों से सिर्फ मिल रहा है आश्वासन-** वार्ड पार्षद अल्पना देवी ने नगर परिषद की बोर्ड बैठक में पहले भी इस मुद्दे को उठाने की बात कहते हुए प्रबंधन को घेरा और कहा कि धमाके के कारण पत्थर दूर-दूर तक जा गिरे हैं, जिससे बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा दांव पर है। स्थानीय महिलाओं का दर्द भी इस हादसे के बाद पूरी तरह छलक उठा; पिछले 40 वर्षों से वहां रह रही मंजू देवी, सलोनी देवी और कोमल देवी ने बताया कि भूमिगत आग की भीषण गर्मी से उनके घरों की दीवारें फटकर दो टुकड़ों में बंट रही हैं। ममता देवी और राशिम बानो ने रोते हुए कहा कि रात भर निकलने वाले जहरीले धुएं और गर्मी के कारण उनके छोटे बच्चों का दम घुट रहा है और वे हर सेकंड मौत के साये में जीने को विवश हैं। ग्रामीणों के अनुसार, इससे पहले 21 फरवरी 2025 को भी इस सड़क पर दरारें पड़ी थीं, लेकिन तब प्रबंधन ने स्थायी समाधान ढूंढने के बजाय केवल बालू और छाई (फ्लाइअश) डालकर आग को दबाने का एक अस्थाई नाटक किया था, जिसका खामियाजा आज पूरे फुसरो को भुगतना पड़ रहा है।

# विवादित जमीन की मापी करवाकर मामले का निपटारा करने का निर्देश

**» कसमार में थाना दिवस में कई मामलों पर बनी सहमति**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**कसमार (बोकारो)** : बोकारो डीसी व एसपी के निर्देश पर कसमार थाना में गुरुवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें कसमार थानाक्षेत्र के कई गांव के जमीन संबंधित मामलों का निपटारा किया गया। इस दौरान कसमार अंचल अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह एवं कसमार थाना प्रभारी कुंदन कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। इस दौरान पिछले कुछ दिनों से सोनपुरा में एक जमीन पर दो पक्ष जिसमें प्रथम पक्ष में दांतू निवासी कृष्ण कुमार नायक व टांड़ बालीडीह निवासी जयमंगल सिंह एवं द्वितीय पक्ष में सोनपुरा के पिरवाटांड़ निवासी किशोरी सिंह व भुवनेश्वर सिंह के बीच चल रहे विवाद पर दोनों पक्षों ने अपने अपने जमीनी दस्तावेज प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों के दस्तावेज के निरीक्षण के बाद यह आम सहमति बनी कि रविवार को दोनों पक्ष के लोग अमीन से अपनी जमीन की नापी करवाकर अपने जमीन से संबंधित सीमांकन करवाकर अंचल कार्यालय को सूचित करेंगे, ताकि इस मामले का निपटारा किया जा सके। इस दौरान दोनों पक्ष के लोगों ने स्वीकार किया कि मामला बहुत ज्यादा पेचीदा नहीं है, लेकिन इसे बेवजह तूल देकर पेचीदा बना दिया गया था। यह भी बताया गया कि चूंकि उक्त जमीन जीएम लैंड है, इसलिए प्रस्तुत जमाबंदी के आधार पर अपनी जमीन का सीमांकन करवा लें, ताकि भविष्य में उक्त जमीन पर कोई विवाद उत्पन्न न हो। इस दौरान सीओ नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जमीन संबंधित मामलों के निपटारा के लिए थाना दिवस अत्यंत कारगर पहल है, जिसके माध्यम से जमीनी विवाद को बड़ी आसानी से निपटारा किया जा रहा है। इस दौरान एक पक्ष के लोगों ने यह स्वीकार किया कि जमीनी विवाद हल नहीं हो पाने के कारण थाना प्रभारी पर मनगढ़ंत आरोप लगाया गया था, जो सरासर गलत था। इस दौरान स्वीकार किया कि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। इस दौरान थाना दिवस में डुमरकुदर, रानीटांड़ एवं मधुकरपुर के कुछ लोगों के बीच चल रहे जमीनी विवाद का निपटारा किया गया। मौके पर कसमार थाना के एएसआई रोजिद आलम व सत्येंद्र सिंह, अंचल निरीक्षण प्रवीण कुमार, कर्मचारी जमील अहमद, अंचल अमीन विक्रम नायक, परमेश्वर सिंह, विनोद सिंह, कुलदीप करमाली व अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

## खैराचातर के मिहिर ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की फाइनल परीक्षा में किया उत्तीर्ण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

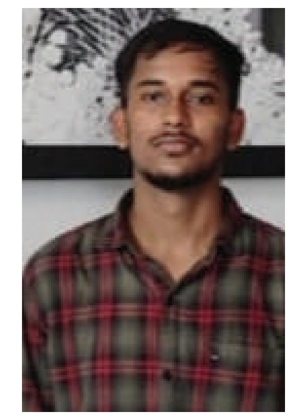

**कसमार (बोकारो)** : कसमार प्रखंड के खैराचातर निवासी मिहिर कुमार जायसवाल ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) फाइनल परीक्षा पहले ही प्रयास में उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वे प्रसिद्ध व्यवसायी स्वर्गीय कमल प्रसाद भगत के पौत्र तथा व्यवसायी मोतीलाल जायसवाल एवं आशा देवी के पुत्र हैं। मिहिर ने अपनी मैट्रिक और इंटरमीडिएट की शिक्षा बोकारो के जीजीपीएस से प्राप्त की। उन्होंने बताया कि स्कूल जीवन में ही उन्होंने सीए बनने का लक्ष्य तय कर लिया था। 12वीं के बाद उन्होंने इस दिशा में तैयारी शुरू की और लगातार मेहनत के बल पर सफलता हासिल की। उन्होंने कोलकाता में रहकर सीए की तैयारी की तथा सालारपुरिया जाजोदिया एंड कंपनी एवं आईटीसी लिमिटेड में कार्य करते हुए व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किया। मिहिर ने अपनी सफलता का श्रेय अनुशासन, समय प्रबंधन और नियमित अध्ययन को दिया। उन्होंने कहा कि सीए का विशाल पाठ्यक्रम सबसे बड़ी चुनौती होता है। इसके लिए उन्होंने स्वयं के शॉर्ट नोट्स तैयार किये और नियमित पुनरावृत्ति पर ध्यान दिया। विद्यार्थियों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि अकाउंट्स, टैक्स और ऑडिट जैसे विषयों की मूल अवधारणाओं को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

## बुंडू पंचायत के चौथे स्थापना वर्ष पर सम्मान समारोह, विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को किया गया सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो** । पेटरवार प्रखंड के बुंडू पंचायत स्थित मेला टांड़ परिसर में पंचायत के तृतीय सत्र के चौथे वर्षगांठ के अवसर पर गुरुवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान अतिथियों का पौधा और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए चंद्र प्रकाश चौधरी ने पंचायत में हुए विकास कार्यों की सराहना की और कहा कि ग्रामीण विकास में जनप्रतिनिधियों तथा आम जनता की सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि पंचायत में हाईमास्ट लाइट और स्वच्छता अभियान के लिए वाहन उपलब्ध कराया गया है। पूर्व विधायक लंबोदर महतो ने भी पंचायत की विकास योजनाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुखिया निहारिका सुकृति के नेतृत्व में बुंडू पंचायत ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि बुंडू पंचायत आईएसओ प्रमाणित पंचायत है, जो राज्य में अपनी अलग पहचान रखती है।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों, बैंक प्रबंधकों, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों, पूर्व मुखियाओं, सहिया, सहायिका, एएनएम और स्वच्छता कर्मियों सहित समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जनकल्याण के क्षेत्र में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

मुखिया निहारिका सुकृति ने पंचायत की चार वर्षों की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए जनहित के कार्यों को और गति देने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रहलाद महतो, सीमा देवी, दिनेश गुप्ता, शांति लाल जैन, सुधीर सिन्हा, संजय गुप्ता सहित कई जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# दो पंचायत में किशोरियों को दिया गया स्वास्थ्य जागरूकता प्रशिक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**कसमार (बोकारो)** : सहयोगिनी संस्था की ओर से खैराचातर एवं टांगटोना पंचायत में किशोरियों एवं युवा महिलाओं के लिए यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य एवं अधिकार और स्वास्थ्य जागरूकता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को उनके अधिकारों, स्वास्थ्य, शिक्षा और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक कर उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास करना है, ल ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। शिविर में मुख्य प्रशिक्षक कुमारी मंजू ने किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक व मानसिक परिवर्तनों, मासिक धर्म स्वच्छता, सही पोषण, एनीमिया की रोकथाम और व्यक्तिगत स्वच्छता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सही समय पर सही जानकारी ही युवाओं को सुरक्षित भविष्य की ओर ले जा सकती है। इसके साथ ही उन्होंने नशामुक्ति का आह्वान करते हुए किशोरियों से तंबाकू और शराब जैसी कुरीतियों के खिलाफ समाज में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। सहयोगिनी संस्था के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि संस्था कसमार प्रखंड के 19 गांवों में किशोरी नेतृत्व क्षमता विकास को लेकर लगातार काम कर रही है। प्रशिक्षण के अंत में उपस्थित किशोरियों ने अपने-अपने गांवों में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने, बाल विवाह रोकने और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने का सामूहिक संकल्प लिया। मौके पर सहयोगिनी संस्था की एनिमेटर रेखा देवी, पुष्पा देवी, पायल कुमारी, टीना कुमारी, वर्षा कुमारी, मायावती कुमारी, गुलाबी कुमारी, श्वेता कुमारी, सुधा कुमारी, न्यासा कुमारी, किरण देवी व स्थानीय किशोरियां व महिलाएं उपस्थित थीं।

# बोकारो में मिशन परिवार विकास अभियान-2026 शुरू, जागरूकता रैली रवाना

**सभी सीएचसी और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में चलेंगे खास कार्यक्रम**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो** : जिला स्तर पर स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने और जनसंख्या स्थिरता को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आज दिनांक 18 जून 2026 को सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद की अध्यक्षता में मिशन परिवार विकास अभियान-2026 का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस विशेष अवसर पर सिविल सर्जन द्वारा एक वृहद जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिसके माध्यम से समाज में परिवार नियोजन, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और छोटे परिवार के दूरगामी महत्व से संबंधित कल्याणकारी संदेशों के साथ जन-जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। अभियान की रूपरेखा साझा करते हुए सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि इस मिशन के तहत जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) के साथ-साथ सुदूर ग्रामीण और सामुदायिक स्तर पर संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में भी एक दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम अनिवार्य रूप से आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत मुख्य रूप से सूचनात्मक रैलियों, प्रदर्शनियों तथा सघन प्रचार-प्रसार के माध्यम से योग्य दंपत्तियों को परिवार नियोजन के उपलब्ध स्थायी एवं अस्थायी साधनों की सटीक तकनीकी जानकारी दी जाएगी, साथ ही दो बच्चों के जन्म के बीच उचित और सुरक्षित अंतराल रखने के प्रति माताओं व अभिभावकों को प्रेरित किया जाएगा।

कार्यक्रम के व्यापक सामाजिक प्रभाव पर चर्चा करते हुए जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. सेलिना टुडू ने बताया कि इस पूरे अभियान में राष्ट्रीय आजीविका मिशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं, किशोर-किशोरियों एवं स्थानीय समुदाय के लोगों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि हर घर तक स्वस्थ, खुशहाल और नियोजित परिवार का सकारात्मक संदेश पहुंचाया जा सके। उन्होंने आम जनता से भावुक अपील करते हुए कहा कि वे परिवार नियोजन के साधनों को स्वेच्छा से अपनाकर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ बनाने में जिला प्रशासन का पूर्ण सहयोग करें। इस गरिमापूर्ण जिला स्तरीय उद्घाटन सह रैली कार्यक्रम में मुख्य रूप से बोकारो के सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. सेलिना टुडू, जिला कार्यक्रम प्रबंधक हिना अग्रवाल, जिला कार्यक्रम समन्वयक आशीष दीन और डीपीएमयू कोऑर्डिनेटर अमित कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अन्य आला पदाधिकारी, चिकित्सा कर्मी तथा स्वास्थ्य सहियाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

## तीन घंटे में अपहरण कांड का खुलासा, युवती सकुशल बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो**: नावाडीह थाना पुलिस ने अपहरण के एक मामले का त्वरित उद्भेदन करते हुए आरोपी को घटना के महज तीन घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया तथा युवती को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार, 17 जून 2026 की शाम उर्मिला देवी ने नावाडीह थाना में अपनी पुत्री के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। आवेदन के आधार पर नावाडीह थाना कांड संख्या 49/2026 दर्ज किया गया।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि रुपलाल कोड़ा उर्फ रुपलाल मुंडा (19) युवती को शादी की नीयत से अपने साथ ले गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बेरमो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया तथा युवती को सुरक्षित बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपी मूल रूप से रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र का निवासी है और वर्तमान में नावाडीह थाना क्षेत्र के गुंजरडीह में रह रहा था।

छापेमारी दल में थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी, पुलिस पदाधिकारी मो. शमीम अंसारी, मिथलेश कुमार सहित महिला एवं पुरुष सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

# लोन दिलाने के नाम पर ठगी, आरोपी महिला गोला टोल गेट से गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो** : जिले के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र में महिलाओं से बैंक लोन के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपी की पहचान चुटटे गांव निवासी जीरू कुमारी के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, चुटटे गांव की कई महिलाओं को बैंक से लोन दिलाने के बाद राशि वापस बैंक में जमा कराने का झांसा देकर उनसे बड़ी रकम की ठगी की गई थी। इस संबंध में चतरोचट्टी थाना में कांड संख्या 17/2026, दिनांक 12 अप्रैल 2026 को मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के बाद से पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी।

इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि जीरू कुमारी बोकारो जिले से बाहर भागने की कोशिश कर रही है। सूचना के आधार पर चतरोचट्टी थाना पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाकर रामगढ़ जिले के गोला टोल गेट के समीप उसे गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। छापेमारी टीम में कुन्दन कुमार यादव, शिव नंदन हांसदा, अजय मेहता, किशोर कुमार महतो, खुशबु कुमारी, तीजो कुमारी और विभा हांसदा शामिल थे। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

# पीसीसीएफ से मिला वन सुरक्षा समिति का प्रतिनिधिमंडल

**वन संरक्षण, मानव-वन्यजीव संघर्ष और वनवासियों से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा**

**» मांगों पर सकारात्मक पहल का मिला भरोसा**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**कसमार (बोकारो)** : केंद्रीय वन पर्यावरण सुरक्षा सह प्रबंधन समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को केंद्रीय अध्यक्ष विष्णुचरण महतो के नेतृत्व में वन भवन, रांची स्थित कार्यालय में झारखंड के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) संजीव कुमार से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान वन संरक्षण, मानव-वन्यजीव संघर्ष, ग्राम वन प्रबंधन समितियों की भूमिका तथा वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने पीसीसीएफ को वन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में जनभागीदारी को और मजबूत बनाने, वन प्रबंधन समितियों की समस्याओं के समाधान तथा वनवासियों से जुड़े लंबित मुद्दों से अवगत कराया। साथ ही हाल ही में आयोजित संयुक्त कार्यशाला में शामिल होकर समिति का उत्साहवर्धन करने एवं विभिन्न मांगों पर सकारात्मक पहल का आश्वासन देने के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। मुलाकात के दौरान पीसीसीएफ संजीव कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि समिति द्वारा उठाई गई मांगों पर विभाग गंभीरता से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकांश प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं और सभी मांगें विभागीय स्तर पर विचाराधीन हैं। आने वाले समय में इनके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

प्रतिनिधिमंडल ने वन संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में ग्रामीण समुदायों की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

प्रतिनिधिमंडल में समिति के केंद्रीय अध्यक्ष विष्णुचरण महतो, केंद्रीय सचिव मो. सुलेमान अंसारी, केंद्रीय उपाध्यक्ष कार्तिक महथा एवं गंगाधर महतो, केंद्रीय कोषाध्यक्ष आनंद कुमार महतो, केंद्रीय मीडिया प्रभारी दीपक सवाल एवं रंजीत कुमार महतो शामिल थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 19 जून, 2026



## संक्षिप्त समाचार

### पानी-बिजली संकट पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, लोदना जीएम कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन

**लोदना (धनबाद):** झरिया के लोदना क्षेत्र स्थित बागडीगी बस्ती के ग्रामीणों ने गुरुवार को पेयजल और बिजली की गंभीर समस्या को लेकर लोदना महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो ओपन कास्ट परियोजना का चक्का जाम किया जाएगा।

धरना के दौरान तेज धूप में बैठी ग्रामीण महिला मीना देवी की तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। उन्हें तत्काल एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया।

ग्रामीण नेता नयन चक्रवर्ती ने कहा कि बागडीगी बस्ती रैयती जमीन पर बसी है, जिसे उनके पूर्वजों ने बीसीसीएल को सौंपा था। इसके बावजूद गांव के लोगों को आज तक पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में 24 घंटे में केवल चार घंटे ही बिजली उपलब्ध हो रही है और पेयजल व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

उन्होंने बताया कि स्वर्गीय ए.के. राय के समय बिछाई गई जलापूर्ति पाइपलाइन ओपन कास्ट खनन शुरू होने के बाद उखाड़ दी गई थी। बाद में आंदोलन के दबाव में पाइपलाइन तो बिछाई गई, लेकिन अब तक घरों तक पानी का कनेक्शन नहीं जोड़ा गया। ग्रामीणों ने संबंधित अभियंताओं पर भी लापरवाही का आरोप लगाया।

धरना स्थल पर पहुंचे पूर्व पार्षद अनूप साव, सूरज भुईयां और श्रीराम गोराई ने कहा कि कंपनी ग्रामीणों की जमीन से कोयला निकाल रही है, लेकिन उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं करा पा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्याओं का समाधान नहीं होने पर ग्रामीण कोयला उत्पादन बाधित करने को मजबूर होंगे।

सूचना मिलने पर लोदना के महाप्रबंधक अनिल सिन्हा आंदोलनकारियों के बीच पहुंचे और वार्ता की। उन्होंने कहा कि पेयजल लोगों की मूलभूत आवश्यकता है तथा माडा के साथ समन्वय स्थापित कर समस्या के समाधान के लिए शीघ्र कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ने और मैनपावर की कमी के कारण कुछ दिक्कतें आई हैं, लेकिन सुधार कार्य जारी है और शुक्रवार से स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा।

महाप्रबंधक ने यह भी बताया कि क्षेत्र में अवैध कोयला डिपो के खिलाफ सीआईएसएफ, थाना पुलिस और इंटरनल सिक्योरिटी की संयुक्त टीम लगातार अभियान चला रही है। उन्होंने राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा में आम जनता और मीडिया से सहयोग की अपील की।

वार्ता के बाद ग्रामीणों ने अपना धरना समाप्त कर दिया। प्रदर्शन में बागडीगी बस्ती, जेलगोरा और हरिजन पट्टी के सैकड़ों ग्रामीण डेकची, बाल्टी और गैलन लेकर शामिल हुए और अपनी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई।

### मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव एवं रोकथाम हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

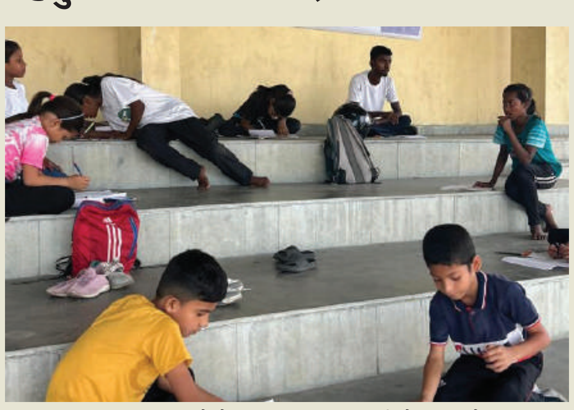

**धनबाद:** मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव एवं उनकी रोकथाम के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला खेल विभाग, धनबाद द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में धनबाद जिला अंतर्गत खेल विभाग द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत खिलाड़ियों के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों तथा नशामुक्त समाज के महत्व को अपनी कलाकृतियों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। खिलाड़ियों ने रंगों और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से समाज को नशे से दूर रहने एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर खिलाड़ियों को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा उन्हें स्वयं जागरूक रहने के साथ-साथ अपने परिवार एवं समाज को भी नशामुक्ति के प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया गया।

जिला खेल पदाधिकारी, धनबाद ने कहा कि खेल एवं स्वस्थ जीवनशैली नशे के विरुद्ध एक प्रभावी माध्यम है। खिलाड़ियों को अनुशासन, स्वास्थ्य एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने तथा समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं खिलाड़ियों में नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा समाज को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से बचाने हेतु सकारात्मक संदेश प्रसारित करना था।

# बलियापुर में उपायुक्त की समीक्षा बैठक, योजनाओं की प्रगति पर दिए जरूरी निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

**बलियापुर (धनबाद):** धनबाद जिले के बलियापुर प्रखंड कार्यालय में गुरुवार को उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के कार्यों की व्यापक समीक्षा की। बैठक में आपूर्ति विभाग सहित कई विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे। समीक्षा के दौरान जन वितरण प्रणाली (PDS) की व्यवस्था को संतोषजनक बताया गया, जबकि कई योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और लंबित कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने बताया कि जिले की अधिकांश राशन दुकानें सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं। हालांकि लाभुकों के KYC कार्य की प्रगति अपेक्षाकृत कम पाई गई, जिस पर अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया गया। साथ ही ऐसे राशन कार्डधारियों की जांच करने को कहा गया जो राशन नहीं लेते हैं अथवा आयकर और GST का भुगतान करते हैं। जांच के बाद अपात्र लाभुकों का नाम सूची से हटाया जाएगा।

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर करने का आश्वासन दिया गया। इसके अलावा भविष्य की सरकारी योजनाओं के लिए 20 से 25 सरकारी जमीनों की पहचान की गई है। आमटाल पंचायत में खेल मैदान निर्माण के लिए भी भूमि चिन्हित की गई है।

बैठक में जाति प्रमाण पत्र, म्यूटेशन एवं निष्पादन से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई, जिनकी प्रगति संतोषजनक पाई गई। उपायुक्त ने बताया कि 12 टीमों द्वारा पूरे प्रखंड में 20 से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों और 10 से अधिक विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुछ कमियां सामने आईं, जिन्हें शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए गए। वहीं आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति में पहले की तुलना में सुधार भी दर्ज किया गया।

उपायुक्त ने विद्यालय निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता न करने की चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता करने वाले संवेदकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) और अंचल अधिकारी (CO) के कार्यों की सराहना करते हुए उनके प्रदर्शन को संतोषजनक बताया।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में अस्पतालों में मौजूद कमियों को जल्द दूर करने का निर्देश दिया गया। साथ ही लंबे समय से बंद पड़े लालाडीह अस्पताल को शीघ्र पुनः शुरू करने की घोषणा की गई, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

## सहायक अध्यापकों की 4% मानदेय वृद्धि की मांग पर मेयर से हुई वार्ता, बोर्ड बैठक में होगा निर्णय

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

**धनबाद:** धनबाद नगर निगम शहरी क्षेत्र से जुड़े लगभग 280 सहायक अध्यापकों के वार्षिक 4 प्रतिशत मानदेय वृद्धि के मामले को लेकर शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने धनबाद मेयर संजीव सिंह से उनके कार्यालय में मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सहायक अध्यापकों के लंबित मानदेय वृद्धि संबंधी मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। इस पर मेयर ने आश्वासन दिया कि मामले को विभागीय स्तर पर गंभीरता से लिया जाएगा तथा 27 जून के बाद होने वाली बोर्ड की बैठक में इस विषय पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में शिक्षा विभाग के पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे, ताकि शिक्षकों की मांगों पर उचित निर्णय लिया जा सके।

प्रतिनिधिमंडल में उत्पल चौबे, चंदन मोदक, संजय प्रजापति, मनोज राय, राजेश कुमार, मोतीलाल महतो, परितोष महतो सहित दर्जनों सहायक अध्यापक शामिल थे। शिक्षकों ने उम्मीद जताई कि बोर्ड बैठक के बाद उनकी वर्षों पुरानी मांग पर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

## चनचनी कॉलोनी में निजी गार्ड की संदिग्ध मौत, 15 लाख मुआवजे की मांग पर परिजनों का धरना

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

**धनबाद:** धनबाद थाना क्षेत्र के चनचनी कॉलोनी स्थित व्यवसायी जितन अग्रवाल के बंगले में कार्यरत निजी गार्ड अनिल कुमार सिंह (45) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने 15 लाख रुपये मुआवजे की मांग को लेकर शव उठाने से इनकार कर दिया और बंगले परिसर में ही धरने पर बैठ गए। सूचना मिलते ही धनबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

मृतक अनिल कुमार सिंह ठाकुर कुल्ही के निवासी थे और पिछले लगभग 20 वर्षों से उक्त बंगले में निजी गार्ड के रूप में कार्यरत थे। परिजनों के अनुसार वे वहीं रहकर 24 घंटे ड्यूटी करते थे। गुरुवार सुबह परिवार को फोन कर बंगले पर बुलाया गया, लेकिन उन्हें अनिल की मौत की जानकारी नहीं दी गई। मौके पर पहुंचने पर परिजनों ने उन्हें मृत पाया।

मृतक के चचेरे भाई कमलेश सिंह ने दावा किया कि अनिल के कान और मुंह से खून निकल रहा था, जिससे मौत पर संदेह पैदा हो गया है। उनका कहना है कि यदि अनिल की तबीयत बिगड़ी थी, तो समय रहते परिवार को सूचना दी जानी चाहिए थी, ताकि उन्हें अस्पताल पहुंचाया जा सके। उन्होंने आशंका जताई कि या तो कोई अनहोनी हुई है या लापरवाही के कारण उनकी मौत हुई है।

राजद नेता गणेश यादव ने भी घटना की निष्पक्ष जांच और मृतक के परिवार को 15 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक मांग पूरी नहीं होगी, शव बंगले परिसर से नहीं उठाया जाएगा।

वहीं धनबाद थाना प्रभारी मनोज पांडे ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल परिजन मुआवजे की मांग पर अड़े हुए हैं और पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

## बेलगड़िया पुनर्वास कॉलोनी में शिफ्टिंग से पहले धंसा मकान का फर्श, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

**धनबाद:** झरिया मास्टर प्लान पुनर्वास 2.0 योजना के तहत बेलगडिया कॉलोनी में लगातार नए आवासीय भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। कोयला मंत्रालय से लेकर जिला प्रशासन और पुनर्वास से जुड़े अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण एवं समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। इस परियोजना के तहत लगभग 10 हजार प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का लक्ष्य रखा गया है।

हालांकि, निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। ताजा मामला बेलगडिया कॉलोनी फेज लव का है, जहां अभी घरों में लोगों की शिफ्टिंग भी शुरू नहीं हुई है, लेकिन एक मकान का फर्श करीब एक फीट तक धंस गया है। इससे निर्माण की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कहीं छज्जा टूटने, कहीं दीवारों में दरार आने और कहीं फर्श क्षतिग्रस्त होने जैसी शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि निर्माण कार्य की निगरानी किस स्तर पर हो रही है और गुणवत्ता मानकों का पालन कितना सुनिश्चित किया जा रहा है।

परियोजना की नियमित समीक्षा और अधिकारियों के लगातार दौरे के बावजूद यदि नए भवनों में इस तरह की खामियां सामने आ रही हैं, तो यह संबंधित एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करता है। पुनर्वास योजना से जुड़े हजारों परिवार सुरक्षित और टिकाऊ आवास की उम्मीद लगाए बैठे हैं, ऐसे में गुणवत्ता सुनिश्चित करना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या निर्माण कार्य की स्वतंत्र तकनीकी जांच होगी और दोषी पाए जाने पर संबंधित एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, या फिर गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवाल यूं ही अनुत्तरित रह जाएंगे?

## आयुष फाउंडेशन द्वारा पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन, मीडिया कर्मियों का हुआ अभिनंदन

**पत्रकार समाज की आंख और कान होते हैं तथा उनकी निष्पक्ष पत्रकारिता समाज को जागरूक और सशक्त बनाती है: गणेश शर्मा**

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

**धनबाद:** समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय आयुष फाउंडेशन धनबाद (AFD) ने लिटिल बटरफ्लाई प्री स्कूल के सभागार में भव्य पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया से जुड़े अनेक पत्रकारों को उनके योगदान के लिए अंगवस्त्र, स्मृति-चिन्ह एवं सम्मान-उपहार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की वास्तविक तस्वीर जनता तक पहुंचाने वाले पत्रकारों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करना था। आयुष फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और समाज तथा प्रशासन के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करते हैं। संस्था द्वारा वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और अन्य जनकल्याणकारी कार्य किए जा रहे हैं, जिन्हें समाज तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

समारोह के दौरान पत्रकारों और संस्था के सदस्यों के बीच परिचर्चा, विचार-विमर्श और संवाद सत्र का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों और सहभागिता आधारित कार्यक्रमों ने आयोजन को यादगार बना दिया। कई वरिष्ठ पत्रकारों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल सम्मान समारोह नहीं, बल्कि पत्रकारों को एक परिवार की तरह जोड़ने का प्रयास था।

संस्था के अध्यक्ष गणेश शर्मा ने कहा कि पत्रकार समाज की आंख और कान होते हैं तथा उनकी निष्पक्ष पत्रकारिता समाज को जागरूक और सशक्त बनाती है। उन्होंने सभी पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी सकारात्मक सहयोग और संवाद बनाए रखने की बात कही।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष सुजाता रंजन, सचिव अर्पिता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष धीरज गुप्ता, ममता सिंह, प्रियंका, निरुपमा नायक, प्रीतम साव, शुभम राज, सिमरन, अनुष्का सहित आयुष फाउंडेशन धनबाद के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

समारोह के अंत में आयुष फाउंडेशन ने सभी पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकारों का सम्मान वास्तव में सत्य, निष्पक्षता, जनहित और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान है। संस्था भविष्य में भी समाज सेवा और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

## स्थायी लोक अदालत के कैंप कोर्ट में 27 ऋण मामलों का निपटारा, 2.15 लाख रुपये की रिकवरी

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

**धनबाद:** झालसा के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर स्थाई लोक अदालत द्वारा कैंप कोर्ट का आयोजन किया गया। इस दौरान बैंक ऑफ इंडिया संग्रामडी में वर्षों से लंबित ऋण संबंधी 27 सुलहनीय मामलों का निपटारा किया गया।

अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष पीयूष कुमार एवं सदस्य सुधीर कुमार सिन्हा तथा दुर्गा चरण निश्चल की पहल से कुल 2 लाख 15 हजार 9 सौ 92 रुपये की रिकवरी कराई गई। अभियान का उद्देश्य आपसी सुलह के माध्यम से मामलों का त्वरित निष्पादन करना है।

## धनबाद के नए अपर समाहर्ता बने प्रदीप कुमार शुक्ला, संभाला पदभार

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

**धनबाद:** जिले के नए अपर समाहर्ता (Additional Collector) के रूप में प्रदीप कुमार शुक्ला ने गुरुवार को विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। निवर्तमान अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने उन्हें कार्यभार सौंपा।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा बुधवार की देर शाम जारी हुए प्रशासनिक पदाधिकारियों के स्थानांतरण आदेश के तहत धनबाद के अपर समाहर्ता विनोद कुमार का तबादला मेदिनीनगर नगर निगम के नगर आयुक्त के पद पर किया गया है। वहीं, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग, रांची में उप सचिव के पद पर कार्यरत प्रदीप कुमार शुक्ला को धनबाद का नया अपर समाहर्ता नियुक्त किया गया है।

पदभार ग्रहण करने के बाद प्रदीप कुमार शुक्ला ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा संचालित विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मियों के सहयोग से प्रशासनिक कार्यों को और अधिक पारदर्शी तथा जनोन्मुखी बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

उल्लेखनीय है कि प्रदीप कुमार शुक्ला का धनबाद से पुराना जुड़ाव रहा है। इससे पूर्व वे जिले में जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

इस मौके पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी राम नारायण खलखो, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय कुमार झा, आइटी मैनेजर रूपेश कुमार मिश्रा, बिजनेस एनालिस्ट आनंद पटेल, जिला राजस्व शाखा के कार्यालय अधीक्षक राम विलास राम, सुशील कुमार सिन्हा, प्रधान सहायक कुमार कर्मवीर, मंजू मंझियाइन, मो. सोहराब, प्रशांत कुमार झा, मनीष कुमार, विजय कुमार, संतोष कुमार, अंशु देव, राज पृथ्वी राज, तालिब हुसैन, पिंकी कुमारी, उमेश कुमार, पिंकी कुमारी, मोबिन अंसारी आदि थे।

## क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में पहली बार शामिल हुआ आईआईटी (आईएसएम), 701-710 वैश्विक रैंक बैंड में मिला स्थान

राष्ट्रीय मुख्यधारा: राजीव रंजन

**धनबाद:** आईआईटी (आईएसएम) धनबाद ने अपने लगभग 100 वर्षों के इतिहास में पहली बार क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में स्थान हासिल कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। प्रतिष्ठित वैश्विक रैंकिंग एजेंसी क्वाक्वारेली साइमंड्स (क्यूएस) द्वारा जारी सूची में संस्थान को 701-710 वैश्विक रैंक बैंड में स्थान मिला है। रैंकिंग में शामिल 52 भारतीय संस्थानों में आईआईटी (आईएसएम) को 21वां स्थान, जबकि सूचीबद्ध 13 आईआईटी में 11वां स्थान प्राप्त हुआ है।

इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने कहा कि पहली बार क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में शामिल होना संस्थान के लिए ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने इसे शिक्षकों, छात्रों, अधिकारियों, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों और अन्य हितधारकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि आईआईटी (आईएसएम) की बढ़ती शैक्षणिक एवं शोध क्षमता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करती है।

कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस की डीन प्रो.रजनी सिंह ने कहा कि संस्थान की शताब्दी यात्रा में यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उनके अनुसार, दूसरे शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहे संस्थान के लिए यह सफलता शिक्षा, शोध, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करेगी।

आईआईटी (आईएसएम) के पूर्व छात्र एवं पैन आईआईटी एलुमनाई इंडिया के महासचिव अशोक कुमार ने भी इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह संस्थान के शिक्षकों, शोधकर्ताओं, छात्रों, पूर्व छात्रों और नेतृत्व की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में संस्थान वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान को और मजबूत करेगा।

संस्थान की इस सफलता में शोध कार्यों के प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। क्यूएस रैंकिंग में आईआईटी (आईएसएम) को 'साइटेशंस पर फैकल्टी' श्रेणी में 87.3 अंक, 'इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क' में 43.2 अंक तथा 'सस्टेनेबिलिटी' श्रेणी में 57.5 अंक प्राप्त हुए हैं। ये आंकड़े संस्थान की शोध गुणवत्ता, वैश्विक साझेदारियों और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

यह उपलब्धि विषयवार क्यूएस रैंकिंग में संस्थान के बेहतर प्रदर्शन की निरंतरता भी है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग बाय सब्जेक्ट 2026 में आईआईटी (आईएसएम) को मिनरल एंड माइनिंग इंजीनियरिंग में भारत में पहला और दुनिया में 21वां स्थान प्राप्त हुआ था। वहीं पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में संस्थान 151-175 वैश्विक रैंक बैंड तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग पहली बार 501-575 वैश्विक रैंक बैंड में शामिल हुई थी। इससे पूर्व संस्थान को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग: सदर्न एशिया 2026 में 110वां स्थान भी मिला था।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में पहली बार मिली यह सफलता आईआईटी (आईएसएम) धनबाद की वैश्विक पहचान को नई मजबूती देने वाली उपलब्धि मानी जा रही है। यह उपलब्धि संस्थान के दूसरे शताब्दी वर्ष की शुरुआत में शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाली साबित हो सकती है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



## संक्षिप्त समाचार

### जर्जर कुर्सी से टला हादसा, चित्तरंजन स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

**जामताड़ा**। चित्तरंजन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी गंभीर लापरवाही सामने आई है। प्लेटफॉर्म संख्या-2 और 3 के बीच फुट ओवर ब्रिज के समीप स्थित यात्री शेड में लगी एक स्टील चेयर जर्जर अवस्था में पाई गई। चेयर के सभी 12 नट-बोल्ट गायब थे, जिससे वह किसी भी समय दुर्घटना का कारण बन सकती थी।

गुरुवार सुबह दुमका-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस का इंतजार कर रहे एक यात्री ने जैसे ही कुर्सी पर बैठने का प्रयास किया, वह अचानक पीछे की ओर झुक गई। यात्री ने समय रहते खुद को संभाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि उस समय कोई बुजुर्ग, महिला या बच्चा बैठा होता तो गंभीर चोट लग सकती थी।

घटना के बाद यात्रियों ने स्टेशन परिसर में उपलब्ध सुविधाओं के रखरखाव पर सवाल उठाते हुए नियमित निरीक्षण नहीं होने का आरोप लगाया। उन्होंने पूरे स्टेशन परिसर में लगी कुर्सियों और अन्य यात्री सुविधाओं का सुरक्षा ऑडिट कराने की मांग की है।

मामले पर चित्तरंजन स्टेशन प्रबंधक अशोक शर्मा ने कहा कि सूचना मिलते ही संबंधित विभाग को मरम्मत के निर्देश दे दिए गए हैं और खराब कुर्सी को जल्द सुरक्षित बनाया जाएगा। घटना के बाद स्टेशन की रखरखाव व्यवस्था और यात्री सुरक्षा को लेकर रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

### डुमरी में एसडीएम -बीडीओ के पद साल भर से प्रभार पर, 88 अधिकारियों के तबादले में भी नहीं मिला स्थायी अफसर

**डुमरी**: झारखंड सरकार द्वारा हाल ही में 88 प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले के बावजूद डुमरी अनुमंडल में स्थायी एसडीएम और बीडीओ की नियुक्ति नहीं होने पर सियासत गरमा गई है। भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार ने इसे डुमरी की जनता के साथ अन्याय करार दिया है। सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि डुमरी के एसडीएम और बीडीओ जैसे अहम पद करीब एक साल से प्रभार पर चल रहे हैं। स्थायी अधिकारियों के अभाव में लाखों की आबादी वाले इस महत्वपूर्ण अनुमंडल में विकास कार्य बाधित हो रहे हैं और लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि डुमरी में एसडीएम और बीडीओ के पदों पर तुरंत स्थायी पदस्थापन किया जाए, ताकि प्रशासनिक व्यवस्था पटरी पर आ सके। सुरेन्द्र कुमार ने चेतावनी दी कि डुमरी की जनता अपने अधिकार और विकास को लेकर जागरूक है और इस उपेक्षा को अब ज्यादा दिन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि डुमरी एक महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्र भी है, जहां स्थायी प्रशासनिक नेतृत्व की मांग लंबे समय से उठ रही है।

### तूफान और बारिश के बीच दीदी कैफे की महिलाओं ने निभाई जिम्मेदारी

**पाकुड़** : गुरुवार को हुई तेज आंधी और मूसलाधार बारिश के बीच पलाश आजीविका दीदी कैफे से जुड़ी महिलाओं ने कर्तव्यनिष्ठा और आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की। प्रतिकूल मौसम के बावजूद उन्होंने समय पर भोजन तैयार कर करीब 50 लोगों तक उसकी डिलीवरी सुनिश्चित की।

कैफे की संचालक मधुमिता ने बताया कि पाकुड़ डीडीसी कार्यालय और प्रखंड कार्यालय से दोपहर के भोजन का ऑर्डर मिला था। भोजन तैयार होने के बाद अचानक तेज बारिश और तूफान शुरू हो गया, लेकिन महिलाओं ने हिम्मत नहीं हारी। भोजन को सुरक्षित पैक कर टोटो के माध्यम से दोनों कार्यालयों में समय पर पहुंचाया गया।

मधुमिता ने जिला प्रशासन और जेएसएलपीएस के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कैफे की सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं।

कैफे से जुड़ी छोटी, शर्मिला, अंजलि, कर्मी, मरियम और डोलोरेस सहित कई महिलाएं, जो पहले केवल घरेलू कार्यों तक सीमित थीं, अब नियमित रूप से कैफे का संचालन कर रही हैं। उनके द्वारा तैयार भोजन समाहरणालय, प्रखंड कार्यालय, अस्पताल और विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों तक पहुंच रहा है। विपरीत मौसम में भी जिम्मेदारी निभाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों ने महिलाओं के प्रयासों की सराहना की है।

### कुजू गुरुद्वारा के निकट छबील की सेवा का आयोजन

**कुजू**। कुजू स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में गुरुवार को छबील की सेवा का आयोजन किया गया। शहीदों के सरताज श्री गुरु अर्जन देव जी महाराज के शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सिख समाज के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा कुजू में स्त्री सत्संगत की ओर से सुबह 7 से 8 बजे तक श्री सुखमनी साहिब जी का पाठ किया गया। वहीं दिन के 11 बजे से गुरुद्वारा साहिब के बाहर छबील की सेवा की गई। इसमें हर आने जाने वाले लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाने को लेकर चना व मीठी शरबत प्रदान किया गया। इसमें सड़क से गुजरने वाले लोगों ने सेवा का लाभ उठाया।

मौके पर छबील की सेवा में चरणजीत सिंह, बलजीत सिंह, सुमित सिंह बग्गा, हरप्रीत सिंह बग्गा, अमन सिंह व विराज सिंह समेत अन्य कई प्रमुख लोग शामिल हुए।

# मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक, सोशल मीडिया पर रहेगी कड़ी निगरानी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**जामताड़ा** : आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को मिहिजाम थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्किल पदाधिकारी अबिश्वर मुर्मू, नगर परिषद अध्यक्ष जय श्री देवी, सर्किल पुलिस इंस्पेक्टर अब्दुल रहमान, थाना प्रभारी, नगर परिषद उपाध्यक्ष जुगनू राय, वार्ड पार्षद, शांति समिति एवं अखाड़ा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में मोहर्रम जुलूस के मार्ग, पेयजल, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाओं को लेकर चर्चा हुई। समिति के सदस्यों ने स्थानीय समस्याओं और सुझावों से प्रशासन को अवगत कराया। अबिश्वर मुर्मू ने सभी सुझावों पर सकारात्मक पहल का भरोसा देते हुए कहा कि पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन हर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करेगा।

अधिकारियों ने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अफवाह से बचने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा भड़काऊ पोस्ट, अफवाह फैलाने या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने बताया कि मोहर्रम के दौरान संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। साथ ही सीसीटीवी कैमरों और अन्य निगरानी संसाधनों के माध्यम से पूरे आयोजन पर नजर रखी जाएगी। बैठक में उपस्थित लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और पर्व को शांति व सद्भाव के साथ मनाने का संकल्प लिया।

# नशामुक्ति अभियान से जागरूक किए जा रहे लोग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**जामताड़ा** : जिले में निषिद्ध मादक पदार्थों के सेवन और तस्करी पर रोक लगाने तथा लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। उपायुक्त आलोक कुमार के निर्देश पर 26 जून 2026 तक चलने वाले राज्यव्यापी अभियान के तहत जिले के सभी प्रखंडों के हाट-बाजारों, विद्यालयों, चौक-चौराहों और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

अभियान के दौरान एलईडी वैन, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, बुकलेट तथा ऑडियो-वीडियो संदेशों के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों, उससे होने वाले सामाजिक और आर्थिक नुकसान तथा बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। प्रशासन की ओर से युवाओं और आम नागरिकों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया जा रहा है।

नुक्कड़ नाटकों के जरिए कलाकार नशीले पदार्थों के सेवन से परिवार और समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर रहे हैं। जिला प्रशासन का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता का संदेश पहुंचाकर नशामुक्त समाज के निर्माण में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

# पोक्सो आरोपियों की 60 दिन में गिरफ्तारी सुनिश्चित करें: एसपी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**पाकुड़** : मासिक अपराध गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश दिए। उन्होंने थाना प्रभारियों को पोक्सो एवं लैंगिक अपराधों से जुड़े मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी 60 दिनों के भीतर सुनिश्चित करने तथा अनुसंधान में तेजी लाने को कहा।

बैठक में एनडीपीएस एक्ट से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की गई। एसपी ने मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री में संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिले में नशा कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

आगामी मुहर्रम पर्व को लेकर भी बैठक में सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा हुई। एसपी ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस बल की मांग पुलिस मुख्यालय को भेजी गई है तथा होमगार्ड जवानों की तैनाती की प्रक्रिया भी चल रही है। सभी थाना प्रभारियों को शांति समिति की बैठक आयोजित करने, जुलूस मार्गों का सत्यापन करने और संभावित उपद्रवियों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

इसके अलावा सड़क सुरक्षा को लेकर नियमित वाहन जांच अभियान चलाने और यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने पर भी जोर दिया गया। एसपी ने कहा कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशों का प्रभावी अनुपालन कर जिले में बेहतर और जवाबदेह पुलिसिंग सुनिश्चित की जाएगी।

# सरायकेला : बालू लदे ट्रैक्टर ने महिला को कुचला, मौके पर मौत, नीमडीह के जानूम पलाशडीह में धड़ल्ले से चल रहा अवैध बालू खन

**ग्रामीणों का आरोप - 'सिंडीकेट सरकार के नियमों की उड़ा रहा धज्जियां'**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**चांडिल** :अवैध बालू खन और तेज रफ्तार बालू लदे वाहनों का कहर फिर सामने आया। गुरुवार की सुबह नीमडीह थाना क्षेत्र के जानूम पलाशडीह गांव में सड़क पार कर रही महिला को बालू लदे ट्रैक्टर ने कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक महिला आमोति महतो पति स्व , निबारण महतो जानूम पलाशडीह वह सुबह सड़क पार कर रही थी, तभी तिरुलडीह की ओर से सुवर्णरिखा नदी से बालू लेकर आ रहा तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

रातभर चल रहा अवैध खन ग्रामीणों का आरोप है कि तिरुलडीह स्थित सुवर्णरिखा नदी से हर रात धड़ल्ले से अवैध बालू खन हो रहा है। बालू माफियाओं का सिंडीकेट सरकार के नियम-कानून को ठेंगा दिखाकर प्रतिदिन करोड़ों रुपये का बालू उठा रहा है। ओवरलोडेड ट्रैक्टर-ट्रक बिना परमिट और बिना सुरक्षा मानकों के गांव की सड़कों से गुजरते हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने कहा, "आज एक महिला की जान चली गई। सरकार के नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं। बालू माफिया और सिंडीकेट सबसे बड़ा सवाल है। प्रशासन आंख मूंदे बैठा है।"

प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल ,इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि अवैध खन पर रोक लगाने और ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई के तमाम आदेश कागजों तक सीमित हैं। रात होते ही सुवर्णरिखा नदी बालू तस्करों की शरणस्थली बन जाती है। जहां मीडिया जाने डरते हे।

फिलहाल जानूम पलाशडीह गांव में मातम का माहौल है और ग्रामीण अवैध बालू खन पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग कर रहे हैं।

# चार साल से +2 का दर्जा, लेकिन एक भी विषय शिक्षक नहीं

**नौ शिक्षकों के भरोसे 700 छात्र-छात्राएं, आखिर कैसे संवरेगा सरकारी स्कूल के बच्चों का भविष्य?**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**घाटशीला** :जादूगोड़ा के सरकारी शिक्षा तंत्र की एक गंभीर तस्वीर सामने आई है। पोटका प्रखंड स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय +2, जादूगोड़ा को चार वर्ष पहले उच्च माध्यमिक (+2) विद्यालय का दर्जा तो मिल गया, लेकिन आज तक कक्षा 11वीं और 12वीं के लिए एक भी नियमित विषय शिक्षक की नियुक्ति नहीं हो सकी है। ऐसे में सैकड़ों विद्यार्थियों का भविष्य भगवान भरोसे चल रहा है। विद्यालय में पहली कक्षा से लेकर 12वीं तक करीब 700 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, जबकि पूरे विद्यालय को संभालने के लिए मात्र नौ शिक्षक हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि 11वीं में 268 और 12वीं में 138 छात्र-छात्राएं पढ़ रहे हैं, लेकिन उनके लिए विज्ञान, कला और वाणिज्य विषयों के एक भी स्थायी शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। विद्यालय की प्राचार्या रीना कुमारी ने बताया कि वर्ष 2023 में विद्यालय को शिक्षा विभाग द्वारा +2 का दर्जा प्रदान किया गया था। उम्मीद थी कि जल्द ही विषयवार शिक्षकों की नियुक्ति होगी, लेकिन चार साल बीत जाने के बाद भी यह इंतजार खत्म नहीं हुआ। मजबूरी में मध्य विद्यालय और हाई स्कूल के शिक्षक ही अतिरिक्त जिम्मेदारी निभाते हुए 11वीं और 12वीं की कक्षाएं संचालित कर रहे हैं, जो छात्रों की शैक्षणिक जरूरतों के लिए पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने कहा कि उच्च माध्यमिक स्तर की पढ़ाई के लिए विशेषज्ञ विषय शिक्षकों की आवश्यकता होती है। ऐसे में वर्तमान व्यवस्था केवल औपचारिक शिक्षा तक सीमित रह गई है। यदि शीघ्र नियुक्ति नहीं हुई तो इसका सीधा असर विद्यार्थियों के बोर्ड परीक्षा परिणाम और उनके भविष्य पर पड़ेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार नई-नई घोषणाएं तो करती है, लेकिन जमीन पर उनकी तैयारी अधूरी रहती है। विद्यालय को +2 का दर्जा देना स्वागत योग्य कदम था, लेकिन बिना शिक्षकों के यह दर्जा केवल कागजों तक सीमित होकर रह गया है। आखिर जब पढ़ाने वाले शिक्षक ही नहीं होंगे तो उच्च माध्यमिक शिक्षा का उद्देश्य कैसे पूरा होगा? क्षेत्र के अभिभावकों ने जिला शिक्षा अधीक्षक से तत्काल 11वीं और 12वीं के लिए विषयवार शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति अथवा नियमित नियुक्ति करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। उनका आरोप है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे निजी विद्यालयों में पढ़ने में सक्षम नहीं हैं और सरकारी विद्यालय की बदहाल व्यवस्था का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। आज जब सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और डिजिटल इंडिया की बात कर रही है, तब जादूगोड़ा का यह विद्यालय शिक्षा व्यवस्था की हकीकत बयान कर रहा है। यहां बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक और प्रशासनिक अधिकारी बनने का सपना तो देखते हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाने के लिए विषय शिक्षक तक उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या केवल विद्यालय को +2 का दर्जा दे देना ही शिक्षा सुधार है, या फिर उसके अनुरूप संसाधन और शिक्षक उपलब्ध कराना भी सरकार की जिम्मेदारी है? अब सबकी निगाहें जिला शिक्षा प्रशासन पर टिकी हैं। देखना यह होगा कि वर्षों से शिक्षकों की कमी झेल रहे इस विद्यालय को आखिर कब पर्याप्त शिक्षक मिलते हैं और कब यहां पढ़ने वाले सैकड़ों विद्यार्थियों को उनके अधिकार की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नसीब होती है।

# कटहलटांड में KPL सीजन-5 का भव्य आगाज, बिष्ट-11 ने पहला मैच जीता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**डुमरी** : निमियाघाट के खैराटुंडा पंचायत अंतर्गत कटहलटांड में गुरुवार को KPL सीजन-5 क्रिकेट टूर्नामेंट का शानदार शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि समाजसेवी कुणाल कुमार बरनवाल और पंचायत मुखिया भुनेश्वर साव ने फीता काटकर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद पहला मुकाबला फिज वॉरियर और बिष्ट-11 के बीच खेला गया, जिसमें बिष्ट-11 ने 8 विकेट से जीत हासिल की। मुख्य अतिथि कुणाल कुमार बरनवाल ने कहा, खेल युवाओं को अनुशासन और टीम भावना सिखाता है। कटहलटांड में KPL जैसे आयोजन से ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच मिल रहा है। आयोजकों की मेहनत काबिल-ए-तारीफ है। मैं सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आयोजकों ने मुख्य अतिथि कुणाल बरनवाल का तहे दिल से धन्यवाद किया। यह तीन दिवसीय टूर्नामेंट 20 जून को फाइनल मैच के साथ संपन्न होगा। इस मौके पर शुभम पांडेय, सुरेश पंडित, सूरज पंडित, छोटी पंडित, गौरव पांडेय, बजरंगी साव, आनंद साव और महेंद्र पंडित समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

# मांगें नहीं मानी गईं तो बाजार बंद आंदोलन करेगा चैंबर ऑफ कॉमर्स

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**पाकुड़** : चैंबर ऑफ कॉमर्स ने नगर परिषद क्षेत्र में बढ़े होल्डिंग टैक्स, जलापूर्ति शुल्क, दुकानों के किराए और प्रस्तावित टोल टैक्स को लेकर कड़ा विरोध जताया है। गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में चैंबर पदाधिकारियों ने कहा कि विकास के नाम पर व्यापारियों और आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना उचित नहीं है।

चैंबर के सचिव संजीव खत्री ने बढ़ी हुई होल्डिंग टैक्स दरों को अव्यावहारिक बताते हुए सरकार से इसकी समीक्षा और कमी की मांग की। कोषाध्यक्ष पार्थ बनर्जी ने शहरी जलापूर्ति योजना का स्वागत करते हुए 7,000 कनेक्शन शुल्क और प्रति 1,000 लीटर पानी पर 7 शुल्क को अधिक बताया तथा इसे तर्कसंगत बनाने की मांग की। सहसचिव बृजमोहन शाह ने नगर परिषद की दुकानों के किराए में मनमानी वृद्धि का विरोध करते हुए पूर्व समझौते के अनुसार ही बढ़ोतरी करने की मांग उठाई।

प्रेस वार्ता में व्यापारियों ने पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, नालियों की सफाई और स्ट्रीट लाइट रखरखाव की खराब स्थिति पर भी चिंता जताई। साथ ही नए टोल टैक्स का विरोध करते हुए इसे स्थानीय व्यापार और आम जनता के हितों के खिलाफ बताया।

चैंबर ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन नगर विकास एवं आवास विभाग, उपायुक्त और नगर परिषद प्रशासन को सौंपा है। संगठन ने चेतावनी दी है कि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने पर व्यापारियों और आम नागरिकों के साथ मिलकर बाजार बंद सहित आंदोलन किया जाएगा।

# शिक्षित व्यवस्था, राजनीतिक नेतृत्व और बेरोजगारी का सवाल: क्या बदलाव का समय आ गया है?

**» शिक्षक पढ़ाएं, अधिकारी प्रशासन संभालें और युवाओं को मिले नई जिम्मेदारी**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**घाटशीला**: लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर पद की अपनी अलग जिम्मेदारी और गरिमा होती है। एक ओर शिक्षक वर्षों की पढ़ाई, प्रशिक्षण और प्रतियोगी परीक्षाओं के बाद विद्यालय तक पहुंचते हैं, तो दूसरी ओर प्रशासनिक अधिकारी कठिन चयन प्रक्रिया, साक्षात्कार और कठोर प्रशिक्षण के बाद शासन-प्रशासन की कमान संभालते हैं। लेकिन सवाल तब उठता है, जब इनकी मूल जिम्मेदारियों से इतर कई ऐसे कार्य इनके हिस्से आ जाते हैं, जिनसे शिक्षा और प्रशासन दोनों प्रभावित होते हैं। सरकारी शिक्षक बनने के लिए अभ्यर्थियों को स्नातक, बी.एड., पात्रता परीक्षाएं और भर्ती प्रक्रिया जैसी लंबी यात्रा तय करनी पड़ती है। इसी प्रकार आईएएस, आईपीएस तथा अन्य प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारी कठिन प्रतिस्पर्धा और वर्षों की तैयारी के बाद देश सेवा का अवसर प्राप्त करते हैं। ऐसे में स्वाभाविक अपेक्षा रहती है कि वे अपनी विशेषज्ञता का अधिकतम उपयोग शिक्षा और प्रशासन को मजबूत करने में करें।हालांकि वास्तविकता यह भी है कि चुनाव, मतदाता सूची का पुनरीक्षण, जनगणना, विभिन्न सरकारी सर्वेक्षण तथा अन्य प्रशासनिक कार्यों में बड़ी संख्या में शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाती है। इससे कई बार विद्यालयों की नियमित पढ़ाई प्रभावित होती है। अभिभावक और शिक्षा विशेषज्ञ लंबे समय से यह सवाल उठाते रहे हैं कि क्या शिक्षकों का अधिकांश समय बच्चों के भविष्य निर्माण में नहीं लगना चाहिए? इसी तरह प्रशासनिक अधिकारियों को भी अपने निर्णयों के साथ राजनीतिक नेतृत्व के निर्देशों के अनुरूप कार्य करना पड़ता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की भूमिका सर्वोच्च होती है, वहीं प्रशासनिक अधिकारियों का दायित्व संविधान और कानून के अनुरूप उन नीतियों को लागू करना होता है। कई बार स्थानांतरण और पदस्थापन जैसे मुद्दों पर भी सार्वजनिक बहस होती रहती है कि क्या प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी तथा स्वतंत्र बनाया जाना चाहिए। इस पूरे विषय के बीच एक महत्वपूर्ण सुझाव सामने आता है। यदि जनगणना, चुनावी प्रशिक्षण, मतदान, मतगणना तथा अन्य अस्थायी सरकारी कार्यों के लिए संबंधित क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को विधिवत प्रशिक्षण देकर नियुक्त किया जाए, तो इसके दोहरे लाभ हो सकते हैं।

शिक्षकों को अपने मूल कार्य यानी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर अधिक समय मिलेगा।

स्थानीय शिक्षित युवाओं को अस्थायी रोजगार और प्रशासनिक अनुभव प्राप्त होगा।

सरकार को प्रशिक्षित मानव संसाधन का एक नया विकल्प मिलेगा।

युवाओं में सरकारी कार्यप्रणाली को लेकर समझ और सहभागिता बढ़ेगी।

लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता का होता है। जनप्रतिनिधि जनता के मत से चुने जाते हैं और प्रशासनिक अधिकारी संविधान के अनुसार शासन को लागू करते हैं। इसलिए आवश्यकता किसी टकराव की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करने की है जिसमें शिक्षक शिक्षा पर, अधिकारी प्रशासन पर और जनप्रतिनिधि नीति निर्माण पर पूरी क्षमता से काम कर सकें। यदि नीति निर्माण के स्तर पर ऐसे सुधारों पर गंभीरता से विचार किया जाए, तो न केवल शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी बल्कि लाखों शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी खुल सकते हैं। यही एक सशक्त, संतुलित और जवाबदेह लोकतंत्र की पहचान होगी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



# श्रद्धा से मिलता है ज्ञान

एक बार बालक नचिकेता ने अपने पिता से कहा, आप ब्राह्मणों को जर्जर, कृशगात और अनुपयोगी गाय दान में दे रहे हैं! उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा ठीक नहीं है परंतु पिता समझ गए कि यह मेरी निंदा कर रहा है, मेरा अनादर कर रहा है, मेरे कृत्य की भर्त्सना कर रहा है। नचिकेता ने पिता से कहा- शास्त्र कहते हैं कि अच्छी वस्तु, अच्छी निधि तथा अच्छी संपदा का दान करना चाहिए। अगर आप दान ही कर रहे हैं तो मुझको किसे दान में देंगे ? पिता को चुप लग गया लेकिन बालक नचिकेता बार-बार टोकने लगा-पिताजी ! आप मुझे किसे दान में देंगे ? आपने यह भी विचार किया होगा कि मुझे भी किसी को दान में देंगे। इस पर पिता ने क्रोध में कहा-मैं तुझे यमराज को दान में देता हूं। आज से तू यम की वस्तु हुआ। दान की गई वस्तु कभी ली नहीं जाती और कभी लौटाई नहीं जाती। अब तू मेरा नहीं रहा। चूंकि मैं तुझे दान कर चुका हूं इसलिए तू मेरे पास नहीं रहेगा। बालक नचिकेता को यह बुरा नहीं लगा कि मेरे पिता ने मुझे कुछ कहा है। ऐसी श्रद्धा थी नचिकेता की अपने पिता के प्रति। यही श्रद्धा ज्ञानकारक बनी और नचिकेता को यमराज के द्वार पर लेकर गई। यमराज ने देखा कि यह सामान्य बालक नहीं, श्रद्धावान बालक था। जब हमारे पास श्रद्धा आती है तो वह हमें बाध्य करती है। गुरु के पास जो गुरुत्व है, साधु के पास जो साधुत्व है, संन्यासी के पास जो संन्यस्त है, गंगा के पास जो गंगत्व है,देवताओं के पास जो देवत्व है और भगवान के पास जो भगवत्ता है; उसके हम स्वाभाविक रूप से अधिकारी बन जाते हैं। श्रद्धावान व्यक्ति स्वाभाविक रूप से योग्यता रखता है कि उसके पास तर्क नहीं होते। नचिकेता संकल्पित मन से यमराज की चौखट पर बैठ गया। यमराज ने कहा-तू तीन दिन से मेरे द्वार पर बैठा है, बड़ा हठी है। मांग क्या मांगना चाहता है ? इस पर बालक नचिकेता ने कहा-मैं मृत्यु का भेद जानने आया हूं। जन्म-मृत्यु क्या है, यह भेद मुझे बता दीजिए। यह सुनकर यमराज हतप्रभ हो गए। उन्होंने बालक नचिकेता के समक्ष ढेरों प्रलोभन रखते हुए कहा-तुम चक्रवर्ती सम्राट बनने, पृथ्वी पर प्रतिष्ठित और पूजित होने अथवा स्वर्ग की संपूर्ण संपदा प्राप्त करने का वर मांग लो। भला तुम्हारे इन प्रश्नों में क्या रखा है ? बालक नचिकेता ने कहा-महाराज ! मुझे यह सब कुछ नहीं चाहिए। मुझे वही चाहिए जिसके बारे में मैंने आपसे पूछा है। यमराज मजबूर हो गए। श्रद्धा उसे भी कहते हैं जिसके सामने जगत के सारे आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण आपके सामने शिथिल हो जाएं। श्रद्धा के बल पर ही बालक नचिकेता ने सब कुछ प्राप्त कर लिया।

# विदेशों में है बिहार योग पद्धति की धूम

**कुमार कृष्णन**

अपनी अंतरात्मा में स्वयं को महसूस करने से बेहतर कोई अनुभव नहीं है। सदियों से योग अंतर्मन की शांति जागृत करने के लिए जाना जाता है। हम अक्सर मन की शांति की तलाश भौतिक वस्तुओं में करते हैं। बीसवीं सदी के भारत के प्रख्यात योगी, चिकित्सक , आध्यात्मिक गुरु और वेदांत के महान आचार्य के शिष्य और विश्व योग आंदोलन के प्रवर्तक परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने यौगिक अभ्यासों के प्रसार के माध्यम से लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने में अग्रणी भूमिका निभाई।बिहार योग विद्यालय,मुंगेर के संस्थापक परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती द्वारा विकसित सत्यानंद योग जो बिहार योग के रूप में विदेशों में अत्यधिक लोकप्रिय है। यह पारंपरिक योग पद्धतियों, वैज्ञानिक शोधों और आधुनिक जीवनशैली का एक अनूठा मिश्रण है। इस कारण परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती को आधुनिक युग का पतंजलि माना जाता है, क्योंकि उन्होंने प्राचीन और जटिल योग विज्ञान को सरल, वैज्ञानिक और व्यावहारिक बनाकर आम जनमानस तक पहुँचाया। परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती के अनुसार -स्वामी सत्यानंद ने योग को नया जीवन, नया जन्म दिया। उन्होंने योग का पुनरुद्धार किया – अन्यथा यह लुप्त हो गया होता। इसलिए, स्वामी सत्यानंद आज के पतंजलि हैं।

1963 में उनके द्वारा स्थापित बिहार योग विद्यालय वैश्विक योग पुनर्जागरण का केंद्र बन गया, जिसने मस्तिष्क, हृदय और हाथों की इंद्रियों को विकसित करने के लिए यौगिक अभ्यासों और सिद्धांतों के मिश्रण का प्रचार किया। इस प्रणाली को बिहार योग या सत्यानंद योग परंपरा कहा जाता है। उन्होंने स्वामी शिवानंद द्वारा परिकल्पित संश्लेषण योग प्रणाली को अपनाया और वेदांत, योग और तंत्र के व्यावहारिक और अनुप्रयुक्त पहलुओं को मिलाकर बिहार योग/सत्यानंद योग प्रणाली की रचना की। बिहार योग/सत्यानंद योग की प्रमुख विशेषताओं में से एक है योग के सभी पहलुओं का एकीकरण। योग की विभिन्न शाखाओं को एक व्यवस्थित दृष्टिकोण में समाहित किया गया है ताकि संतुलित विकास और पूर्णता प्राप्त की जा सके। समग्र योग साधना की नींव मूलभूत योगों द्वारा रखी जाती है जो मस्तिष्क, हृदय और हाथों की इंद्रियों को विकसित करते हैं: हठ योग, राज योग, ज्ञान योग, भक्ति योग और कर्म योग। योग की अन्य शाखाओं में भी बिहार योग/सत्यानंद योग प्रणाली का हिस्सा हैं, जिनमें मंत्र योग, नाद योग, क्रिया योग, कुंडलिनी योग, लय योग आदि शामिल हैं। बिहार योग/सत्यानंद योग प्रणाली विकसित करते हुए, स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने प्राचीन योग और तांत्रिक प्रणालियों से अज्ञात और गुप्त अभ्यासों को प्रकाश में लाया। उन्होंने अभ्यासों के प्रगतिशील चरणों, अवस्थाओं और क्रमों की पहचान की और उन्हें सरल और व्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत किया, जिससे सभी लोग इस मूल्यवान विज्ञान में गहराई से उतर सकें और इसके लाभ प्राप्त कर सकें। पहली बार ये अभ्यास आम लोगों के लिए व्यावहारिक, सुरक्षित और प्रभावी रूप में सुलभ हुए। स्वामी सत्यानंद ने देखा कि सरल अभ्यास समकालीन लोगों के लिए उपयुक्त हैं, और नियमित अभ्यास से गहन और परिवर्तनकारी अनुभव प्राप्त होते हैं। श्री स्वामी सत्यानंद ने योग की पद्धतियों को अद्वितीय ढंग से व्यवस्थित किया और प्राचीन ग्रंथों और ज्ञान से प्रेरणा लेकर अनेक ऐसी तकनीकें विकसित कीं जिनका अभ्यास आज विश्व भर में किया जाता है।

उन्होंने ऋषि परंपरा के योग-सूत्रों का आधुनिक विश्लेषण कर मानवता को एक सुगम योग पद्धति प्रदान की। स्वामी सत्यानंद ने यौगिक तकनीकों के प्रभावों पर वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रयोगों की अपार संभावनाओं और लाभों को पहचाना और 1970 के दशक के उत्तरार्ध में उन्होंने कई यौगिक अनुसंधान परियोजनाओं की शुरुआत की और उन्हें प्रेरित किया। इस अनुसंधान ने समाज को यह समझने में मदद की है कि यौगिक अभ्यास मानव शरीर, मन और भावनाओं को कैसे प्रभावित करते हैं, और कैसे ये अभ्यास आंतरिक छिपी हुई क्षमता को जागृत कर सकते हैं और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं। विभिन्न अभ्यासों और तकनीकों का उपयोग अस्थमा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर और गर्भावस्था सहित कई प्रकार की स्थितियों की रोकथाम, प्रबंधन और उपचार के लिए चिकित्सीय रूप से कैसे किया जा सकता है।स्वामी सत्यानंद ने योग पर छाए रहस्यवाद के पर्दे को हटाकर इसे व्यक्तिगत और आध्यात्मिक विकास के विज्ञान के रूप में न केवल भारत में, बल्कि विश्व के हर महाद्वीप में साधकों के सामने प्रस्तुत किया। योग को चेतना के विकास के लिए एक आध्यात्मिक विज्ञान के रूप में उसके शुद्धतम रूप में प्रकट किया गया और यह जीवन के सभी क्षेत्रों और परिस्थितियों के लोगों तक उनके शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक विकास के लिए पहुँचा। उन्होंने प्राचीन योग विज्ञान को आधुनिक चिकित्सा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभाई।उन्होंने चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में कई क्रांतिकारी प्रयोग और अनुसंधान किए। स्वामी जी ने तंत्र शास्त्र की प्राचीन न्यास पद्धति को वैज्ञानिक रूप देकर योग निद्रा का आविष्कार किया। चिकित्सा विज्ञान ने माना है कि यह तकनीक तनाव, उच्च रक्तचाप अनिद्रा, और कैंसर जैसी घातक बीमारियों के दुष्प्रभावों को नियंत्रित करने में अत्यंत प्रभावी है।आधुनिक चिकित्सा शोधों से प्रमाणित हुआ है कि योग निद्रा मस्तिष्क की तरंगों को शांत करती है और मानसिक-भावनात्मक असंतुलन को ठीक करती है। स्वामी निरंजनानंद सरस्वती के अनुसार -योग निद्रा आज पूरे विश्व में प्रचलित अभ्यास बन चुकी है।कई देशों के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रधानमंत्री भी इसका अभ्यास कर रहे हैं।स्वामी सत्यानंद ने योग निद्रा की खोज की थी और इसे विश्वभर में प्रचारित किया। जैसे घर और कमरों की सफाई रोज होती है, उसी तरह मन की सफाई भी प्रतिदिन जरूरी है।हर रात केवल पांच मिनट देकर मन के कचरे को साफ किया जा सकता है।आज लोगों के मन में तनाव, क्रोध और अशांति बढ़ रही है। स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने जटिल आसनों को सरल बनाकर पवनमुक्तासन की श्रृंखला विकसित की।इन आसनों को चिकित्सा और फिजियोथेरेपी के रूप में उपयोग किया जाता है। ये विशेष रूप से गठिया , पाचन तंत्र के विकारों और जोड़ों के दर्द के इलाज में अत्यंत लाभकारी पाए गए हैं। वहीं श्वसन तंत्र और प्राण-ऊर्जा के बीच के संबंधों का वैज्ञानिक अध्ययन किया गया।स्वामी सत्यानंद सरस्वती के इन अभूतपूर्व चिकित्सा प्रयोगों के कारण ही आज योग को पश्चिमी देशों के आधुनिक अस्पतालों और चिकित्सा केंद्रों में भी मान्यता और अपना स्थान प्राप्त हुआ है। इस कारण योग जैसे शानदार विज्ञान के महत्व को अच्छी तरह समझते हैं। वास्तधव में वे भारत को योग, ध्या न, दर्शन, ज्ञान, संस्कृईति तथा आध्यात्मवाद की भूमि मानते हैं। स्वामी सत्यानंद सरस्वती और उनके आध्यात्मिक उत्तराधिकारी परमहंस निरंजनानंद सरस्वती ने अमेरिका, भारत और स्वीडन जैसे देशों में कैदियों और बंदियों, जिनमें हिंसक अपराधों के आरोपी भी शामिल हैं, के जीवन को भी प्रभावित कर रही हैं।

बिहार योग पद्धति पर आधारित योगाभ्यास आज दुनिया के लगभग 56 से अधिक अर्जेंटिना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, ब्राजील, बुल्गारिया, कनाडा, चिली, चीन, कोलंबिया, क्रोएशिया, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, यूनान, ईरान, इराक, आयरलैंड, इटली, जापान, कजाकिस्तान, लेबनान, नेपाल, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पुर्तगाल, स्कॉटलैंड, रूस, स्पेन, अमेरिका, लंदन, दक्षिण अफ्रीका, स्विट्जरलैंड सहित कई अन्य देशों में किया जा रहा है।मुंगेर स्थित बिहार योग विद्यालय की परंपरा (सत्यानंद योग) ने फ्रांस में एक गहरा प्रभाव छोड़ा है।हज़ारों फ्रांसीसी नागरिक मुंगेर से प्रशिक्षित योग शिक्षकों से लाभान्वित हो रहे हैं, और यह प्राचीन पद्धति फ्रांस के स्कूलों से लेकर लोगों की दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी है।फ्रांस के किंडरगार्टन (केजी) से लेकर स्कूलों और कॉलेजों तक में मुंगेर की बिहार योग पद्धति (सत्यानंद योग) पढ़ाई और अपनाई जा रही है। मुंगेर से प्रशिक्षित योग शिक्षक वहां बच्चों को निरोगी बनाने और उनकी मानसिक मेधा विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।फ्रांस के प्रमुख शहरों में मुंगेर की परंपरा से जुड़े हज़ारों सक्रिय शिष्य और योग शिक्षक मौजूद हैं। इनमें से कई स्वतंत्र शिक्षक के रूप में पंजीकृत होकर योग सेवाएं प्रदान कर रहे हैं और समाज को स्वस्थ रखने में अपना योगदान दे रहे हैं। साठ वर्ष से भी अधिक समय उन्होंने ने योग की एक एकीकृत प्रणाली तैयार की थी, जिसे शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति और भावनात्मक सामंजस्य को गुणात्मक रूप से बढ़ाने के तरीके के रूप में सिखाया जाता था। बाह्य योग में प्रशिक्षण हठ योग, राज योग और फिर क्रिया योग के माध्यम से आगे बढ़ता था। साथ ही, आश्रम के वातावरण की जीवनशैली और प्रेरणा के माध्यम से कर्म योग, भक्ति और ज्ञान योग के आंतरिक पहलुओं का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता था।

मनुष्य का दिमाग ही सब कुछ है, जो वह सोचता है वही वह बनता है।
- गौतम बुद्ध

ना तो कोई किसी का मित्र है ना ही शत्रु है। व्यवहार से ही मित्र या शत्रु बनते हैं। - हितोपदेश

शुभ संवत 2083, शाके 1948, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि है यह तिथि सुबह 11:30 बजे तक रहेगी इसके बाद षष्ठी तिथि आरंभ हो जाएगी। कल शुक्रवार का दिन है और आश्लेषा नक्षत्र रहेगा।

**आज जन्म लिए बालक का फल...**

आज बच्चे का भविष्य मुख्य रूप से उनके जन्म के समय, स्थान, और तिथि (राशि-नक्षत्र) पर निर्भर करता है। ज्योतिष में जन्म की विस्तृत गणना के जरिए ही सटीक भविष्य, स्वभाव और करियर का सटीक आकलन किया जा सकता है

मेषः आपके लिए आज का दिन कार्यक्षेत्र में चुनौतियों और नई योजनाओं से भरा हो सकता है।

वृषभ : पारिवारिक और निजी मामलों में धैर्य से काम लें, सफलता मिलेगी।

मिथुन : आज का दिन ऊर्जावान रहेगा, नए प्रोजेक्ट्स में निवेश करने के लिए अच्छा है।

कर्कः भावनाओं में बहने से बचें और अपने काम पर पूरा फोकस बनाए रखें।

सिंह : आपका स्वभाव और आत्मविश्वास आज आपके लिए कई खुशियां लेकर आएगा।

कन्याः आर्थिक मामलों में सतर्क रहें, सोच-समझकर ही बड़ा निवेश करें।

तुलाः मानसिक शांति के लिए योग या ध्यान का सहारा लें।

वृश्चिक : पारिवारिक तनाव को दूर करने के लिए प्रियजनों के साथ समय बिताएं।

धनु : पुराने रोगों से मुक्ति मिलेगी और दिन काफी लाभदायक साबित होगा।

मकर : आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे और काम का दबाव कम महसूस होगा।

कुंभ : व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य उत्तम बना रहेगा।

मीन : दूसरों से ज्यादा उम्मीद न करें, अपने काम पर पूरा भरोसा रखें।

# छह दिवसीय फ्रांस स्लोवाकिया यात्रा से भारत की वैश्विक भूमिका मजबूत होगी

**कांतिलाल मांडोत**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 13 से 18 जून 2026 तक की फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा केवल एक सामान्य विदेश दौरा नहीं है बल्कि भारत की कूटनीतिक आर्थिक सामरिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला महत्वपूर्ण अभियान है। इस छह दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री फ्रांस के नीस एवियान और पेरिस शहरों के साथ साथ स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा का दौरा करेंगे। इन बैठकों और सम्मेलनों के माध्यम से भारत यूरोप के प्रमुख देशों के साथ अपने संबंधों को और अधिक मजबूत करेगा तथा व्यापार तकनीक रक्षा और नवाचार के क्षेत्रों में नए अवसर प्राप्त करेगा।

फ्रांस के नीस शहर में प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत इनोवेट्स कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत फ्रांस और अन्य देशों के स्टार्टअप्स निवेशकों और वेंचर कैपिटल फंड्स को एक मंच पर लाना है। इससे भारतीय नवाचारों को वैश्विक पहचान मिलेगी और भारतीय युवाओं को विदेशी निवेश तथा नई तकनीकों का लाभ प्राप्त होगा। भारत के स्टार्टअप क्षेत्र को यूरोप के बाजारों से जोड़ने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस यात्रा के दौरान भारत और फ्रांस के बीच तकनीक नवाचार हेल्थ टेक मेडिकल उपकरण कृत्रिम बुद्धिमत्ता सेमीकंडक्टर और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़े अनेक समझौतों की संभावना है। इन समझौतों से भारत को उन्नत तकनीक प्राप्त होगी और देश के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में ऐसी साझेदारियां अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण विषय भारतीय वायुसेना के लिए 114 रफाल लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित खरीद है। भारत चाहता है कि इन विमानों का बड़ा हिस्सा देश में ही निर्मित हो तथा उनमें अधिकतम स्वदेशी तकनीक और पुर्जों का उपयोग किया जाए। प्रस्ताव के अनुसार केवल 24 विमान फ्रांस से आएंगे जबकि शेष 90 विमानों का निर्माण भारत में किया जाएगा। इससे देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। रफाल परियोजना में भारत का जोर केवल विमान खरीदने पर नहीं बल्कि तकनीक हस्तांतरण प्राप्त करने पर भी है। भारत चाहता है कि वह भविष्य में अपनी मिसाइलें और हथियार इन विमानों में स्वतंत्र रूप से जोड़ सके। यदि फ्रांस इस दिशा में सहयोग करता है तो भारतीय रक्षा उद्योग आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ी छलांग लगाएगा। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान को इससे उल्लेखनीय बल मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा भी जाएंगे जहां वे प्रधानमंत्री रोबर्ट फिको और राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रीनी से मुलाकात करेंगे। स्लोवाकिया के स्वतंत्र राष्ट्र बनने के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का यह पहला दौरा है। इससे मध्य यूरोप में भारत की उपस्थिति मजबूत होगी और व्यापार शिक्षा विज्ञान उद्योग तथा रक्षा सहयोग के नए मार्ग खुलेंगे। भारतीय कंपनियों को स्लोवाकिया और आसपास के यूरोपीय बाजारों तक पहुंच बनाने में भी सहायता मिलेगी।

यात्रा के दूसरे चरण में प्रधानमंत्री फ्रांस के एवियान शहर में आयोजित जी सात शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यद्यपि भारत जी सात का सदस्य नहीं है फिर भी उसे विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्था और प्रभावशाली लोकतंत्र होने के कारण विशेष आमंत्रण दिया जाता है। इस सम्मेलन में भारत को अमेरिका ब्रिटेन फ्रांस जर्मनी जापान इटली और कनाडा जैसे विकसित देशों के नेताओं के साथ संवाद का अवसर मिलेगा। इससे वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर भारत की भूमिका और अधिक मजबूत होगी। जी सात सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ द्विपक्षीय बैठक भी प्रस्तावित है। इस मुलाकात में व्यापार रक्षा ऊर्जा प्रौद्योगिकी और वैश्विक सुरक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा हो सकती है। भारत और अमेरिका के संबंधों को नई दिशा देने में यह बैठक महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। पेरिस में आयोजित होने वाले विवाटेक सम्मेलन में भी प्रधानमंत्री मोदी भाग लेंगे। यह दुनिया के सबसे बड़े तकनीकी और नवाचार सम्मेलनों में से एक माना जाता है। यहां भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजिटल तकनीक स्टार्टअप और अनुसंधान के क्षेत्र में वैश्विक साझेदारों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। भारतीय नवाचारों और तकनीकी क्षमताओं को विश्व मंच पर प्रदर्शित करने का यह उत्कृष्ट अवसर होगा। इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण पहलू होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा से भी जुड़ा है। यह मार्ग भारत के ऊर्जा आयात और वैश्विक व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

# विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

**ललित गर्ग**

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है। जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान- इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे।

यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है।

आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं। हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुईं, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि संवाद और समझौता ही अंततः समाधान का मार्ग था, तो फिर टकराव और तनाव की स्थिति को इतना लंबा क्यों खींचा गया? आखिर राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते और सहमति के लिए राजी होने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? क्या इसके पीछे आर्थिक दबाव थे? क्या वैश्विक बाजारों की चिंता थी? क्या अमेरिकी जनता की अपेक्षाएं थीं? या फिर यह स्वीकारोक्ति थी कि युद्ध और दबाव की राजनीति की भी सीमाएं होती हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर जी-7 जैसे मंचों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

विश्व समुदाय केवल औपचारिक शांति समझौतों से संतुष्ट नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि शांति स्थायी, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण हो। यदि समझौते केवल राजनीतिक छवि निर्माण, चुनावी लाभ या अस्थायी रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किए जाते हैं, तो वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते। जी-7 को यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले शांति प्रयास वास्तविक हों और उनका उद्देश्य मानवता के हितों की रक्षा करना हो। आज वैश्विक व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। दुनिया अब एकध्रुवीय नहीं रही। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक शक्ति संतुलन को नया स्वरूप दे रही हैं। ऐसे समय में जी-7 को भी अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में परिवर्तन करना होगा। यदि यह मंच केवल अमेरिकी नेतृत्व और पश्चिमी हितों का प्रतिनिधि बना रहेगा, तो इसकी स्वीकार्यता और प्रभावशीलता लगातार घटती जाएगी। आवश्यकता इस बात की है कि जी-7 स्वयं को अधिक समावेशी बनाए, विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में अधिक स्थान दे, आर्थिक न्याय और जलवायु न्याय के प्रश्नों पर ठोस पहल करे तथा वैश्विक शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करे। अमेरिका को भी यह समझना होगा कि नेतृत्व और प्रभुत्व में अंतर होता है। नेतृत्व विश्वास अर्जित करता है, जबकि प्रभुत्व विरोध को जन्म देता है। फ्रांस में हो रहा यह सम्मेलन केवल आर्थिक या राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का मंच नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। जी-7 को यह विचार करना होगा कि बदलती दुनिया में उसकी भूमिका क्या है और वह किस प्रकार अधिक उपयोगी, प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता है। यदि यह संगठन अपने भीतर बढ़ते मतभेदों को दूर कर, समानता और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ता है, तभी वह विश्व समुदाय की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकेगा।

भारत को इस अवसर पर साहसपूर्वक यह संदेश देना चाहिए कि विश्व का भविष्य शक्ति-संतुलन, संवाद, सहयोग और समावेशिता में निहित है। किसी एक देश या समूह की प्रभुत्ववादी सोच से नहीं, बल्कि साझी जिम्मेदारी और साझा विकास की भावना से ही विश्व में स्थायी शांति, आर्थिक स्थिरता और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही जी-7 जैसे मंचों की वास्तविक कसौटी भी।

# वापस लौटने की अभिलाषा

**रमेश चंद शर्मा**

भारत एक पुराना देश है। अपनी अलग-अलग पहचान रखता रहा है। विभिन्न राज सत्ताओं के होते हुए भी दुनिया में भारत का अपना नाम, पहचान कायम रही है। इसे उपमहाद्वीप के रूप में भी जाना जाता है। सत्ताधारी आते रहे, जाते रहे। सत्ता की सीमाओं में भी समय-समय पर बदलाव होता रहा। कभी हार-जीत के साथ तो कभी खरीद-फरोख्त के साथ, कभी दबाव, लगाव, धोखाधड़ी के साथ। देश शब्द को भी अलग-अलग भावना में व्यक्त किया जाता रहा है। अपने गांव जाते समय कहा जाता था कि देश जा रहा हूं। गांव, क्षेत्र के बाहर परदेश जाना कहा जाता था। समय-समय के साथ इन शब्दों में भी बदलाव आया।

आजादी के बाद भारत की एक अलग ही पहचान बनी। सीमाओं में भी परिवर्तन हुआ। एक संप्रभुतापूर्ण देश। अपना ध्वज, अपना प्रतीक, अपना संविधान, अपनी चुनी हुई सरकार, अपना प्रशासन, अपनी पुलिस, अपना सशस्त्र बल आदि।

भारत अपनी मानसिकता, अपनी गति, अपनी दृष्टि, अपनी दशा और दिशा से अपने ढंग से आगे बढ़ने का प्रयास कर रहा था। वर्षों की गुलामी के बाद नये ढंग से खड़ा होने का प्रयास कर रहा था। नई-नई योजनाएं, नए-नए निर्माण, नई-नई सोच-विचार, नए-नए संस्थानों का निर्माण करने के लिए अथक प्रयास जारी रहे। बहुत से संस्थानों का निर्माण हुआ। बड़े-बड़े उद्योगों, बांधों, संस्थानों का सपना धरती पर उतरने लगा। जहां सुई नहीं बनने की बातें कही जाती थी, वहां उत्पादन के नए-नए द्वार खुले। राह में अड़चनें आना स्वाभाविक है। अड़चनें, रुकावटें आना भी स्वाभाविक है। उनके समाधान भी निकले।

आजादी के बाद भी कई दौर, उतार-चढ़ाव आए। बदलाव भी देखने को मिले। स्वदेशी, स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता, एकता, सद्भावना, विकास की चाह, विकास के बदलते स्वरूपों का ज्वार-भाटा भी देखने को मिला। दुनिया में खलबली सी मची और उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण (भूमंडलीकरण) के नाम पर अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका का दौर शुरू हुआ। यह किसी भी देश की संप्रभुता, आजादी, स्वावलंबन पर गहरी चोट बनेगा। ऐसे स्वर गूंजे, आवाज बुलंद हुई। आंदोलन चलें, धरना प्रदर्शन हुए। पक्ष-विपक्ष में अनेकों तर्क सामने आए। उदारीकरण के नाम पर तो उदार शब्द की हत्या ही कर दी गई। निजीकरण खूब फूलाफला। वैश्वीकरण के नाम पर दबाव, शोषण-दोहन, धंधेबाजी, अपरोक्ष कब्जे, लूट-खसोट, ठेकेदारी के मामले भी सामने आए। विकसित, विकासशील, अविकसित देशों ने अपनी-अपनी दृष्टि से इसको लेने का प्रयास किया। कौन कितना सफल असफल हुआ। यह जांच की आवश्यकता है। भारत ने भी विकास के नाम पर या मजबूरी में या स्थितिवश इसे स्वीकार किया। सरकारों ने अपनी-अपनी नीतियों के आधार पर इसको हांकने का प्रयास किया। सत्ता में अनेक बदलाव आए। विकास के साथ भारत को एक शक्तिशाली, मजबूत, विकसित देश बनाने का सपना लोगों के सामने पेश किया गया। सपने धीरे-धीरे जुमलों में बदलने लगे। विकास के नाम पर ठेकेदार कल्याण योजना भी चलने लगी। विकास के नाम पर मंहगाई, बेरोजगारी का बाजार गर्म हुआ। रुपए की औकात गिरने लगी, वो भी तेजी से। बाजार खुले बहुराष्ट्रीय कंपनियों, अमीरों के हाथों में इनकी चाबियां आने लगी। बाजार की चकाचौंध ने लगभग सभी को आकर्षित ही नहीं किया बल्कि अपना गुलाम बना लिया। बड़े-बड़े मार, बाजार ही नहीं बल्कि फोन खरीदारी का माध्यम बनने लगा। फोन से सूचित किया और सामान आपके घर पर। भुगतान भी फोन के द्वारा। डिजिटल पेमेंट, डिजिटल बैठक, सभा, समूह में चर्चा, सोशल मीडिया का फैलाव। बंद कमरे में बैठे-बैठे खरीदारी, भुगतान, लेन-देन, बैठक, समूह चर्चा, बातचीत, व्यापार, कार्यालय काम करने की छूट। एक तरफ आने-जाने का झंझट खत्म।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 19 जून, 2026



## संक्षिप्त समाचार

### लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व डीलरों पर होगी कठोर कार्रवाई : उपायुक्त

**आपूर्ति विभाग की योजनाओं की समीक्षा, राईस मिलरों को 25 तक चावल जमा करने का निर्देश**

**बोकारो :** जिला समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी शफीक आलम सहित जिले के सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, सहायक गोदाम प्रबंधक, परिवहन अभिकर्ता और राईस मिलर मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक के दौरान विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की वर्तमान स्थिति, प्रगति एवं उनके क्रियान्वयन से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत जानकारी उपायुक्त को दी। इसके साथ ही बैठक में सरकारी खाद्यान्न के उठाव व वितरण, डिजिटल सीडिंग, राशन कार्ड सत्यापन तथा विभागीय पोर्टल पर लंबित मामलों की गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त श्री झा ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत आम लाभुकों को मिलने वाले खाद्यान्न वितरण की वास्तविक स्थिति, नए राशन कार्डों के निर्माण व संशोधन, ई-केवाईसी की प्रगति, पात्र लाभुकों के नाम जोड़ने तथा अपात्र लोगों के नाम सूची से हटाने की प्रक्रिया की बारीकी से जांच की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि समाज के सभी योग्य लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ मिले तथा किसी भी स्तर पर किसी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार की शिकायत सामने न आए।

कड़ा रुख अपनाते हुए उपायुक्त ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी शफीक आलम को सख्त निर्देश जारी किया कि आगामी 25 जून 2026 तक जिले के सभी जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) डीलरों को हर हाल में खाद्यान्न उपलब्ध करा दिया जाए, ताकि समय पर गरीब लाभुकों के बीच इसका पारदर्शी वितरण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने दोटूक शब्दों में चेतावनी दी कि यदि इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही या कोताही बरती गई, तो संबंधित दोषी अधिकारी या कर्मी के विरुद्ध सीधे सेवा नियमावली के तहत कठोरात्मक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही जिले में दाल, नमक एवं धोती-साड़ी वितरण का प्रतिशत बेहद कम रहने पर उपायुक्त ने गहरी नाराजगी और खेद प्रकट किया। उन्होंने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि वे स्वयं फील्ड में उतरकर निर्धारित समय सीमा के भीतर खाद्यान्न, दाल और वस्त्रों का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराएं।

धान अधिप्राप्ति योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी राईस मिलरों को दोटूक अल्टीमेटम दिया कि वे आगामी 25 जून 2026 तक हर हाल में शत-प्रतिशत सीएमआर (चावल) सरकारी गोदामों में जमा करा दें, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सरकार की इन सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पूरी ईमानदारी से पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित विंग के अधिकारी आपसी बेहतर समन्वय के साथ टीम भावना से कार्य करें और तय समय सीमा के भीतर सभी लंबित सरकारी कार्यों का प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करें। योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी।

### डीडीसी ने करमाटांड़ उत्क्रमित उच्च विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

**धनबाद:** उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने गुरुवार को करमाटांड़ उत्क्रमित उच्च विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति, पठन-पाठन व्यवस्था, स्वच्छता एवं आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डीडीसी ने कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया तथा उनकी शैक्षणिक प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने, नियमित रूप से कक्षाएं संचालित करने तथा विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए विद्यालय की व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार लाने पर बल दिया।

डीडीसी ने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए समय-समय पर औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

### वज्रपात के चपेट में आने से युवती की मौत

**गोला:** थाना क्षेत्र के रकुवा गांव में गुरुवार को दोपहर बाद बारिश के साथ हुई वज्रपात की घटना में एक युवती की मौत हो गई।इस संबंध में बताया जाता है गांव निवासी पूजा कुमारी 13 वर्ष बाहर बंधे गाय को खोलकर घर के अंदर ले जा रही थी।इसी दौरान जोरदार वज्रपात हुई।ओर युवती इसके चपेट में आ गई।इस घटना में युवती गंभीर रूप से झुलस गई।जिसे इलाज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।जहां प्राथमिक उपचार के बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।लेकिन रास्ते में ही दम तोड़ दिया।जिसके बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

# भय और दबाव का माहौल बनाकर बोर्ड की स्वायत्तता छीन रहे इस्पात सचिव : एटक

» **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र भेज पौंड्रिक के खिलाफ खोला देशव्यापी मोर्चा**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो/नई दिल्ली :** केंद्रीय इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंड्रिक की मुश्किलें आने वाले दिनों में शायद बेहद बढ़ने वाली हैं। अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) ने उनके खिलाफ अब आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तक अपनी गंभीर शिकायतें पहुंचाने के बाद अब एटक ने सीधे देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक बेहद कड़ा पत्र लिखकर इस्पात मंत्रालय और उसके अधीन आने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के तमाम नवरत्न और महारत्न उपक्रमों में कथित प्रशासनिक अनियमितताओं, श्रमिक विरोधी नीतियों और औद्योगिक संबंधों से जुड़े गंभीर घोटालों की जांच कराने की मांग की है। एटक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विद्यासागर गिरि ने 17 जून 2026 को राष्ट्रपति को भेजे अपने इस पत्र में सीधे आरोप लगाया है कि वर्तमान इस्पात सचिव के कार्यकाल में सेल, आरआईएनएल और एनएमडीसी जैसे बड़े सार्वजनिक उपक्रमों में मंत्रालय का अत्यधिक और अनुचित हस्तक्षेप बढ़ा है, जिससे एक दमनकारी प्रशासनिक संस्कृति विकसित हो गई है।

**तत्कालीन सेल चेयरमैन को जबरन हटाए जाने का दावा, पीएसयू को पंगु बनाने का आरोप-** राष्ट्रपति को भेजे गए शिकायत पत्र में एटक ने दावा किया है कि इस्पात सचिव द्वारा इन सार्वजनिक उपक्रमों के दैनिक प्रशासन में अनावश्यक दखलअंदाजी कर उनके निदेशक मंडलों और प्रबंधन की स्वायत्तता को पूरी तरह से प्रभावित किया जा रहा है। इसके साथ ही, मंत्रालय के शीर्ष स्तर से केवल मौखिक आदेशों, दबावपूर्ण व्यवहार और कथित रूप से गैरकानूनी निर्देशों के जरिए कंपनियों की स्वतंत्र निर्णय प्रक्रिया को बुरी तरह प्रभावित करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ट्रेड यूनियन ने साफ तौर पर आरोप लगाया है कि पूरे इस्पात सेक्टर के भीतर भय और मानसिक दबाव का एक ऐसा अमानवीय माहौल बना दिया गया है, जिससे कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता पूरी तरह खत्म हो गई है। संगठन ने पत्र में इस बात का भी विशेष रूप से सनसनीखेज खुलासा किया है कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के तत्कालीन चेयरमैन को भी पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था, और वर्तमान में अन्य स्टील कंपनियों में भी इसी तरह का खतरनाक हस्तक्षेप धड़ल्ले से जारी है।

**विशाखापट्टनम में 10 से अधिक मौतों का रखा मुद्दा-** एटक ने विशाखापट्टनम स्थित राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) में हाल के दिनों में हुई कई जानलेवा और भीषण दुर्घटनाओं का जिक्र करते हुए मंत्रालय को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। संगठन का आरोप है कि बुनियादी सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी, श्रम शक्ति में लगातार की जा रही कटौती और केवल अंधाधुंध उत्पादन बढ़ाने के केंद्रित दबाव के कारण आम कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों की जान को लगातार जोखिम में डाला गया है। संगठन ने आरआईएनएल में हुई 10 से अधिक जानलेवा दुर्घटनाओं की उच्च स्तरीय विशेष जांच कराने की मांग करते हुए कहा है कि इस पूरे मामले में केंद्रीय मंत्रालय की भूमिका और सचिव के कथित हस्तक्षेप की भी कड़ाई से पड़ताल होनी चाहिए। इसके अलावा, एटक ने एनएमडीसी के द्विपक्षीय वेतन समझौते को पिछले 22 महीनों से भी अधिक समय तक बिना किसी ठोस कारण के लंबित रखने का मुद्दा उठाया है, जिससे देश भर के हजारों खदान कर्मचारियों और श्रमिकों के वैध आर्थिक हितों पर सीधे लात मारी गई है।

**स्वतंत्र एजेंसी या न्यायिक समिति से जांच होने तक हटाने की मांग-** इस पूरे प्रशासनिक और औद्योगिक गतिरोध को देखते हुए एटक ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पुरजोर मांग की है कि इन सभी गंभीर और देश को नुकसान पहुंचाने वाले आरोपों की जांच किसी स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसी या उच्चस्तरीय न्यायिक-प्रशासनिक जांच समिति से अविलंब कराई जाए। संगठन ने बेहद सख्त रुख अपनाते हुए मांग की है कि जब तक इस संवेदनशील मामले की जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक संदीप पौंड्रिक को इस्पात सचिव के गरिमामयी पद से तुरंत हटाया जाए या उन्हें किसी अन्य कम महत्वपूर्ण विभाग में स्थानांतरित किया जाए, ताकि वे अपने रसूख से जांच को प्रभावित न कर सकें और पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष रूप से संपन्न हो सके। इसके अलावा, देश की लाइफलाइन मानी जाने वाली सेल, आरआईएनएल और एनएमडीसी जैसी कंपनियों में सुरक्षा व्यवस्था, औद्योगिक संबंधों की बहाली और देश के श्रम कानूनों के कड़ाई से पालन में मंत्रालय के हस्तक्षेप की एक व्यापक समीक्षा कराने की मांग भी देश के राष्ट्रपति से की गई है।

## गुरु अर्जन देव महाराज के शहादत दिवस पर राहगीरों को पिलाए शीतल शरबत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो थर्मल :** बोकारो थर्मल स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा की ओर से गुरुवार को सिख धर्म के पांचवें गुरु अर्जन देव महाराज का शहादत दिवस पूरी श्रद्धा, आस्था और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर स्थानीय गुरुद्वारा साहिब में मुख्य ग्रंथी बाबा मंजीत सिंह के कुशल सानिध्य में गुरुवाणी का अखंड पाठ एवं भव्य कीर्तन आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालुओं ने हिस्सा लेकर गुरु घर का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्य धार्मिक अनुष्ठान की समाप्ति के बाद समाज सेवा के संकल्प के साथ एक विशाल सेवा कार्य का आयोजन किया गया। इसके तहत स्थानीय हनुमान मंदिर के समीप सिख समाज के श्रद्धालुओं ने एक विशेष शिविर लगाया, जहां भीषण गर्मी के इस मौसम को देखते हुए वहां से गुजरने वाले तमाम राहगीरों, डीवीसी कर्मियों, बड़े-बुजुर्गों और राह चलते स्कूली बच्चों आदि को रोक-रोक कर बड़े ही आदर व सत्कार के साथ चना खिलाया गया और ठंडा मीठा शरबत पिलाया गया। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के बीच शीतल शरबत पीकर आम लोगों ने भारी राहत महसूस की और सिख समुदाय द्वारा किए गए इस पुनीत व परोपकारी कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में गुरुद्वारा सिंह सभा प्रबंधन और सिख समाज के प्रबुद्ध जनों ने अपनी ओर से बढ़-चढ़कर सक्रिय योगदान दिया। मौके पर गुरुद्वारा कमेटी के सचिव बक्शी सिंह, धर्म सिंह, मंजीत सिंह (मन्ना), परमजीत सिंह उर्फ काले, मंजीत सिंह, इंद्रजीत सिंह, अमरजीत सिंह, विनोद भाटिया, शैलेंद्र सिंह, अमर सिंह, यशपाल सिंह, मलकित सिंह, प्रितपाल सिंह, कुलविन्दर सिंह, योगा सिंह, शविन्दर सिंह मिट्ठी, अनिल बहल, मनजित कौर, अंजु कौर, कृष्णा कौर, गुरमीत कौर, सुदेश बाला सकूजा, संजू सलूजा, इंद्र सिंह, शैन्की भाटिया और लक्की सिंह सहित भारी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे, जिन्होंने सेवा शिविर में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई।

## गोमिया गुरुद्वारा साहिब में श्रद्धापूर्वक मना गुरु अर्जन देव महाराज का शहादत पर्व

**स्त्री सत्संग ने 11 दिनों तक किया सुखमनी साहिब का पाठ, शबद कीर्तन और गुरु का अटूट लंगर आयोजित**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** जिले के गोमिया स्थित गुरुद्वारा साहिब श्री गुरु सिंह सभा में सिखों के पांचवें गुरु अर्जन देव महाराज का शहीदी दिवस बेहद श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में पिछले कई दिनों से चल रहे विशेष अखंड पाठ की भक्तिमय समाप्ति के बाद उपस्थित समस्त संगत के बीच मुख्य रूप से कड़ाह प्रसाद का वितरण किया गया। गुरुद्वारे के मुख्य ग्रंथी बाबा लाल सिंह ने गुरु अर्जन देव महाराज की महान जीवनी, उनके सर्वोच्च बलिदान और दिव्य उपदेशों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा सर्वधर्म सुखाय की विशेष अरदास की। इस दौरान गुरुद्वारे की प्रबुद्ध महिलाओं द्वारा बेहद सुरीला शबद कीर्तन प्रस्तुत कर पूरी संगत को निहाल और भक्ति रस में सराबोर कर दिया गया। इससे पूर्व, स्त्री सत्संग के तत्वावधान में पिछले 11 दिनों तक रोजाना श्रद्धापूर्वक सुखमनी साहिब का सामूहिक पाठ और विशेष कीर्तन आयोजित किया गया था। धार्मिक अनुष्ठान और प्रसाद वितरण की समाप्ति के बाद गुरुद्वारे के मुख्य द्वार के सामने विशेष छबील लगाई गई, जहां सेवादारों ने भीषण गर्मी को देखते हुए वहां से गुजरने वाले तमाम राहगीरों और संगत को रोक-रोककर शीतल शरबत तथा चने का प्रसाद अत्यंत आदरपूर्वक वितरित किया।

इस पावन अवसर पर बोकारो जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा साहिब में पूरी आस्था के साथ मत्था टेका और गुरु घर का पावन आशीर्वाद प्राप्त किया। शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा साहिब में एक भव्य और अटूट लंगर का भी आयोजन किया गया, जिसमें जात-पात का भेद मिटाकर समाज के हर वर्ग के कई लोगों ने एक पंगत में बैठकर पूरी श्रद्धा के साथ लंगर प्रसाद ग्रहण किया। इस संपूर्ण धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान इंद्रजीत सिंह, सचिव राजेंद्र सिंह सलूजा, कैशियर बलबीर सिंह, स्टोर इंचार्ज बलबीर सिंह धामी, सत्या आहुजा, परमजीत कौर धामी, सरदार रंजीत सिंह, रेशु खनुजा, प्रिंस सलूजा, युवा समाजसेवी बंटी सिंह, चरणजीत सिंह, कमलजीत कौर, हरमीत कौर, दीपिका छाबड़ा, रितिका खनुजा, मनदीप वधावन, गुंजन वधावन, सुरेंद्र कौर, कंवलजीत सिंह, सरबजीत कौर, रवि, देवेंद्र सिंह पिंटा और गीता सलूजा सहित भारी संख्या में सिख समाज के प्रबुद्ध लोग और स्थानीय नागरिक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

## अत्याधुनिक तकनीक से संवरेंगी इस्पातनगरी की सड़कें, हर सेक्टर को मिलेगी निर्बाध बिजली और स्मार्ट रोशनी

**आधारभूत संरचनाओं के विकास को लेकर बीएसएल लगातार उठा रहा बड़े कदम**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

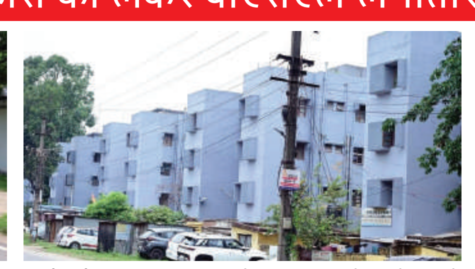

**बोकारो :** बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) अपने टाउनशिप निवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं एवं गुणवत्तापूर्ण आधारभूत संरचना उपलब्ध कराने के लिए लगातार बड़े कदम उठा रहा है। इस महाअभियान के तहत टाउनशिप की अधिकांश मुख्य सड़कों, सेक्टरों की आंतरिक सड़कों तथा परिधीय (बाहरी) सड़कों की व्यापक मरम्मत एवं उन्नयन (अपग्रेडेशन) का कार्य युद्ध स्तर पर किया गया है। हाल ही में सेक्टर 2सी, 2बी, 3ए, 3बी, 4जी, 6ए, 9ए एवं 9डी में लगभग 15 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत अत्याधुनिक जर्मन माइक्रो-सरफेसिंग तकनीक के माध्यम से की गई है, जिससे सड़कें बेहद चिकनी और टिकाऊ हो गई हैं। इसके अतिरिक्त सेक्टर 2ए, 2बी, 2सी, 2डी, 3सी, 3डी, 5डी, 8बी, 9बी, 9डी, 11सी तथा 11डी में भी लगभग 11 किलोमीटर सड़कों का कायाकल्प सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। प्रबंधन ने लक्ष्य रखा है कि चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक लगभग 8 किलोमीटर और सड़कों पर माइक्रो-सर्फेसिंग तथा लगभग 10 किलोमीटर सड़कों की बिटुमिनस (डामर) मरम्मत कर आवागमन को पूरी तरह बाधा रहित बना दिया जाएगा।

**500 से अधिक नए आवासीय ब्लॉकों के सौंदर्यीकरण की तैयारी-** संचार प्रमुख मणिकांत धान के अनुसार, टाउनशिप के आवासीय परिसरों के रख-रखाव, मजबूती और उनके सौंदर्यीकरण को लेकर भी बीएसएल प्रबंधन पूरी गंभीरता से काम कर रहा है। इसी कड़ी में वर्तमान में सेक्टर 8ए एवं 11ए में जर्जर हो चुके आवासीय भवनों की बाहरी मरम्मत (एक्सटर्नल रिपेयरिंग) और पेंटिंग का कार्य तेजी से प्रगति पर है। उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों के भीतर ही टाउनशिप के विभिन्न सेक्टरों के 800 से अधिक विशाल आवासीय ब्लॉकों में बाहरी मरम्मत, छतों के वॉटरप्रूफिंग और रख-रखाव का काम पूरी तरह से मुकम्मल किया जा चुका है। प्लांट के नगर सेवा विभाग ने इस कार्य को आगे बढ़ाते हुए चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक लगभग 500 अतिरिक्त आवासीय ब्लॉकों में बाहरी मरम्मत कार्य पूरा करने की एक महत्वाकांक्षी योजना पर काम शुरू कर दिया है, जिससे जल्द ही सभी सेक्टर्स के क्वार्टर नए और आकर्षक लुक में नजर आएंगे।

**सेक्टर 4ए और सेक्टर 9 में खुले दो नए पावर सब-स्टेशन-** निवासियों को भीषण गर्मी के इस मौसम में निर्बाध, बिना ट्रिपिंग के और पूरी तरह से स्थिर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से टाउनशिप में दो नए अत्याधुनिक विद्युत उपकेंद्र (पावर सब-स्टेशन) स्थापित कर चालू कर दिए गए हैं। इनमें से एक सब-स्टेशन सेक्टर 4ए में तथा दूसरा सेक्टर 9 में स्थित किया गया है। इन दोनों नए उपकेंद्रों के सफलतापूर्वक शुरू होने के साथ ही, बीएसएल द्वारा अपने आंतरिक तकनीकी संसाधनों के दम पर टाउनशिप के विभिन्न सेक्टरों में अब तक कुल नौ विशाल विद्युत उपकेंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रबंधन यहीं नहीं रुकने वाला है, बल्कि आने वाले दिनों में बिजली व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए तीन और नए पावर सब-स्टेशन स्थापित करने की पूरी ब्लूप्रिंट योजना तैयार कर ली गई है, जिससे भविष्य में लो-वोल्टेज की समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।

**सड़कों पर लगीं स्मार्ट एलईडी लाइट्स-** टाउनशिप को एक आधुनिक स्मार्ट सिटी के रूप में ढालने के लिए ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने वाले कई बड़े तकनीकी बदलाव किए गए हैं। इसके तहत टाउनशिप के तमाम प्रमुख मार्गों, चौराहों और आर्टेरियल (जोड़ने वाली) सड़कों पर अत्याधुनिक स्मार्ट लाइटिंग कंट्रोल सिस्टम पूरी तरह से इंस्टॉल कर दिए गए हैं। इसके साथ ही पुरानी लाइटों को हटाकर उनकी जगह हाई-इल्यूमिनेशन वाली पर्यावरण अनुकूल एलईडी स्ट्रीट लाइट्स बड़े पैमाने पर लगाई गई हैं। इस ऑटोमैटिक सिस्टम के चालू होने से न सिर्फ शाम होते ही पूरी टाउनशिप में बेहतर, प्रभावी और दुधिया रोशनी सुनिश्चित हुई है, बल्कि बिजली की भारी बचत और ऊर्जा संरक्षण का लक्ष्य भी हासिल किया जा रहा है। बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन ने साफ किया है कि वह टाउनशिप के समग्र विकास, कर्मियों के बेहतर जीवन-स्तर तथा आधुनिक नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

# हुनरमंद बनाकर ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता डीवीसी का ध्येय : एचओपी

**सीएसआर के तहत 112 युवतियों में स्किल डेवलपमेंट प्रमाण-पत्र वितरित**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो थर्मल :** डीवीसी बोकारो थर्मल सीएसआर द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं और युवतियों को स्वावलंबी व हुनरमंद बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष स्किल डेवलपमेंट कोर्स के सफल समापन पर गुरुवार को एक भव्य प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में परियोजना प्रधान (एचओपी) सुशील कुमार अरजरिया तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में ए.ए. कुजूर उपस्थित थे, जिनका स्वागत सीएसआर के वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए संजीवनी पौधा भेंट कर किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं और युवतियों को मुख्य रूप से संबोधित करते हुए अतिथियों ने स्पष्ट कहा कि डीवीसी का मुख्य और निरंतर प्रयास ग्रामीण परिवेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे अपने हुनर के दम पर समाज की मुख्यधारा से सीधे जुड़ सकें। अधिकारियों ने बताया कि इस कल्याणकारी और निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत कंप्यूटर और सिलाई-कढ़ाई का 6 महीने का कोर्स तथा ब्यूटीशियन विधा का 3 महीने का व्यावहारिक कोर्स सफलतापूर्वक कराया गया। इन तीनों तकनीकी पाठ्यक्रमों को मिलाकर कुल 112 सफल महिला प्रशिक्षुओं के बीच आधिकारिक प्रमाण-पत्रों का वितरण किया गया।

समारोह के दौरान डीवीसी के आला अधिकारियों ने महिला आत्मनिर्भरता पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि उनका एकमात्र मकसद सिर्फ सर्टिफिकेट बांटना नहीं है, बल्कि भविष्य में भी अपना स्वरोजगार शुरू करने के लिए जरूरत पड़ने पर डीवीसी इन सभी महिलाओं को हरसंभव तकनीकी व प्रशासनिक सहयोग प्रदान करती रहेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब देश के ग्रामीण क्षेत्रों की आधी आबादी पूरी तरह हुनरमंद होकर अपने पैरों पर खड़ी होगी, तभी एक सुदृढ़, उन्नत और समृद्ध समाज का वास्तविक निर्माण संभव हो पाएगा। गौरतलब है कि डीवीसी के सीएसआर प्रशिक्षण केंद्र में स्थानीय जरूरतमंद लड़कियों और महिलाओं के लिए समय-समय पर इस तरह के निःशुल्क रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं, जिससे ग्रामीण परिवेश की प्रतिभाओं को स्वरोजगार स्थापित करने अथवा विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में नौकरी के बेहतर व सुनहरे अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इस गौरवशाली और उत्साहजनक कार्यक्रम के सफल संचालन के अवसर पर मुख्य रूप से कार्यपालक प्रशिक्षु अंकित राज, भैरव महतो, रमेश यादव, गुरिंदर सिंह, जीवाधन महतो, विकास यादव और मुख्य ट्रेनर सुष्मिता वर्णवाल सहित भारी संख्या में प्रशिक्षित महिलाएं, युवतियां तथा स्थानीय प्रबुद्ध नागरिक मौजूद थे।

## बोकारो में डीसी ने किया द आर्ट ऑफ लिविंग योग के नए केंद्र का शुभारंभ

» **भागदौड़ भरी जिंदगी में योग संपूर्ण जीवनशैली : अजय नाथ झा**

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**बोकारो :** बोकारो के सेक्टर-4 सिटी सेंटर स्थित हर्षवर्धन प्लाजा में द आर्ट ऑफ लिविंग के नए योग केंद्र का भव्य शुभारंभ किया गया। गुरुवार को मुख्य अतिथि बोकारो के उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने दीप प्रज्वलित कर केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया। इस केंद्र पर आम नागरिकों के लिए योग, ध्यान, प्राणायाम के साथ-साथ मुफ्त काउंसलिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रशिक्षु आईएएस श्री अरविंद राधाकृष्णन भी उपस्थित थे। समारोह की शुरुआत में नन्हे धन्वी जिंदल ने उपायुक्त को आरती कर और तिलक लगाकर पारंपरिक रूप से स्वागत किया, जिसके बाद मुकेश कुमार राय ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

योग केंद्र का अवलोकन करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उपायुक्त श्री झा ने कहा कि वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली, बढ़ते तनाव और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के बीच योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि अब योग केवल आसनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण जीवनशैली है जो शरीर, मन और भावनाओं में संतुलन स्थापित करती है। युवाओं में बढ़ते मानसिक दबाव और एकाग्रता की कमी पर चर्चा करते हुए डीसी ने कहा कि नियमित योग और प्राणायाम से बच्चों का शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है तथा मन शांत एवं एकाग्र बनता है। उपायुक्त ने मानव मूल्यों के प्रसार और लोगों को तनावमुक्त जीवन जीने की कला सिखाने के लिए द आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के प्रयासों की भूरि-भूरि सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे केंद्रों से समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और लोगों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार होगा।

**बेंगलुरु से आए ब्रह्मचारी योगीराज ने कराया योगाभ्यास-** इस अवसर पर बेंगलुरु आश्रम से आए मुख्य वक्ता ब्रह्मचारी योगीराज (योगी रामजी) ने उपस्थित लोगों को योग व ध्यान का व्यावहारिक अभ्यास कराया और इसके गहन फायदों से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान सभी को नियमित योगाभ्यास करने, संतुलित जीवनशैली अपनाने और अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव सजग रहने का संकल्प दिलाया गया। संस्था के प्रवक्ता संजय सोनी ने बताया कि पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद से केंद्र के शिक्षक योग के माध्यम से लोगों को तनावमुक्त और सुखी जीवन जीने की राह दिखा रहे हैं।

**आम जनता के लिए पूरी तरह निशुल्क रहेंगी सेवाएं-** शिक्षक विनोद कुमार गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए बताया कि इस केंद्र पर आम लोगों के लिए सभी सेवाएं पूरी तरह मुफ्त रहेंगी। केंद्र की समय सारणी सुबह 05 बजे से 08 बजे तक और शाम को 05 बजे से 07 बजे तक निर्धारित की गई है। मौके पर रितु जिंदल, रेखा चौधरी, ऋतिका शुक्ला, वर्षा सिन्हा, डब्बू कुमार, गोदावरी, सिमी मोहंती, निताशी, शिव कुमार जिंदल, दीपमाला सहित 'द आर्ट ऑफ लिविंग' परिवार के कई पदाधिकारी, योग प्रशिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और भारी संख्या में स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 19 जून, 2026



## संक्षिप्त समाचार

### शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 12 लाख रुपये की ठगी, रिपोर्ट दर्ज

**कानपुर , एजेंसी।** यशोदानगर कुंज विहार निवासी शौर्य सिंह ने सेन पश्चिमपारा थाना में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह स्टॉक मार्केट में ऑनलाइन निवेश करते हैं। बीते कुछ समय से उसे काफी नुकसान हो गया। हाल ही में टेलीग्राम के माध्यम से एक अज्ञात व्यक्ति से उनकी चैटिंग शुरू हुई। चैटिंग के दौरान उस व्यक्ति ने शेयर मार्केट के माध्यम से नुकसान की भरपाई के लिए उनसे 50 हजार रुपये लिए। इसके बाद अधिक मुनाफे का लालच देकर अलग-अलग यूपीआई खातों में 12 नवंबर 2025 से 26 मई 2026 के बीच 28 ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 12 लाख 16 हजार 900 रुपये ट्रांसफर करवा लिए। तभी ठगी का एहसास हुआ। थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर जांच की जा रही है।

### टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षक संगठन, संघर्ष जारी रखने का ऐलान

**गोरखपुर , एजेंसी।** शिक्षकों का कहना है कि केंद्र सरकार 2009 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त करने के लिए अध्यादेश जारी किया जाए, जिससे हजारों शिक्षकों की चिंता दूर हो सके। उनका कहना है कि यदि नई योग्यता को पूर्व में नियुक्त कर्मचारियों पर लागू करने का सिद्धांत अपनाया जाता है, तो यह नियम केवल शिक्षकों पर ही नहीं बल्कि पहले से नियुक्त आईएएस, न्यायाधीश, डॉक्टर, इंजीनियर और अन्य सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी समान रूप से लागू होना चाहिए।

### जिले में 24 केंद्रों पर होगा नीट का आयोजन, 14 हजार परीक्षार्थी होंगे शामिल

**बरेली , एजेंसी।** इस बार नेशनल टेस्टिंग की एजेंसी (एनटीए) ने नियमों में बदलाव भी किए हैं। प्रत्येक केंद्र पर एक सेंट्रल सुपरिटेंडेंट और एक सेंट्रल आब्जर्वर की तैनाती रहेगी। दो डिस्ट्रिक्ट को-आर्डिनेटरों की भी नियुक्ति की गई है। दिव्यांगों को एक घंटे पांच मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। बैंकों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने और वहां से केंद्रों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी एनटीए ने अपने पास ही रखी है। एडीएम सिटी अविनाश त्रिपाठी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में परीक्षा की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी अविनाश सिंह की ओर से बैठक भी की गई। इसमें पुलिस, एलआईयू, बैंक और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ ही केंद्रीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य भी मौजूद रहे।

### मामूली कहासुनी के बाद घर पर हमला, पिता-पुत्र समेत तीन घायल

**गोरखपुर , एजेंसी।** थाना क्षेत्र के करतहरी गांव में मामूली विवाद के बाद मनबढ़ों ने घर पर चढ़कर हमला कर दिया। मारपीट में पिता-पुत्र समेत तीन लोग घायल हो गए। इसमें एक व्यक्ति के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। करतहरी निवासी घनश्याम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 30 जून को गांव के ही प्रिंस से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। आरोप है कि इसके बाद प्रिंस अपने साथियों अमरेश, इंद्रेश, रमेश और नरेश के साथ लाठी-डंडा व रॉड लेकर उनके घर पहुंच गया। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। विरोध करने पर घनश्याम के पिता रामबृक्ष के सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। शोर सुनकर घनश्याम और उनकी बहन बचाने पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। थानाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

### करोड़ों खर्च के बाद भी अधूरी तैयारी? 300 मीटर ट्रैक पर उठे सवाल

**नोएडा , एजेंसी।** सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम में लंबे इंतजार के बाद सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक बनकर तैयार हो गया है, लेकिन इसकी लंबाई को लेकर खिलाड़ियों, कोचों और खेल विशेषज्ञों ने सवाल उठाए हैं। एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के लिए 400 मीटर ट्रैक को अंतरराष्ट्रीय मानक माना जाता है, जबकि नोएडा स्टेडियम में 300 मीटर का ट्रैक तैयार किया गया है। खेल विशेषज्ञों का कहना है कि ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय अधिकांश प्रतियोगिताएं 400 मीटर ट्रैक पर आयोजित होती हैं। ऐसे में 300 मीटर ट्रैक पर अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं के दौरान तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। लंबी दूरी की दौड़, स्पीड एंड्योरेंस और रेस रणनीति जैसी तैयारियों पर इसका असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। जानकारों के अनुसार ट्रैक निर्माण शुरू होने से पहले जिला ओलंपिक संघ, एथलेटिक्स कोच और खिलाड़ियों ने 400 मीटर ट्रैक बनाने की मांग की थी। इसके बावजूद परियोजना में कोई बदलाव नहीं किया गया। उनका मानना है कि नोएडा जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर में खेल अवसंरचना तैयार करते समय भविष्य की जरूरतों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

अचानक टिन्नू का सामने आना सामान्य नहीं

# इसके पीछे बड़ी चाल, 3 पर सबसे अधिक सवाल

**लखनऊ, एजेंसी।** श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में हेरफेर के मामले में रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू का अचानक सामने आना और बयान देना कई सवाल खड़े करता है। प्रकरण में सर्वाधिक सवालों के घेरे में टिन्नू ही है। इतने दिनों से वह खामोश था, सोमवार को वीडियो बयान जारी किया और कई मीडिया संस्थानों को इंटरव्यू भी दिए। इसके पीछे बड़े खेल की आशंका जताई जा रही है। माना जा रहा है कि ट्रस्ट के कुछ पदाधिकारियों के बचाव में उसे आगे किया गया है। वह बयानों में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के पक्ष में बोला है, जबकि अन्य कई लोगों पर सवाल खड़े किए हैं, जो आशंका की ओर इशारा कर रहा है।

गबन का मामला छह जून को उजागर हुआ था। कुछ ही घंटों में इसने तूल पकड़ लिया था। इसके बाद से ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों ने चुप्पी साध ली थी। यहां तक कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, जो सामान्यतः कारसेवकपुरम में निवास करते हैं, वह भी तब से मंदिर परिसर स्थित ट्रस्ट कार्यालय में ही रह रहे हैं।

न कोई बयान जारी किया गया और न ही मीडिया से बातचीत की गई। कार्यालय तक पहुंचने वाले लोगों को भी वहां से लौटा दिया गया। ऐसे में करीब 10 दिन बाद सोमवार को टिन्नू का अचानक सामने आना, कई सवाल खड़े करता है। सूत्रों के मुताबिक, सोची-समझी रणनीति के तहत टिन्नू को आगे किया गया है।

**राजनीतिक दल ने भी उकसाया :** सूत्रों का कहना है कि एक राजनीतिक दल के कुछ पदाधिकारियों ने भी टिन्नू से संपर्क किया था। उन्हें बताया गया कि जिस तरह से मामला आगे बढ़ रहा है। उसमें पूरी जिम्मेदारी उन्हीं पर डाली जा सकती है। इसलिए उन्हें सामने आकर पक्ष रखना चाहिए। ट्रस्ट के एक करीबी पदाधिकारी ने भी उन्हें इसके लिए सहमति दी ताकि उनके पक्ष की बातें भी सामने रखी जा सकें और पूरा ठीकरा अन्य लोगों पर फूटता रहे।

**दो पदाधिकारी व टिन्नू पर सर्वाधिक सवाल :** सूत्रों के अनुसार, इस मामले में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, टिन्नू और गोपाल राव सर्वाधिक सवालों के घेरे में हैं। दान की राशि के प्रबंधन से लेकर मंदिर की कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं में इन सभी की भूमिका बताई जाती है। गोपाल राव मंदिर निर्माण सहायक हैं लेकिन महत्वपूर्ण कार्यों में उनका भी व्यापक हस्तक्षेप माना जाता है।

**आखिर कहां हैं अनिल मिश्रा :** बताया जा रहा है कि अनिल मिश्रा के केरल में होने की चर्चा है, हालांकि इसकी

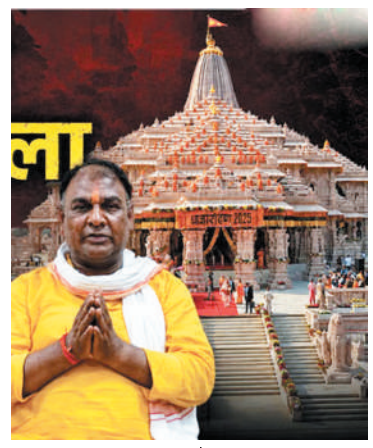

आधिकारिक पुष्टि नहीं है। टिन्नू ने भी उन पर सवाल उठाए हैं। ऐसे में उनसे पूछताछ होना जरूरी माना जा रहा है। जांच एजेंसियां उनसे कब और कैसे पूछताछ करेंगी, यह स्पष्ट नहीं है। सवाल है कि अनिल मिश्रा अयोध्या से बाहर क्यों गए हैं? इसके पीछे कोई रणनीति या संयोग, यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

**एसआईटी जांच के बीच कल अयोध्या जाएंगे सीएम योगी :** राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण की चल रही जांच के बीच 19 जून को मुख्यमंत्री योगी अयोध्या दौरे पर पहुंचेंगे। इस दौरान वह कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत वह रुदौली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अयोध्या आएंगे। मुख्यमंत्री मणिराम दास छावनी में महंत नृत्य गोपाल दास के जन्मोत्सव कार्यक्रम में भाग लेंगे।

**एसआईटी को मिले सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ के सुबूत, टिन्नू से लंबी पूछताछ :** श्रीराम मंदिर की दान की राशि में हेरफेर के मामले में एसआईटी (विशेष जांच दल) की तफ्तीश तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रही। जांच में ऐसे साक्ष्य मिले हैं जिससे आशंका है कि सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ की गई थी ताकि रकम पार कर सुबूत मिटाए जा सकें। हालांकि, अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं, निगरानी करने वाले असल जिम्मेदार एसआईटी के सवालों के जवाब नहीं दे पा रहे हैं। जांच टीम ने रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव से भी लंबी पूछताछ की है। एसआईटी की टीम सोमवार से अयोध्या में डेरा डाले है। पहले दिन करीब साढ़े सात घंटे और मंगलवार को 11 घंटे मंदिर परिसर में रहकर टीम ने जांच की थी। बुधवार को भी जांच का सिलसिला जारी रहा। सुबह करीब दस बजे एसआईटी की टीम मंदिर परिसर पहुंची। जहां ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय समेत अन्य कई पदाधिकारी, कर्मचारी, पुजारी और बैंक कर्मी मौजूद रहे। सूत्रों के मुताबिक, टीम ने सीसीटीवी कैमरों की स्थिति को गहनता से परखा। इसमें कुछ ऐसे तथ्य मिले हैं जिससे आशंका है कि चोरी करने वालों ने फुटेज से छेड़छाड़ की है।

**सामने आ रही बैंक की भी लापरवाही :** दान राशि की गिनती प्रक्रिया में बैंक की अहम भूमिका रहती थी। बैंक कर्मियों की मौजूदगी में ही गिनती होती थी। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी की जांच में बैंक की लापरवाही सामने आई है। हालांकि, जो जानकारी मिली है उसके अनुसार बैंक कर्मी पदाधिकारियों के दबाव में रहते थे इसलिए वह हस्तक्षेप नहीं कर पाते थे।

**सवालों में फंस रहे जिम्मेदार :** एसआईटी चंपत राय, गोपाल राव समेत राममंदिर ट्रस्ट के कई अन्य पदाधिकारियों व उनसे जुड़े लोगों से गहनता से पूछताछ कर रही है। सूत्रों के मुताबिक ये लोग कई सवालों के जवाब नहीं दे पा रहे हैं। कई सवालों के गोलमोल जवाब दे रहे हैं। दान के दिए गए रिकॉर्ड से भी एसआईटी संतुष्ट नहीं है क्योंकि उसमें कई चीजें अस्पष्ट हैं। इसलिए एसआईटी को जांच में समय लग रहा है। विशेष जांच दल ने पूछताछ के लिए करीब दो सौ लोगों की सूची तैयार की है।

## प्रदेश में प्रचंड गर्मी की वापसी

### 26 जिलों में आज चलेगी जानलेवा लू, मानसून को लेकर डराने वाला है अलर्ट

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश में मौसम इन दिनों अजब गजब रंग दिखा रहा है। बुधवार को प्रदेश के कई जिलों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप बना रहा, जबकि कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी ने लोगों को राहत दी। दोपहर बाद वाराणसी, चंदौली समेत दक्षिण व पश्चिम के कुछ जिलों में तेज हवा चली और हल्की बूंदाबांदी हुई। हालांकि इससे पहले इन क्षेत्रों में भी गर्म हवाओं का असर बना रहा।

**प्रयागराज रहा सबसे गर्म :** बुधवार को 45 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रयागराज प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। वाराणसी में अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि झांसी और चुर्क में पारा 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

**26 जिलों में लू का अलर्ट :** मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए बुंदेलखंड और दक्षिणी उत्तर प्रदेश समेत करीब 26 जिलों में लू चलने की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

**मानसून के लिए करना होगा इंतजार :** क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार फिलहाल प्रदेश में कोई प्रभावी मौसम तंत्र सक्रिय नहीं है। ऐसे में

उत्तर प्रदेश में मानसून के आगमन में अभी लगभग एक सप्ताह का समय लग सकता है।

**इन जिलों में है लू का येलो अलर्ट :** बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर व आस पास के क्षेत्र।

## अधिकारी गायब, कुर्सियां खालीः राजापाकर में जन-कल्याण शिविर की खुली पोल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

**हाजीपुरः** बिहार सरकार के महत्वाकांक्षी 'जन-कल्याण अभियान' के तहत राजापाकर प्रखंड मुख्यालय में आयोजित तीन दिवसीय 'प्रखंड सहयोग-सह-जन-कल्याण शिविर' जमीनी स्तर पर महज एक औपचारिकता बनकर रह गया। सरकार का दावा था कि इस शिविर के जरिए केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक एक ही छत के नीचे पहुँचाया जाएगा। लेकिन शिविर के अंतिम दिन गुरुवार को जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत नजर आई। शिविर स्थल पर भव्य टेंट लगाया गया था और लंबी कतारों में लाल रंग की प्लास्टिक की कुर्सियां सजाई गई थीं। लेकिन पूरे पंडाल में

सन्नाटा पसरा रहा। आम जनता तो दूर, उनकी समस्याओं को सुनने और उनका ऑन-द-स्पॉट निपटारा करने वाले प्रखंड के जिम्मेदार पदाधिकारी भी शिविर से पूरी तरह नदारद दिखे। शिविर में व्यवस्था के नाम पर प्रखंड के महज एक-दो चतुर्थवर्गीय कर्मी और एक-दो विकास मित्र ही बैठे नजर आए। वहीं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिम्मेदारी निभाते हुए तीन से चार एएनएम (ANM) जरूर अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद दिखीं, लेकिन मुख्य विभागों के वरीय अधिकारियों और टेबल संभालने वाले कर्मियों के गायब रहने से पूरा आयोजन बेअसर साबित हुआ।

पोस्टर और विज्ञापनों में बड़े-बड़े दावे किए गए थे कि इस तीन दिवसीय शिविर (16, 17 एवं 18 जून) में लोगों को आवेदन, निबंधन, सत्यापन और ई-केवाईसी जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर दी जाएंगी। लेकिन धरातल पर अधिकारियों की इस बेरुखी और लापरवाही ने सरकार के "सबका सम्मान, जीवन आसान" के नारे को बेमानी साबित कर दिया। स्थानीय ग्रामीणों में इस बात को लेकर काफी आक्रोश है कि जब अधिकारियों को आना ही नहीं था, तो सरकारी धन का दुरुपयोग कर इस तरह के शिविर का ढोंग क्यों रचा गया?

## पाकिस्तान से आकर खड़ा किया कारोबार, धूएं ने छीनी जिंदगी

**अलीगढ़ , एजेंसी।** पाकिस्तान से विस्थापित होकर अलीगढ़ आए 79 वर्षीय सुभाष चंद्र कालरा ने विभाजन का दर्द झेलकर संघर्षों के बीच खेल उपकरणों का कारोबार खड़ा किया था। हरिओम नगर अग्निकांड में शॉर्ट सर्किट से फैले जहरीले धुएं ने उनकी जिंदगी की आखिरी लड़ाई भी छीन ली।

हरिओम नगर में हुए अग्निकांड की कहानी जितनी भयावह है, उतनी ही मार्मिक भी। 79 वर्षीय खेल उपकरण कारोबारी सुभाषचंद्र कालरा लंबे समय से अस्थमा से पीड़ित थे। शॉर्ट सर्किट के बाद घर में फैले घने और जहरीले धुएं ने उनके फेफड़ों पर ऐसा असर डाला कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला।

हादसे के दौरान जान जोखिम में डालकर घर में घुसे स्थानीय युवक नरेंद्र कुमार नंदा ने बताया कि नीचे की मंजिल तक पहुंचने के लिए एक संकरा गलियारा था। धुएं को चीरते हुए जब वे कमरे तक पहुंचे तो देखा कि आग सीधे सुभाष चंद्र

तक नहीं पहुंची थी, लेकिन पूरा कमरा धुएं से भर चुका था। वह डबल बेड और दरवाजे के बीच अचेत अवस्था में पड़े मिले।

नरेंद्र के अनुसार हालात देखकर लग रहा था कि उन्होंने बाहर निकलने का प्रयास किया था, लेकिन सांस की बीमारी के कारण धुएं का सामना नहीं कर सके और दरवाजे तक पहुंचने से पहले ही गिर पड़े। मुख्य अग्निशमन अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि सुभाष चंद्र को पहले से सांस संबंधी परेशानी थी, जिस पर धुएं ने घातक प्रभाव डाला।

### ठेकेदार, संविदा लाइनमैन को बचाने में जुटे जिम्मेदार, ऊर्जा मंत्री के दखल पर भी बेपरवाही

**बरेली , एजेंसी।** लाइनमैन मुख्तार सिंह के फार्म हाउस से सोमवार को ऊर्जा मंत्री डॉ. एके शर्मा के आदेश पर छापा मारकर लाखों रुपये के विद्युत वितरण बरामद किए गए थे। मुख्तार की शिकायत भाजपा के मंडल अध्यक्ष श्याम देव सिंह ने ऊर्जा मंत्री से की थी। इसके बाद सोमवार को कार्रवाई की गई। मुख्तार ने ठेकेदार और विद्युत निगम के जिम्मेदारों के साथ मिलकर अपने फार्म हाउस पर गोदाम बना रखा था। एसडीओ विपुल शुक्ला ने छापा मारा तो यहां तीन ट्रांसफार्मर, इंसुलेटर, बिजली तार, डिस्क, 250 मीटर केबल और 233 केवी बॉक्स बरामद हुए। ठेकेदार को यह सामान उपकेंद्र के गोदाम में जमा करना था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। बिजली सामान बरामद होने के बावजूद विभाग के उच्च अधिकारियों ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। मुख्तार सिंह को कार्य मुक्त भी नहीं किया गया है। इसको लेकर विभागीय संलिप्तता का संदेह गहरा रहा है। एसडीओ विपुल कुमार ने बताया कि मामले की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी गई है। लाइनमैन से स्पष्टीकरण मांगा गया है कि सरकारी उपकरण कहां से आए। संतोषजनक जवाब न मिलने पर प्राथमिकी दर्ज दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मुख्तार सिंह ने बताया कि नरवीर फर्म ठेकेदार बरेली ने बचा हुआ सामान उसके फार्म हाउस पर रखा था। यह सामान उन्हें वापस स्टोर में जमा करना था।गांव के लोगों ने बताया कि अगर कहीं पर कोई ट्रांसफार्मर खराब हो जाता है तो बिना सुविधा शुल्क नहीं बदला जाता। नया ट्रांसफार्मर उपकेंद्र से न आकर मुख्तार के फार्म हाउस से आता है। उपकेंद्र पर दो माह से कोई जूनियर इंजीनियर नहीं है।

### सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा भर्ती में बढ़ाए गए पद, 2516 नहीं अब 2587 पदों के लिए होगा चयन

**लखनऊ , एजेंसी।** उत्तर प्रदेश में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से की जा रही सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा भर्ती अब 2587 पदों पर होगी। आयोग ने उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय के और पदों को इसमें शामिल किया है। इसके साथ ही भर्ती के लिए आवेदन की तिथि भी बढ़ाई गई है।

आयोग के सचिव हरिकेश चौरसिया ने बताया है कि भर्ती में 2285 पदों पर विज्ञापन जारी किया गया था। इसके बाद 221 पदों को और शामिल करते हुए 2516 पदों पर आवेदन लिए जा रहे हैं। इसमें अब 71 पद और बढ़े हैं। अब कुल 2587 पदों पर चयन कार्यवाही की जाएगी। ऑनलाइन आवेदन व शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 25 जून तय की गई है। साथ ही शुल्क समायोजन व आवेदन में संशोधन दो जुलाई तक किए जाएंगे।

उन्होंने कहा है कि ऐसे अभ्यर्थी जो विज्ञापन के सापेक्ष अपना आवेदन अंतिम रूप से सबमिट कर चुके हैं। इसके माध्यम से विज्ञापित पदों पर उन्हें फिर से आवेदन नहीं करना पड़ेगा। किंतु अभ्यर्थी पूर्व में किए आवेदन के अनुसार पदों के सापेक्ष अपना विकल्प व वरीयता देना अनिवार्य होगा।

## जिला प्रचारक की बाइक थाने पहुंचाने में प्रभारी सहित पूरी चौकी निपटी, एसपी ने की बड़ी कार्रवाई

**फर्रूखाबाद , एजेंसी।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला प्रचारक की बाइक थाने पहुंचाने में प्रभारी सहित रोडवेज चौकी के सभी कर्मचारी लाइन हाजिर हो गए। अभी उनकी जगह किसी की तैनाती नहीं की गई है। एसपी ने चौकी प्रभारी के साथ दो प्रधान आरक्षी व आरक्षी को लाइन हाजिर किया है। आरएसएस के जिला प्रचारक मानवेंद्र मंगलवार को फतेहगढ़ से शहर की ओर बाइक से जा रहे थे। रोडवेज चौकी के सामने पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान उन्हें रोक लिया। प्रचारक मानवेंद्र ने अपना परिचय दिया लेकिन पुलिस ने एक न सुनी और उनकी बाइक कब्जे में लेकर कादरीगेट थाने पहुंचा दी। इससे प्रचारक को ई-रिक्शा से जाना पड़ा। इसी के बाद मामला उच्च पदाधिकारियों तक पहुंचा तो पुलिस के आला अधिकारियों के फोन घनघनाने लगे। मामला अधिक तूल पकड़ने पर पुलिस उसे शांत करने में जुट गई। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने रोडवेज चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक कपिल कुमार कुशवाहा को लाइन हाजिर कर दिया। इसके साथ ही एसपी ने चौकी के सिपाही अनुज व चेकिंग के दौरान ड्यूटी करने वाले कादरीगेट थाने के प्रधान आरक्षी अजय सिंह व विक्रम सिंह को लाइन में भेज दिया। चौकी पर प्रभारी कपिल कुमार कुशवाहा के अलावा सिपाही अनुज कुमार ही तैनात था। फिलहाल पुलिस अब यह मामला यहीं पर शांत करने का पूरा प्रयास कर रही है।

# कानपुर में मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती को बताया स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट्र का अभियान

सुनील बाजपेई

**कानपुर।** आज यहां गुरुवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद कहा कि प्राकृतिक खेती केवल कृषि पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट्र का अभियान है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और पेस्टीसाइड के बढ़ते प्रयोग ने धरती की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंचाया है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर डाला है। इसअवसर पर किसानों को सम्मानित करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि, 12 सालों में हमने बदलते भारत को देखा जो बिना रुके थके, चल रहा है। अपने विरासत व विकास को आगे बढ़ा रहा है भारत।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंनेकहा कि प्राकृतिक खेती केवल कृषि पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट्र का अभियान है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और पेस्टीसाइड के बढ़ते प्रयोग ने धरती की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंचाया है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर डाला है।

सीएसए परिसर में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय लोग हैंडपंप और तालाब का पानी पी लेते थे, लेकिन आज किडनी, लीवर और अन्य गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके पीछे खानपान और रसायनयुक्त कृषि का प्रभाव भी एक कारण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था अन्न के नाम पर जहर परोसने का काम नहीं कर सकती, इसलिए प्राकृतिक खेती की ओर लौटना समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने गोसंरक्षण को प्राकृतिक खेती से जोड़ते हुए कहा कि हम सभी गोमाता की पूजा करते हैं। गोआधारित खेती से गोवंश की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि शार्टकट के रास्ते अपनाने के कारण आज कई समस्याएं सामने आई हैं। यदि किसान गाय को परिवार का हिस्सा बनाएंगे तो खेती भी मजबूत होगी और गोवंश भी सुरक्षित रहेगा। वहीं मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम भी रहे । इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान भी मौजूद रहे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, शुक्रवार, 19 जून, 2026



## संक्षिप्त समाचार

### नेपाल में विपक्षी सांसदों ने संवैधानिक निकायों में सरकारी हस्तक्षेप पर जताई आपत्ति

**काठमांडू**। नेपाल की संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में विपक्षी सदस्यों ने संवैधानिक निकायों में सरकार के हस्तक्षेप को लेकर आपत्ति जताते हुए संवैधानिक पदाधिकारियों से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर स्पष्टीकरण की मांग की है। विपक्षी सांसदों ने कहा कि जब तक उनकी चिंताओं का समाधान नहीं होता और उनकी मांगें पूरी नहीं की जातीं, उनका विरोध-प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रतिनिधि सभा की बैठक गुरुवार को शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने इस मुद्दे को उठाया और सीमा संबंधी मुद्दों पर प्रधानमंत्री के बयान को संसदीय अभिलेख से हटाने की मांग दोहराई। विपक्षी सदस्यों के विरोध के बाद प्रतिनिधि सभा के स्पीकर डीपी अर्याल ने सीपीएन (यूएमएल) के सदस्य नरेंद्र कुमार केरूंग को सदन में बोलने की अनुमति दी। केरुंग ने उन खबरों पर सवाल उठाया जिनमें कहा गया था कि संवैधानिक पदाधिकारियों को प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय में बुलाया गया और उन्हें पूछताछ, हिरासत या गिरफ्तारी की धमकी दी गई। उन्होंने सरकार से इस विषय पर जवाब देने की मांग की और प्रधानमंत्री से सीमा विवाद के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। इसी तरह राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी की सांसद लक्ष्मी पोखरेल ने कहा कि प्रधानमंत्री का बयान और वित्त मंत्री द्वारा इस्तेमाल की गई कथित धमकीपूर्ण भाषा सरकार के लिए हितकर नहीं होगी। उन्होंने उन कार्रवाइयों पर भी आपत्ति जताई जिन्हें उन्होंने सरकारी कर्मचारियों को डराने एवं उनका अपमान करने वाला बताया। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद रमेश मल्ल ने चेतावनी दी कि सरकार के हालिया कदम देश के लिए कठिनाइयां पैदा कर सकते हैं। उन्होंने संवैधानिक निकायों के प्रमुखों को पूछताछ के लिए बुलाने और उनके खिलाफ संभावित अनुशासनात्मक कार्रवाई की खबरों को गंभीर मामला बताते हुए इसकी जांच की मांग की।

### ई-पासपोर्ट खरीद प्रक्रिया में नेपाल की पूर्व विदेश मंत्री आरजू देउवा भी जांच के दायरे में

**काठमांडू**। नेपाल के एंटी करप्शन ब्यूरो ने पिछले वर्ष की ई-पासपोर्ट खरीद प्रक्रिया में तत्कालीन विदेश मंत्री डॉ. आरजू देउवा को भी जांच के दायरे में लिया है। जांच अधिकारियों की टीम गुरुवार को बूढ़ानीलकण्ठ स्थित देउवा निवास के खंडहरनुमा परिसर में पहुंची और 'बयान के लिए उपस्थित हों' संबंधी नोटिस चस्पा किया। कानूनी प्रक्रिया के अनुसार यदि बयान के लिए बुलाया गया व्यक्ति संपर्क में नहीं आता, तो उसके स्थायी पते पर नोटिस तामील करना अनिवार्य होता है।

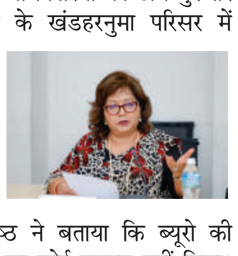

बूढ़ानीलकण्ठ नगरपालिका–2 के वडाध्यक्ष राजेंद्र श्रेष्ठ ने बताया कि ब्यूरो की टीम को देउवा निवास परिसर में परिवार का कोई सदस्य नहीं मिला। इसके बाद ब्यूरो की टीम ने पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा के निजी सचिव भानु देउवा को फोन कर नोटिस तामेल होने की जानकारी दी। नोटिस तामील प्रक्रिया में संबंधित नगरपालिका के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति अनिवार्य होती है। ब्यूरो को संदेह है कि तत्कालीन विदेश मंत्री आरजू देउवा के हस्तक्षेप के कारण योग्यता पूरी न करने और अधिक राशि का प्रस्ताव देने वाली कंपनी को ठेका मिला। इसी आधार पर जांच आगे बढ़ रही है। नोटिस चिपकाकर बयान के लिए बुलाने के बाद भी यदि वे उपस्थित नहीं होतीं, तो आगे क्या कदम उठाया जाए, इस पर ब्यूरो में चर्चा चल रही है। प्रतिनिधि सभा चुनाव से पहले इलाज के लिए सिंगापुर गए देउवा दंपत्ति अभी तक नेपाल नहीं लौटे हैं। उन्होंने दो दिन पहले ही सम्पत्ति शुद्धिकरण अनुसन्धान विभाग और विशेष अदालत को पत्र भेजकर जानकारी दी थी कि वे दो महीने बाद नेपाल लौटेंगे। ब्यूरो से जुड़े सूत्रों के अनुसार कागजी तौर पर कोई प्रत्यक्ष भूमिका न दिखने के बावजूद ठेका प्रक्रिया की डिजाइन तैयार करने, पैकेज बनाने और ठेकेदारों के बीच समन्वय कराने में केवल आरजू ही नहीं, बल्कि उनके बेटे जयवीर देउवा की संलिप्तता संबंधी शिकायतें भी दर्ज हुई हैं। ब्यूरो के जांच अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान कुछ उपकरण बरामद किए गए हैं और फोन संपर्कों का विश्लेषण भी किया गया है। इन्हीं आधारों पर उनके खिलाफ भी जांच जरूरी मानी गई, इसलिए बयान के लिए बुलाने की कोशिश की गई। पासपोर्ट विभाग से ई-पासपोर्ट ठेका दिए जाने से पहले जयवीर देउवा, राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल के तत्कालीन राजनीतिक सलाहकार सुनील थापा के बेटे सिद्धार्थ थापा समेत कुछ व्यक्तियों और पासपोर्ट विभाग के महानिर्देशक तीर्थराज अर्याल के बीच कई बार मुलाकात हुई थी।

### भारतीय तटरक्षक बल के समुद्री बेड़े में शामिल हुआ स्वदेशी एयर कुशन व्हीकल

**नई दिल्ली**। भारतीय तटरक्षक की क्षमताओं को मजबूत करने और 'आत्मनिर्भर भारत' के राष्ट्रीय विजन को आगे बढ़ाते हुए गुरुवार को देश के पहले स्वदेशी एयर कुशन व्हीकल (एसीवी) को समुद्री बेड़े में शामिल किया गया। भारतीय तटरक्षक फ्लीट में एसीवी का शामिल होना देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिहाज से अहम है। कमांडेंट अमित उनियाल ने बताया कि भारतीय तटरक्षक के वरिष्ठ अधिकारियों और शिपबिल्डिंग इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में यह समारोह गोवा में हुआ। यह मौका स्वदेशी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ाने और जरूरी समुद्री प्लेटफॉर्म पर आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में कई स्टेकहोल्डर्स की लगातार कोशिशों के सफल नतीजे का प्रतीक है। इस एयर कुशन व्हीकल को भारत में ही डिजाइन और बनाया गया है, जो देश के समुद्री इंडस्ट्रियल बेस की बढ़ती ताकत को दिखाता है। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट स्वदेशी इनोवेशन को बढ़ावा देने, घरेलू शिपबिल्डिंग विशेषज्ञता को मजबूत करने और आत्मनिर्भर डिफेंस इकोसिस्टम बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को सहयोग करने की दिशा में जरूरी कदम है। यह जहाज समुद्री कार्यों में ऑपरेशनल मदद करेगा और समुद्री क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का सामना करने की इसकी क्षमता को मजबूत करेगा। यह मौका भारतीय तटरक्षक, रक्षा मंत्रालय और भारत की इंडस्ट्री के बीच राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के हिसाब से एडवांस्ड स्वदेशी सॉल्यूशन देने में करीबी सहयोग को भी दिखाता है। ऐसी पहल देश की रक्षा विनिर्माण क्षमता को मजबूत करने और समुद्री क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के विजन को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी उत्प्रेरक का काम करती हैं। एसीवी का शामिल होना स्वदेशी क्षमता विकास की दिशा में भारत की यात्रा में एक और बड़ी उपलब्धि है। यह आधुनिक, काबिल और भविष्य के लिए तैयार समुद्री सेना बनाने के लिए सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर किए गए प्रयासों को दिखाता है।

### बंगाल : हस्ताक्षर जालसाजी मामले की जांच में ममता बनर्जी की बहन के घर पहुंची सीआईडी

**कोलकाता**। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के चयन से जुड़े कथित हस्ताक्षर जालसाजी मामले की जांच में गुरुवार को सीआईडी की एक टीम कालीघाट स्थित पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बहन के आवास पर पहुंची। इस घटनाक्रम के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, जांच दल कथित फर्जी हस्ताक्षर प्रकरण से संबंधित विभिन्न तथ्यों की पड़ताल और आवश्यक जानकारी एकत्र करने के उद्देश्य से वहां पहुंचा था। हालांकि, सीआईडी की ओर से इस कार्रवाई को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि, यह मामला विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के चयन के लिए प्रस्तुत एक प्रस्ताव (रिजॉल्यूशन) से जुड़ा है। आरोप है कि उस प्रस्ताव में कुछ विधायकों के हस्ताक्षरों का उनकी जानकारी या सहमति के बिना उपयोग किया गया। शिकायत सामने आने के बाद मामले की जांच सीआईडी को सौंपी गई थी। सीआईडी ने अब तक कई राजनीतिक नेताओं से पूछताछ की है। इस मामले में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी से भी पूछताछ की जा चुकी है। इसके अलावा विधायक कुणाल घोष, पूर्व मंत्री मदन मित्र सहित कई अन्य नेताओं को भी जांच एजेंसी ने तलब कर बयान दर्ज किए हैं। मामले से जुड़े विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान भी चलाया गया है। सीआईडी सूत्रों का कहना है कि पूछताछ के दौरान कई नेताओं के बयानों में परस्पर विरोधाभास सामने आए हैं। इसी कारण मामले की तह तक पहुंचने और वास्तविक तथ्यों का पता लगाने के लिए जांच को और तेज किया गया है।

# पंजाब में सीमा पार से हथियार तस्करी का भंडाफोड़, 8 गिरफ्तार

एजेंसी, चंडीगढ़।

अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से हथियार तस्करी के मॉड्यूल का भंडाफोड़ करके आठ तस्करों को 11 आधुनिक पिस्तौलों के साथ गिरफ्तार किया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि अमृतसर के गांव अटारी निवासी गुलाबजीत सिंह उर्फ प्रिंस (21) और हरप्रीत सिंह उर्फ प्रीत (23), गुरदासपुर के गांव हरदोवाल, कलानौर निवासी गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी (24), अमृतसर के गांव रणियां निवासी कुलजीत सिंह (39) और शमशेर सिंह उर्फ शेरा (40), अमृतसर के गांव छेहरटा निवासी अमन राणा उर्फ चीनी (20), अमृतसर के गांव किरलगढ़ निवासी शरणजीत सिंह उर्फ सनी (29) और तरनतारन के गांव मालिया के रहने वाले अजय सिंह (23) को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से बरामद हथियारों में चार .30 बोर (चीनी निर्मित), चार .30 बोर पीएक्स5 स्टॉर्म, एक .30 बोर ज़िगाना, एक 9 एमएम ग्लॉक (ऑस्ट्रियाई निर्मित) और एक 9 एमएम (ऑस्ट्रियाई निर्मित) तथा आठ जिंदा कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस टीमों ने इनकी मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक

जांच के अनुसार गिरफ्तार हथियार तस्कर कथित तौर पर अवैध हथियारों की सप्लाई में शामिल विदेशी कारिंदों के संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि बरामद किए गए ये हथियार आगे अपराधिक तत्वों को सप्लाई किए जाने थे, जिनका इस्तेमाल जबरन वसूली, हिंसक अपराधों और अन्य अवैध गतिविधियों में होना था। डीजीपी ने कहा कि नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान करने और हथियारों का पता लगाने के लिए इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों की जांच की जा रही है।

पुलिस आयुक्त (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि प्राप्त गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने गुलाबजीत उर्फ प्रिंस और हरप्रीत उर्फ प्रीत को दो पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि आगे की जांच के दौरान पुलिस टीमों ने गुरप्रीत उर्फ गोपी को चार पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर लिया और उसके खुलासों के आधार पर पुलिस टीमों ने आगे उसके दो साथियों कुलजीत सिंह और शमशेर उर्फ शेरा को दो पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आयुक्त ने बताया कि पूछताछ के दौरान गुरप्रीत उर्फ गोपी ने खुलासा किया कि वह सोशल मीडिया एप्लिकेशनों के माध्यम से एक विदेशी गैंगस्टर के संपर्क में था, जो उनके लिए अटारी सेक्टर में विभिन्न स्थानों पर ड्रोन के माध्यम से भेजी जाने वाली हथियारों की खेप का प्रबंध कर रहा था।

उन्होंने कहा कि आगे की जांच के दौरान पुलिस टीमों ने दो अन्य आरोपियों अमन राणा उर्फ चीनी और शरणजीत उर्फ सनी को दो पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर लिया और उक्त आरोपियों के खुलासों के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने एक पिस्तौल सहित अजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि जांच के अनुसार हरप्रीत उर्फ प्रीत, गुरप्रीत उर्फ गोपी, शरणजीत उर्फ सनी और अजय सिंह पहले हत्या, हत्या की कोशिश, शस्त्र अधिनियम, एनडीपीएस अधिनियम और चोरी के मामलों में भी शामिल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस संबंध में आगे की जांच जारी है।

# दिल्ली-एनसीआर में अगले 24 घंटे के दौरान हल्की बारिश के आसार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर समेत देश के उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में 19-22 जून के दौरान तेज हवाओं तथा गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। दूसरी ओर देश के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली में 19 जून को सुबह या दोपहर के समय 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40-42 डिग्री सेल्सियस और 27-29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

बीस जून को भी यही स्थिति रहेगी। यहां का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36-38 डिग्री सेल्सियस और 28-30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं, 21 जून को दोपहर और शाम के समय तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दिन अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36-38 डिग्री सेल्सियस और 29-31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार

हैं। मौसम विभाग के मुताबिक इस सप्ताह पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने का अनुमान है। बीस जून तक विदर्भ, तेलंगाना के कुछ इलाकों में, तटीय आंध्र प्रदेश में लू चलने की बहुत संभावना है। अगले 4-5 दिनों के दौरान तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और बिहार एवं छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं।

उत्तर-पश्चिम भारत के 18 से 22 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब, पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 19-22 जून तक कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है। हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब में 19-22 जून के दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली हवाओं की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटे तक जा सकती हैं।

# केंद्र ने एससी छात्रों की छात्रवृत्ति के लिए जारी किए 6,208 करोड़ रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने अनुसूचित जाति (एससी) के छात्रों के लिए इस वित्तीय वर्ष में प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत 6,208 करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड राशि जारी की है। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अनुसार अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 6,208.08 करोड़ रुपये वितरित किए हैं, जिससे प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिए 47.53 लाख छात्रों को लाभ हुआ है। यह भी 2021-22 में डीबीटी अपनाए जाने के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस योजना में 1 अप्रैल 2026 से 31 मई 2026 की अवधि के दौरान लाभार्थियों की संख्या 16.63 लाख दर्ज की गई, जो

MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT GOVERNMENT OF INDIA

पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 61.92 प्रतिशत अधिक है।

इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति एवं अन्य वर्ग के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 562.36 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। इस राशि से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से 26.79 लाख छात्रों को सीधा लाभ मिला है। 2022-23 में डीबीटी की शुरुआत के बाद से यह इस योजना के तहत अब तक की सबसे बड़ी राशि है। चालू वर्ष में (1 अप्रैल 2026 से 31 मई 2026 तक) लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 5.75 लाख हो गई है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि (2.36 लाख) की तुलना में 143.64 प्रतिशत की वृद्धि है।

विभाग के अनुसार, केंद्र सरकार की सहायता और लाभार्थियों की संख्या में लगातार वृद्धि का मुख्य कारण डीबीटी व्यवस्था है। लाभार्थियों के आधार-लिंक्ड बैंक खातों में सीधे धनराशि के हस्तांतरण ने बिचौलियों को खत्म कर दिया है, जिससे छात्रवृत्ति वितरण में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता मजबूत हुई है। यह विभाग सामाजिक न्याय की पहलों को मजबूत करने और छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से वंचित समुदायों के छात्रों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

# पाकिस्तान में सिख दंपति की गोली मारकर हत्या की भाजपा ने की कड़ी निंदा

एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तान सरकार की अल्पसंख्यकों और उनके मानवाधिकारों की सुरक्षा में विफलता की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कड़ी निंदा की है। मरदान के एक गुरुद्वारे में सिख दंपति की हत्या की निंदा करते हुए भाजपा महासचिव तरुण चुग ने कहा कि यह घटना पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के प्रति सरकार के उदासीन रवैये को दर्शाती है।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अल्पसंख्यकों को निशाना बनाना राज्य प्रायोजित आतंकवाद का हिस्सा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से हस्तक्षेप कर पाकिस्तान सरकार को जवाबदेह ठहराने की मांग की।

चुग ने गुरुवार को जारी बयान में इस हत्या को "बर्बर और बेहद चिंताजनक" बताते हुए कहा कि इस हमले से पाकिस्तान में रहने वाले सिखों और अन्य अल्पसंख्यकों के बीच भय का माहौल पैदा हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार हो रही हिंसक घटनाएं सुरक्षा और न्याय प्रदान करने में पाकिस्तान की विफलता को उजागर करती हैं।

उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और खैबर पख्तूनख्वा सरकार से दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि हत्या के दोषियों

के साथ-साथ साजिश रचने वालों की भी पहचान कर उन्हें कानून के अनुसार सख्त सजा दी जानी चाहिए। चुघ ने कहा कि कार्रवाई में किसी भी तरह की देरी सरकार की अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल खड़े करेगी।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक गुरुद्वारे के भीतर वृद्ध सिख दंपति की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना ने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मर्दान जिले के बाबू मोहल्ला, ख्वाजा गंज बाजार स्थित गुरुद्वारे में अज्ञात हमलावरों ने 70 साल के जगन्नाथ और उनकी पत्नी आसमा वंती की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों गुरुद्वारे के सेवादार और देखरेख करने वाले थे।

# ओडिशा से राजस्थान ले जाया जा रहा 1.44 करोड़ का गांजा जब्त, दो अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, सक्ती

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले की पुलिस ने ओडिशा से राजस्थान ले जाए जा रहे करीब 209 किलोग्राम गांजा को जब्त किया है। इस मामले में एक युवक और एक नाबालिग को गुरुवार को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान गांजा, ट्रेलर, फ्लोर्सपार पाउडर और मोबाइल फोन समेत कुल एक करोड़ 66 लाख 20 हजार 460 रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर ने बताया कि चौकी फगुरम प्रभारी उप निरीक्षक अनवर अली के नेतृत्व में पुलिस टीम को 17 जून 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक ट्रेलर में बड़ी मात्रा में अवैध गांजा भरकर ओडिशा से राजस्थान ले जाया जा रहा है।

इस सूचना पर पुलिस ने रणनीति बनाते हुए एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों का पालन कर ग्राम बोडासागर स्थित सागर फेमिली ढाबा के सामने खरसिया-डभरा मुख्य मार्ग पर नाकाबंदी की। इस दौरान संदिग्ध टाटा सिगना ट्रेलर क्रमांक आरजे 09 जीसी 5216 को रोककर उसकी तलाशी ली गई।

लाशी के दौरान ट्रेलर में रखी 8 प्लास्टिक

बोरियों से कुल 40 पैकेट गांजा बरामद किया गया। प्रत्येक पैकेट का वजन लगभग 5 किलोग्राम था। जब्त गांजा का कुल वजन 208.965 किलोग्राम पाया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत एक करोड़ 44 लाख 48 हजार 250 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने गांजा परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे ट्रेलर को भी जब्त कर लिया है, जिसकी कीमत करीब 40 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा ट्रेलर में भरा फ्लोर्सपार पाउडर, जिसकी कीमत 21 लाख 42 हजार 210 रुपये है। आरोपितों के कब्जे से मिले वीवो कंपनी के दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री का कुल मूल्य एक करोड़ 66 लाख 20 हजार 460 रुपये आंका गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल और एसडीओपी डभरा सुमीत गुप्ता के मार्गदर्शन में चौकी फगुरम और थाना डभरा पुलिस ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की।

पूछताछ के दौरान आरोपितों द्वारा गांजा परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इसके बाद पुलिस ने राजस्थान के अजमेर जिले के थाना जेवाजा क्षेत्र निवासी अर्पित सिंह (20 वर्ष), पिता रमेश सिंह तथा उसके साथ मौजूद एक अपचारी बालक को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ अपराध क्रमांक 219/2026 के तहत धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपितों को पकड़ने के लिए जिले में लगातार 26 घंटे तक बैरिकेडिंग लगाकर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई में चौकी फगुरम प्रभारी उप निरीक्षक अनवर अली, साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक सीपी कंवर, सहायक उप निरीक्षक हीराराम संवरा, प्रधान आरक्षक टीकम सिंह साव, अश्वनी सिदार, लक्ष्मीनारायण राठौर सहित साइबर सेल और पुलिस बल के अन्य जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# सरकार का दावा- देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और नेचुरल गैस की सप्लाई स्थिर

एजेंसी, नई दिल्ली

**नई दिल्ली**। सरकार ने गुरुवार को कहा कि देशभर में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और नेचुरल गैस की सप्लाई स्थिर है। सरकार की रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। रिटेल आउटलेट और डिस्ट्रीब्यूटरशिप सामान्य रूप से काम कर रहे हैं, जबकि पिछले तीन दिनों में 1.36 करोड़ बुकिंग के मुकाबले 1.47 करोड़ डिलीवरी की गई हैं।

पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता में बताया कि घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) बुकिंग का बैकलॉग घटकर अब 3.1 दिन रह गया है। उन्होंने कहा कि 22,945 टन कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर और 1.98 लाख पांच किलो वाले सिलेंडर बेचे गए हैं। उन्होंने बताया कि मार्च से अब तक 10.02 लाख पीएनजी कनेक्शन में गैस सप्लाई शुरू की गई है, जबकि 3.22 लाख

और कनेक्शन के लिए अतिरिक्त इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है। कुल 9.94 लाख नए ग्राहकों ने पीएनजी सेवाओं के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। शर्मा ने कहा कि ई85 के लिए लगभग 48 रिटेल आउटलेट हैं, जहां ई85 को उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस साल के आखिर तक 500 और रिटेल आउटलेट में यह सुविधा होगी और अगले साल के आखिर तक 5000 और यानी यह संख्या 5000 तक पहुंच जाएगी।

पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि 62,370 मीट्रिक टन एलएनजी ले जाने वाला एक जहाज शुक्रवार को सुबह गुजरात के दहेज में लंगर डालेगा।

# कर्नाटक विधान परिषद चुनाव का मतदान संपन्न, मतगणना शुरू

एजेंसी, बेंगलुरु

कर्नाटक राज्य की विधान परिषद के लिए सात सीटों के लिए चुनाव में आज मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। अब सभी की निगाहें चुनाव परिणामों पर टिकी हैं। मतदान के बाद मतों की गणना शुरू हो गई है।

दरअसल, राज्य की विधान परिषद के सात सदस्यों का कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है। इन सीटों के लिए विधानसौधा में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान हुआ, जिसमें सभी राजनीतिक दलों के विधायकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, विपक्ष के नेता आर. अशोक तथा जनता दल (सेक्युलर) विधायक दल के नेता सीबी सुरेश बाबू सहित कई प्रमुख नेताओं ने

मतदान में हिस्सा लिया। मतदान के दौरान नेताओं ने अपनी-अपनी पार्टियों की जीत को लेकर विश्वास व्यक्त किया।

राज्य की सात विधान परिषद की सात सीटों के लिए सत्तारूढ़ कांग्रेस ने पांच उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने दो उम्मीदवारों को अवसर दिया है। जनता दल (सेक्युलर) ने भी अपना एक उम्मीदवार उतारा है, जिससे अंतिम सीट के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

# अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर तीन दिवसीय महाअभियान, 21 जून को प्रधानमंत्री करेंगे मुख्य कार्यक्रम में शिरकत : सीएम

एजेंसी, कोलकाता

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पश्चिम बंगाल में आगामी 19 से 21 जून तक तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गुरुवार को नवान्न में आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि मानसून के दौरान मैदान क्षेत्र में कीचड़ की आशंका को देखते हुए योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन रेड रोड पर किया जाएगा। 21 जून को होने वाले मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष योग दिवस के आयोजन के माध्यम से एक नया रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्य कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अब तक 38 हजार लोगों ने पंजीकरण कराया है और कई लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम के अनुसार, 19 जून सुबह सात

बजे 'रन फॉर योगा' का आयोजन किया जाएगा। यह मैराथन कोलकाता नगर निगम मुख्यालय से राइटर्स बिल्डिंग तक निकाली जाएगी। इसका उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। दूसरे दिन, 20 जून को पश्चिम बंगाल दिवस मनाया जाएगा। उसी दिन शाम साढ़े पांच बजे के बाद गंगा नदी पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें ड्रोन के माध्यम से योग से संबंधित आकर्षक दृश्य प्रस्तुत किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य आयोजन होगा। प्रतिभागियों को सुबह 6:15 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना होगा, जिसके बाद आयुष मंत्रालय के निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार योग सत्र शुरू होगा।

इस दौरान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि योग के प्रति लोगों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पहली बार पश्चिम बंगाल सरकार आधिकारिक रूप से इस आयोजन में व्यापक भागीदारी कर रही है। उन्होंने कहा कि योग दिवस आज पूरी दुनिया में एक महत्वपूर्ण और समयानुकूल पहल के रूप में स्वीकार किया जा चुका है तथा 175 से अधिक देश इसकी महत्ता को मान्यता दे चुके हैं। इस अवसर पर केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि जब योग दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाता है, तो वह केवल व्यक्ति ही नहीं बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र को भी सशक्त बनाता है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159



# दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर रोड्स ने बताया रोहित शर्मा की सफलता का राज

**एजेंसी, जोहांसबर्ग**

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स ने भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की सफलता का राज बताया है। आईपीएल टीम मुम्बई इंडियंस के फील्डिंग कोच रहे रोड्स के अनुसार रोहित को जन्म से कोई असाधारण प्रतिभा नहीं मिली थी, बल्कि अपने काम करने के तरीके के साथ ही बेजोड़ निरंतरता और सहजता के कारण ही वह शीर्ष तक पहुंचे हैं। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ-साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीलए) में कप्तान के तौर पर भी उनका करियर बेहद सफल रहा है।

इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार आईपीएल में उन्होंने रोहित को बहुत करीब से अभ्यास करते देखा है। रोड्स के अनुसार, रोहित की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह खेल के सबसे कठिन परिस्थितियों को भी बेहद आसान बना देते हैं। रोड्स ने कहा, मैं हमेशा कहता रहता हूं कि मेरे पास दुनिया का सबसे अच्छा काम था। मुझे रोहित को अभ्यास करते हुए देखने का अवसर मिला। वह भारी-भरकम वर्कआउट सेशन की जगह मैदान के बीच में जाकर माहौल को महसूस करना ज्यादा पसंद करते थे। वह सब कुछ बहुत आसान बना देते हैं। उन्हें जन्म से ही कोई खास टैलेंट नहीं मिला था, लेकिन उनके काम करने के तरीके में हमेशा एक अद्भुत निरंतरता रही है, वह हमेशा से ऐसे ही रहे हैं।

रोड्स ने भारतीय क्रिकेट के तीन महान कप्तानों, महेन्द्र धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा की तुलना करते हुए कहा कि इनकी सफलता का मूल मंत्र उनकी अपनी स्वाभाविक कार्यशैली में रहना है। उन्होंने कहा कि ये तीनों खिलाड़ी कप्तान के तौर पर हमेशा वैसे ही रहे हैं जैसे वे असल जिंदगी में हैं, उन्होंने कभी किसी और के काम करने के तरीके को अपनाने की कोशिश नहीं की। रोड्स ने रोहित के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया, उनकी कप्तानी का अंदाज हमेशा एक जैसा रहा है। वह असल में बहुत मजाकिया हैं।

स्टंप माइक पर उनकी मजेदार बातें सुनने को मिलती हैं और वह अपने साथियों की टांग खिंचाई भी करते हैं। उनका व्यक्तित्व हमेशा से ऐसा ही रहा है। बात वहीं आ जाती है। साथ ही कहा कि आपको एमएस धोनी या विराट जैसा बनने की जरूरत नहीं है। आपको बस वैसा ही रहना है जैसे आप हैं। वे तीनों बहुत अलग हैं और अपनी इसी निरंतरता की वजह से सफल हैं।रोड्स ने रोहित की तुलना भारतीय टेस्ट टीम के मौजूदा उप-कप्तान केएल राहुल से की। उनका मानना है कि दोनों ही बल्लेबाजों में अपनी सहज टाइमिंग और शानदार शॉट-प्ले से प्रशंसकों का दिल जीतने का प्रयास किया है।

## अफगानिस्तान के खिलाफ दोहरा शतक नहीं लगा पाने से निराश हैं शुभमन

**एजेंसी, लखनऊ**

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में शतक लागने के बाद भी खुश नहीं है। शुभमन के अनुसार उनका लक्ष्य दोहरा शतक लगाना था पर वह पूरा नहीं हो पाया। इस मैच में हालांकि भारतीय टीम को बड़ी जीत मिली। शुभमन ने इस मैच में कठिन हालातों के बीच भी 154 रनों की पारी खेली। शुभमन ने मैच के बाद खुलासा किया कि उनका लक्ष्य दोहरा शतक बनाना था, जो वह हासिल नहीं कर सके। मैच के बाद अपनी टीम टीम की 170 रन की जीत को लेकर शुभमन ने बल्लेबाजी पर संतोष जताया पर कहा कि वह अपना लक्ष्य पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने कहा, मैं जहां गेंद को मारना चाह रहा था, गेंद वहीं जा रही थी। मेरा आत्मविश्वास बढ़ा हुआ था। मेरा लक्ष्य मैच जल्दी समाप्त करना और 40-45 ओवर तक बल्लेबाजी करना था। मैं 200 रन बनाना चाहता था पर लगातार शॉट खेलने के दबाव में डीप कवर पर कैच आउट हो गया। मैं चाहता था कि टीम 430 रन तक पहुंचे। शुभमन ने माना है कि तेज गर्मी के कारण उन्हें सूजन और जकड़न की समस्या का भी सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, थोड़ी तकलीफ थी, शरीर में अलग-अलग जगहों पर ऐंठन हुई। बहुत गर्मी थी, लेकिन मैंने 40-45 ओवर तक बल्लेबाजी की। अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं और अच्छी स्थिति में हूं। उन्होंने टीम के तेज गेंदबाजों की भी जमकर प्रशंसा। शुभमन ने कहा, टॉस से ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। अगर हमें 310-320 रन का लक्ष्य मिला होता तो टीम पर अच्छा दबाव होता। सब कुछ अच्छी स्थिति में है। तेज गेंदबाज लगातार सही जगह पर गेंदबाजी कर रहे हैं, जो आसान नहीं है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहीदी अपनी टीम के प्रदर्शन, खासकर गेंदबाजों से निराश दिखे। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके गेंदबाजों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। शाहीदी ने कहा, आप सब कुछ टॉस पर नहीं छोड़ सकते। हमारी गेंदबाजी अच्छी नहीं थी। हमने शुरुआती 20 ओवरों में उन्हें लय दे दी।

## वैभव को स्थिति प्रबंधन प्रशिक्षण दिया जाना जरुरी : विशेषज्ञ

**एजेंसी, मुम्बई**

15 साल के उभरते हुए भारत ए टीम के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार से श्रीलंका ए के खिलाफ मुकाबले में टीम की हार के बाद आपा खोया है, उस पर खेल विशेषज्ञों ने चिन्ता जतायी है। इन विशेषज्ञों का मानना है कि विरोधी खिलाड़ी वैभव को उकसाने को प्रयास करेंगे, इस प्रकार की स्थित से किस प्रकार से निपटना है ये उन्हें सिखाना पड़ेगा। इनका मानना है कि वैभव सूर्यवंशी की लोकप्रियता जिस तेजी से बढ़ रही है। उसको देखते हुए अब मैदान पर उनकी एकाग्रता भंग करने विरोधी टीमें छींटाकशी और मनोवैज्ञानिक दांवपेच का भी सहारा ले सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि श्रीलंका में जिस प्रकार त्रिकोणीय टूर्नामेंट में उन्हें उकसाने का प्रयास हुआ है। उसको देखते हुए हालातों से बचने के लिए उन्हें विशेष स्थिति प्रबंधन प्रशिक्षण की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही कहा कि मैदान पर अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना उन्हें सीखना होगा। तभी उनका अंतरराष्ट्रीय करियर सफल होगा। हाल ही में श्रीलंका-ए के खिलाफ सुपर ओवर में भारत ए की हार के बाद, वैभव सूर्यवंशी और विपक्षी श्रीलंकाई क्रिकेटर विशेन हलाम्बागे के बीच धक्का-मुक्की और तीखी बहस देखी गई थी। यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि युवा वैभव को खेल के मानसिक पहलुओं के लिए तैयार रहने की जरूरत है। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) इसका महत्व को पहले से ही समझती है।

## कॉनवे और टिकनर सहित न्यूजीलैंड के 20 क्रिकेटरों को मिला केन्द्रीय अनुबंध

**एजेंसी, क्राइस्टचर्च**। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने आगामी 2026-27 सत्र के लिए डेवोन कॉनवे और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर सहित 20 खिलाड़ियों को साल 2026-27 के लिए केन्द्रीय अनुबंध दिया है। वहं आदित्य अशोक और मुहम्मद अब्बास को इस सूची से बाहर कर दिया गया है। यह सूची 1 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2027 तक प्रभावी रहेगी। कॉनवे, जो पिछले दो साल से ही वैक्ल्पिक करार पर थे। अब केन्द्रीय अनुबुंध का हिस्सा हो गये हैं। 146 अंतरराष्ट्रीय कैप और सभी प्रारुपों में 6,000 से अधिक रन के साथ, कॉनवे टीम के लिए एक अहम खिलाड़ी बन गये हैं। मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने उनकी वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनके जैसे काबिल खिलाड़ी का अनुबंध में वापस आना अच्छी बात है। इसका कारण है कि वे अब सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। टिकनर ने सेंट्रल स्टैग्स और राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए तीनों फॉर्मेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर अपनी जगह दोबारा हासिल की है। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए अपनी पिछली आठ पारियों में से पांच में चार या उससे अधिक विकेट लिए हैं। जैक फोल्क्स और मिच हे को भी अनुबंध में बरकरार रखा है।

## प्रभसिमरन सिंह ने अर्शदीप का बचाव किया

**एजेंसी, मुम्बई**

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19में सत्र के दौरान वायरल हुए एक वीडियो को लेकर आलोचनाप का सामना कर रहे टीम पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बचाव में पंजाब किंग्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह आये हैं। जिस वीडियो को लेकर विवाद उठा है उसमें अर्शदीप हंसी मजाक के मूड में मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक वर्मा को ओए अंधेरे कहते हुए दिखाई दिए, जिसके बाद से ही अर्शदीप की सोशल मीडिया पर नस्लीय टिप्पणी करने के आरोपों को लेकर आलोचना हो रही। ऐसे में प्रभसिमरन ने कहा वीडियो में जो कहा जा रहा है ये केवल दो दोस्ती की मजाकिया बातचीत थी और इसे तूल नहीं दिया जाना चाहिये। प्रभसिमरन ने का कि अर्शदीप और तिलक वर्मा के बीच काफी अच्छी दोस्ती है और दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ हंसी-मज़ाक करते रहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सिर्फ दोस्तों के बीच का एक सामान्य मज़ाक था और इसे बेवजह मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। प्रभसिमरन ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने साथ में काफी क्रिकेट खेली है और वे आपस में कुछ भी कहते रहते हैं। उन्होंने लोगों से इस मामले को उन्हीं पर छोड़ देने का आग्रह किया। प्रभसिमरन ने यह भी बताया कि सोशल मीडिया पर हुई आलोचना का अर्शदीप र कोई असर नहीं पड़ा। उनके अनुसार, तेज गेंदबाज का व्यवहार पहले जैसा ही है और वह हमेशा अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने अर्शदीप की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी सबसे अच्छी बात यह है कि वह अच्छे और बुरे समय में एक जैसे रहते हैं और बेहद मेहनती खिलाड़ी हैं। प्रभसिमरन ने तर्क दिया कि किसी निजी विवाद की वजह से उनके क्रिकेट प्रदर्शन को आंकना सही नहीं होगा।

## इस बार इंग्लैंड के पास फीफा विश्वकप जीतने का सुनहरा अवसर : हैरी केन

**एजेंसी, लंदन**। इंग्लैंड फ़ुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन को मानना है कि इस बार उनकी टीम के पास फीफा विश्वकप जीतने का सुनहरा मौका है। केन को उम्मीद है कि जिस प्रकार उन्होंने बायर्न म्यूनिख के लिए सत्र में शानदार प्रदर्शन कर 51 मुकाबलों में 61 गोल किये हैं। वैसा ही प्रदर्शन वह इस बार यहां भी कर पायेंगे। इस स्ट्राइकर का मानना है कि वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को जारी रखते हुए इंग्लैंड को टूर्नामेंट में काफी आगे तक ले जा सकते हैं। केन ने अपनी व्यक्तिगत तैयारी और फॉर्म पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मैं निजी तौर पर कहूंगा कि यह मानसिक और शारीरिक तौर पर मेरा अब तक का सबसे अच्छा सत्र रहा है। मेरे लिए सीजन का अंत बहुत अच्छा रहा और मैं शारीरिक तौर पर खुद को बहुत अच्छी जय में महसूस कर रहा हूं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि करियर में कुछ चीजें सही समय पर सही जगह पर होनी चाहिए और उन्हें लगता है कि इस टूर्नामेंट के लिए सब कुछ अनुकूल है। टीम को लेकर भी केन उत्साही हैं। उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से एक टीम के तौर पर हमारे पास खिताब कप जीतने का सबसे अच्छा मौका होगा। मुझे लगता है कि हर कोई अच्छी शुरुआत करने और यह साबित करने के लिए बेताब है कि हमारे पास इस टूर्नामेंट में आगे तक जाने की क्षममा है। इंग्लैंड की टीम को विश्व कप में अपना पहला मैच क्रोएशिया के खिलाफ खेलना है। केन इंग्लैंड के अब तक के सबसे सफल स्ट्राइकरों में से एक हैं। वह इंग्लैंड के लिए ऑल-टाइम रिकॉर्ड गोलस्कोरर हैं और अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज्यादा अपीयरेंस की सूची में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। केन लंबे समय से राष्ट्रीय टीम के अहम खिलाड़ी रहे हैं और कई बड़े टूर्नामेंटों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वह उस इंग्लिश टीम का हिस्सा थे जिसने 2018 फीफा विश्व कप के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, और यूईएफए यूरो 2020 व यूईएफए यूरो 2024 के फाइनल तक पहुंचने में भी टीम का अहम हिस्सा बनकर योगदान दिया। क्रोएशिया के खिलाफ मैच में केन इंग्लैंड के लिए अपना 115वां मुकाबला खेलने उतरेंगे, जिससे वह डेविड बेकहम के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। इस उपलब्धि पर भावुक होते हुए केन ने कहा, बेकहम के बराबर तक पहुंचना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। बेकहम मेरे आदर्श रहे, मैं उन्हें इंग्लैंड के कप्तान के तौर पर देखता था और सपना देखता था कि एक दिन मैं भी उनके जैसी ही इंग्लैंड की शर्ट पहनूंगा।

## हॉकी इंडिया ने मिडफील्डर नेहा को 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर दी बधाई

**एजेंसी, नई दिल्ली**

हॉकी इंडिया ने अनुभवी मिडफील्डर नेहा को भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर बधाई दी है। उन्होंने गुरुवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में आयोजित एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप में उरुग्वे के खिलाफ मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने मिडफील्डर नेहा की उपलब्धि की सराहना करते हुए अंतरराष्ट्रीय हॉकी में उनके लंबे करियर की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना किसी भी खिलाड़ी के करियर में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। नेहा एक दशक से अधिक समय से हमारी मिडफील्ड की अहम खिलाड़ी रही हैं। मैदान पर कठिन परिस्थितियों से निपटने की उनकी क्षमता उनकी आंतरिक शक्ति और चरित्र को दर्शाती है। उन्होंने महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं के दौरान राष्ट्रीय टीम के लिए लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हम भारतीय हॉकी में उनके अमूल्य योगदान को सलाम करते हैं और राष्ट्रीय जर्सी में उनकी निरंतर सफलता की कामना करते हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एक महत्वाकांक्षी युवा खिलाड़ी से भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने तक नेहा का सफर वाकई शानदार है। वह दृढ़ता की मिसाल हैं और उन्होंने साबित कर दिया है कि कड़ी मेहनत से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है। मिडफील्ड में उनकी मौजूदगी टीम में एक अलग ही ऊर्जा भर देती है। यह उपलब्धि खेल के प्रति उनके अटूट समर्पण का फल है। उनका करियर निश्चित रूप से देश भर की कई युवा लड़कियों को हॉकी खेलने के लिए प्रेरित करेगा। इस उपलब्धि पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए नेहा ने कहा कि भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की उपलब्धि हासिल करके मैं बेहद खुश और उत्साहित हूं। देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं अपने परिवार और प्रीतम सिवाच मैम को हर सुख-दुख में मेरा साथ देने के लिए दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं हॉकी इंडिया, अपनी टीम के साथियों और कोचिंग स्टाफ की भी आभारी हूं जिन्होंने मेरे पूरे करियर में मुझ पर भरोसा जताया और मेरा मार्गदर्शन किया।

## हॉकी प्रो लीग : भारतीय टीम ने विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराया

**एजेंसी, रॉटरडैम (नीदरलैंड)**

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 के रॉटरडैम चरण के अपने दूसरे मैच में मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मुकाबले में भारतीय टीम के लिए मनदीप सिंह (7वें मिनट), शिलानंद लाकड़ा (13वें मिनट) और नीलाकांत शर्मा (35वें मिनट) ने गोल किए, जबकि जर्मनी की ओर से एकमात्र गोल राफेल हार्टकोफ (45वें मिनट) ने किया। यह मैच अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह के लिए एक यादगार रहा। वह भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले हॉकी खिलाड़ी बने और उन्होंने पूर्व दिग्गज दिलीप टिर्की का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मनप्रीत ने यह अपना 413वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जबकि टिर्की ने 412 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। भारत ने मैच की शुरुआत अच्छी की और बॉल पर अपना नियंत्रण बनाए रखा, जिससे शुरुआत में ही दबाव बना। इसका फायदा 7वें मिनट में मिला, जब मनदीप ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर के खत्म होने से ठीक पहले 13वें मिनट में लाकड़ा ने शानदार शॉट लगाकर जर्मन गोलकीपर अलेक्जेंडर स्टैडलर को छकाया और स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में जर्मनी ने वापसी को कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस मजबूत बना रहा। जर्मनी को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर 24वें मिनट में मिला, लेकिन अमित रोहिदास ने उसे रोक दिया। लगातार अटैक करने के बाद जर्मनी को 27वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन गोलकीपर मोहित ने आसानी से बचाव किया और हॉफटाइम तक भारत की 2-0 की बढ़त बनाए रखी। दूसरे हॉफ में भी भारतीय टीम गोल करने की कोशिश करती रही। उनकी मेहनत 35वें मिनट में रंग लाई, जब नीलाकांत ने शानदार गोल करके भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर जवाबी हमले किए और गोल करने के बराबर मौके बनाए।

## महिला हॉकी नेशंस कप: भारत ने उरुग्वे को 3-2 से हराया

**एजेंसी, ऑकलैंड**

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को आखिरी पूल मैच में उरुग्वे को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। इस जीत के साथ भारत ने पूल ए में शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया, जिसमें अमेरिका, जापान और उरुग्वे पर लगातार तीन जीत शामिल हैं। अमेरिका पूल ए में दूसरे स्थान पर रहा और भारत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया।

न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेले गए मुकाबले में भारत के लिए दीपिका (24वें मिनट, 56वें मिनट) और दीपिका सोरेंग (43वें मिनट) ने गोल किए। उरुग्वे के लिए चियारा एपेंनिनो (13वें मिनट) और मैनुएला विलार (55वें मिनट) ने गोल दागे। यह मैच मिडफील्डर नेहा के लिए एक खास मौका था, जिन्होंने भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। मुकाबले के पहले क्वार्टर में कड़ी टक्कर के बाद उरुग्वे ने 13वें मिनट में चियारा के गोल से बढ़त हासिल कर ली। हालांकि भारत ने जोरदार वापसी करते हुए हाफ टाइम से पहले अपनी शानदार फॉर्म में चल रही खिलाड़ी दीपिका के पेनल्टी कॉर्नर को 24वें मिनट में सफलतापूर्वक गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। पहले हॉफ के बाद भारत ने अपनी खेल की तीव्रता बढ़ाते हुए लगातार दबाव बनाए रखा। 43वें मिनट में दीपिका सोरेंग के शानदार गोल की बदौलत भारत ने 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। उरुग्वे ने वापसी करते हुए कप्तान मनुएला के गोल से बराबरी कर ली। हालांकि, भारत ने तुरंत जवाब दिया। महज एक मिनट बाद दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर से अपना दूसरा गोल दागकर भारत को 3-2 की बढ़त दिला दी, जिससे भारत की जीत सुनिश्चित हो गई।

# थायराइड को कंट्रोल कर सकते हैं ये मसाले

**थायराइड जीवनशैली से जुड़ी परेशानी है जिससे आजकल हर व्यक्ति ग्रस्त है। इस कारण शरीर में काफी बदलाव आने लगता है। कुछ लोगों का वजन काफी ज्यादा बढ़ जाता है। कुछ लोगों को हेयर फॉल की शिकायत हो जाती है। अगर आप भी थायराइड की समस्या से परेशान हैं तो मम्मी के किचन में रखे कुछ मसाले थायराइड कंट्रोल करने में उपयोगी साबित हो सकते हैं। आइए जानते हैं वो कौन से मसाले हैं जो थायराइड लेवल को फिक्स करने में आपके काम आ सकते हैं।**

## हल्दी

थायराइड में हल्दी का सेवन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। हल्दी एक औषधि के रूप में जानी जाती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो शरीर की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसमें करक्यूमिन नाम का यौगिक पाया जाता है जो थायराइड ग्लैंड की सूजन कम करने में मदद करता है। आपको बता दें कि हल्दी में बहुत ही शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर में होने वाले ऑक्सीडेशन की प्रक्रिया को न्यूट्रल कर देते हैं।

## जीरा

जीरा हमेशा से ही खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए जाना जाता है। वहीं इसमें मौजूद फाइटोकेमिकल्स थायराइड फंक्शन को बैलेंस रखने में मदद करते हैं। जीरा आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है जिससे थायराइड लेवल को फिक्स करने में मदद मिलती है।

## दालचीनी

दालचीनी का नियमित इस्तेमाल भी थायराइड को कंट्रोल करने में मददगार है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो सूजन को कंट्रोल करते हैं। दालचीनी में सिनामाल्डिहाइट नाम का केमिकल मौजूद होता है,जो शरीर में प्रोजेस्टेरोन हार्मोन को बढ़ाने में मदद करता है। यह महिलाओं में टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन को कम करने में मदद करती है।जिससे शरीर में हार्मोन्स के संतुलन को बनाए रखने में मदद मिलती है।

## धनिया

थायराइड में धनिया के बीज का सेवन भी आपको फायदे पहुंचा सकता है। धनिया के बीजों में एंटीऑक्सीडेंट होता है थायराइड फंक्शन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इससे शरीर का सूजन कम होता है।आप धनिया के बीजों को एक गिलास पानी में भिगोकर रखे और इसे सुबह खाली पेट पी लें।

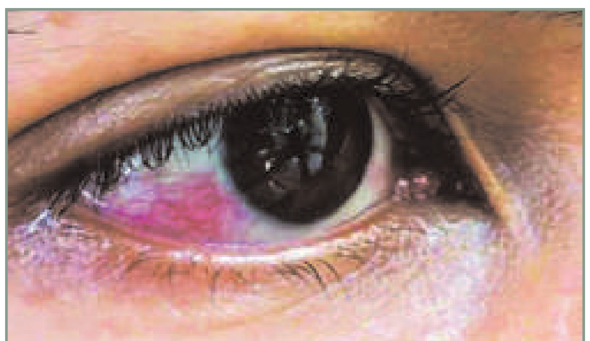

# जागरूकता से ग्लूकोमा को हराया जा सकता है

**परिवार के किसी सदस्य को ग्लूकोमा यानी काला मोतिया बीमारी हो तो सावधानी जरूरी है। इस स्थिति में परिवार के सभी सदस्यों को नियमित रूप से आंखों की जांच कराना चाहिए। 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को वर्ष में एक बार अनिवार्य रूप से आंखों की जांच कराते हुए आई प्रेशर का पता लगाना चाहिए। जागरूकता से ग्लूकोमा को हराया जा सकता है।**

## अंधत्व के खतरे को टाला जा सकता है

यदि समय रहते बीमारी का पता चल जाए तो अंधत्व के खतरे को टाला जा सकता है। उदाहरण के लिए यदि पिता को काला मोतिया है तो बच्चों की आंखों की जांच जरूर नियमित रूप से कराते रहें। आई प्रेशर से ग्लूकोमा के खतरे का पता चल जाता है। काला मोतिया ऐसी स्थिति है जो आंख के पिछले हिस्से में आप्टिव नर्व को प्रभावित करती है। इससे आंखों को गंभीर नुकसान हो सकता है। आप्टिक नर्व आंख से मस्तिष्क को जानकारी भेजने का काम करती है।

## आंखों की बनावट गुब्बारे की तरह होती है

आंखों की बनावट गुब्बारे की तरह होती है। जिसके भीतर तरल पदार्थ भरा होता है। आंखों के भीतर यह तरल पदार्थ बनता रहता है, जो आंखों को नमी प्रदान करती है। परंतु जब आंखों में तरल पदार्थ बनने व बाहर निकलने की प्रक्रिया बाधित होने लगती है तो आंखों पर दबाव बढ़ता है और आप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचता है। इस दशा में आंखों की रोशनी कम होने लगती है तथा ग्लूकोमा की स्थिति बनती है। ग्लूकोमा में मरीज को ज्यादा तकलीफ नहीं होती है इसलिए इस बीमारी को नजरअंदाज किया जाता है।

# शरीर में इस विटामिन की कमी के कारण होता है पीलिया

जॉन्डिस एक मेडिकल कंडीशन है जिसे हम पीलिया के नाम से जानते हैं। इसमें व्यक्ति की आंखें और त्वचा का रंग पीला पड़ने लगता है। ये एक गंभीर समस्या है जो नवजात से लेकर किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है। पीलिया के कारण आपकी आंखों का सफेद भाग, झिल्ली,चेहरे और शरीर की त्वचा धीरे-धीरे पीली पड़ने लगती है।

एक्सपर्ट की माने तो पीलिया तब होता है जब शरीर में बिलीरुबिन नाम का पदार्थ बहुत अधिक हो जाता है जिससे लिवर पर प्रभाव पड़ता है इससे लिवर के काम करने की क्षमता कमजोर हो जाती है। बिलीरुबिन शरीर में फैल जाता है जिससे व्यक्ति पीलिया रोग का शिकार हो जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट की माने तो बिलीरुबिन बढ़ने और पीलिया की समस्या के लिए कुछ विटामिन जिम्मेदार होते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक शरीर में विटामिन के की कमी के कारण भी यह समस्या हो सकती है। विटामिन के की कमी से बाइल डक्ट ब्लॉक हो जाता है जिससे बिलीरुबिन को लिवर से बाहर निकलने में रुकावट होती है। वहीं विटामिन के की कमी से रक्तस्राव भी अधिक होता है जिससे खून की कमी होती है। विटामिन बी 12 की कमी के कारण भी पीलिया हो सकता है। दरअसल जब विटामिन बी 12 की कमी होती है तब लाल रक्त कोशिकाओं की कमी भी हो जाती है। और बिलीरुबिन तब बनता है जब लाल रक्त कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं।

# रखें अपनी ओरल हेल्थ का ख्याल

अगर डेंटिस्ट के पास नहीं जा पा रहे हैं तो खुद ही अपनी ओरल हेल्थ का ध्यान रखना बहुत ही जरूरी होता है और अगर हमारी ओरल हेल्थ सही न रहे तो ये आगे चलकर कई बीमारियों का कारण बन सकती है। यहां सिर्फ दांतों की सफाई नहीं बल्कि मसूढ़ों की सेहत, जीभ की सफाई और हमारे मुंह में मौजूद ग्लैंड्स की सफाई और उनके स्वास्थ्य का ध्यान भी रखना जरूरी है। ओरल हेल्थ का ख्याल रखना हर उम्र के इंसान के लिए जरूरी है। स्टडी कहती है कि दुनिया भर में 3.5 बिलियन लोग ओरल समस्याओं से जूझ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की तरफ से ओरल हेल्थ को मैनेज करने के लिए कुछ खास टिप्स भी दी गई हैं। आज हम ऐसी ही कुछ टिप्स के बारे में बात करेंगे जो हमारी ओरल हेल्थ को सुधारने के लिए जरूरी है।

## कम शक्कर वाले फूड्स, जूस आदि खाएं

गाइडलाइन्स कहती हैं कि आपको अपनी डाइट में जितना हो सके उतना कम शक्कर युक्त खाना खाएं। ये दवाओं के लिए भी लागू होता है। अगर हो सके तो ऐसे कफ सिरप आदि का चुनाव करें जिनमें शक्कर का इस्तेमाल कम हो रहा हो। शक्कर चाहें किसी भी फॉर्म में अंदर जाए वो हमारे मुंह की हेल्थ को खराब कर सकती है। इससे कैविटीज आदि भी हो सकती हैं। इसलिए ये जरूरी है कि हम कम शक्कर वाला खाना खाएं और जितना हो सके नेचुरल फ्रूट्स और ड्रिंक्स का सेवन करें।

## दिन में 2-3 बार गरारा करें

ये जरूरी है कि आप अपने मुंह को साफ रखें इसके लिए आप दिन में 2-3 बार गरारा कर सकते हैं। आप अपने पास एक अच्छा माउथवॉश रखें और अगर माउथवॉश नहीं है तो आप गुनगुने पानी में नमक मिलाकर उससे गरारा कर सकती हैं। आप चाहें तो ष्द्धङ्ग माउथवॉश भी बना लें जिसमें काली मिर्च, अदरक, हल्दी और तुलसी की पत्तियां शामिल हों। ये आपकी ओरल कैविटी को दूर करने में मदद करेगा।

## पानी की कमी न होने दें

ओरल हेल्थ ही नहीं बल्कि शरीर की कई समस्याओं को दूर करने के लिए ये जरूरी है कि आप अपने शरीर को हाइड्रेटेड रखें। ये अच्छा होगा कि आप पानी पीते रहें ताकि मुंह सूखे नहीं और मुंह के अंदर सलाइवा, मसूढ़े आदि साफ होते रहें। पानी पीने से दांतों के अंदर फंसे खाने के कण भी निकल जाते हैं और साथ ही साथ ये कैविटीज को खत्म करने और मुंह की दुर्गंध से लड़ने में भी सहायक होगा। आप नींबू पानी या सब्जियों और फलों का जूस भी पी सकते हैं।

## एल्कोहॉल और स्मोकिंग से रहें दूर

अगर आप इसका सेवन नहीं करते तो ठीक, लेकिन अगर आप करते हैं तो इसे थोड़ा कम कर दीजिए। ये ओरल हेल्थ को खराब करने के सबसे अहम कारणों में से एक होते हैं। अकेले इस एक स्टेप को लेने से ही आपकी ओरल हेल्थ में कमाल का सुधार दिख सकता है।

### डाइट का रखें ध्यान

हमारी ओरल हेल्थ को निर्धारित करने में हमारी डाइट का बहुत बड़ा योगदान होता है। ये बहुत जरूरी है कि हम सही विटामिन और मिनरल अपनी डाइट में शामिल करें ताकि शरीर को पोषण मिले। अगर हम बहुत ज्यादा चिपचिपा और स्टार्च वाला खाना खाएंगे तो ये हमारी ओरल हेल्थ पर असर डालेगा।

# बढ़ती उम्र के साथ जरूरी है दांतों की सही देखभाल

हेल्दी रहने के लिए शरीर के बाकी अंगों की तरह दांतों की देखभाल भी बहुत जरूरी है। लेकिन अक्सर हम ओरल हाइजीन पर ध्यान नहीं देते हैं। जिसकी वजह से बढ़ती उम्र के साथ दांतों की दिक्कतें शुरू हो जाती हैं। कई बार कम उम्र में ही आपको दांतों की परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए, दांतों की सही तरह से देखभाल करना बहुत जरूरी है। एक्सपर्ट के मुताबिक, उम्र बढ़ने के साथ कई कारणों से ओरल हेल्थ से जुड़ी कई दिक्कतें आपको परेशान कर सकती हैं। कई लोग इस बात को नहीं जानते हैं कि अगर आपकी ओरल हेल्थ ठीक नहीं है, तो इसका असर आपके पूरे स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर के बाकी अंगों की तरह दांतों पर भी अधिक ध्यान देना जरूरी हो जाता है। बढ़ती उम्र में एक्सपर्ट के बताए इन टिप्स को फॉलो कर आप दांतों को हेल्दी और मजबूत बनाए रख सकते हैं।

- उम्र बढ़ने के साथ-साथ हमारे मुंह में कुछ नेचुरल बदलाव आते हैं। जैसे कि सलाइवा का प्रोडक्शन कम हो जाता है। उम्र के साथ दांतों की मजबूती पर भी असर होता है।
- कई अन्य बीमारियों और दवाईयों के कारण भी डेंटल हेल्थ पर असर होता है। बढ़ती उम्र में मसूड़ों से जुड़ी परेशानियां भी हो सकती हैं।
- डायबिटीज, दिल की बीमारियों और अर्थराइटिस से भी ओरल हेल्थ प्रभावित हो सकती है। इसलिए, उम्र बढ़ने के साथ दांतों का अधिक ख्याल रखना जरूरी हो जाता है।
- घर पर दांतों की सही तरह की सफाई का ध्यान रखें।
- इसके अलावा, समय-समय पर डेंटिस्ट के पास जाकर रूटीन चेकअप करवाएं।
- दिन में दो बार फ्लोरॉइड टूथपेस्ट से दांतों का साफ करें और डेंटल फ्लॉस से दांतों के बीच का हिस्सा भी साफ करें। इससे कैविटीज और मसूड़ों की सड़न के बचाव हो सकता है।
- मुंह के बैक्टीरिया को दूर करने के लिए एंटीसेप्टिक माउथवॉश से कुल्ला करें।
- अगर आप डेंचर यूज करते हैं, तो इसकी भी सही देखभाल जरूरी है।
- डेंचल को सोते समय निकाल दें। इसे सही से साफ करें और इसे बैक्टीरियल ग्रोथ से बचाने के लिए डेंटल सल्यूशन पर डुबोकर रखें।
- बड़े-बुजुर्गों की ओरल हेल्थ को दुरुस्त रखने के लिए सही हाइड्रेशन भी जरूरी है। क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ लार बनना कम हो जाती है। ऐसे में सही मात्रा में पानी पीना जरूरी है।
- लार एसिड को न्यूट्रिलाइज करने और फूड पार्टिकल्स को धोने के लिए जरूरी है।
- पानी पीने से ड्राई माउथ की प्रॉब्लम नहीं होती है। ड्राई माउथ की वजह से दांत का घिसना और ओरल हेल्थ से जुड़ी परेशानी हो सकती हैं।

**उम्र बढ़ने के साथ शरीर के बाकी अंगों की तरह दांतों पर भी अधिक ध्यान देना जरूरी हो जाता है। बढ़ती उम्र में एक्सपर्ट के बताए इन टिप्स को फॉलो कर आप दांतों को हेल्दी और मजबूत बनाए रख सकते हैं।**

# काली गाजर के सेवन से दूर होती है ये बीमारियां

**काली गाजर में फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। काली गाजर में बीटा कैरोटीन और ल्यूटिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो आंखों के काफी ज्यादा फायदेमंद होती है। ये एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से आंखों को सुरक्षित रखते हैं। काली गाजर का सेवन मोतियाबिंद, ग्लूकोमा जैसी समस्या नहीं होती है। काली गाजर में फाइबर अधिक होने के कारण यह वजन घटाने में मददगार हो सकती हैं।**

गाजर खाने के कई फायदे होते हैं। गाजर विटामिन-ए से भरपूर होती है। लेकिन बहुत कम लोगों ने काली गाजर के बारे में सुना होगा। डायटिशियन मीना कोरी यहां हमें काली गाजर के फायदों के बारे में बता रही है।

## आंखों के लिए फायदेमंद

काली गाजर में बीटा कैरोटीन और ल्यूटिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो आंखों के काफी ज्यादा फायदेमंद होती है। ये एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से आंखों को सुरक्षित रखते हैं। काली गाजर का सेवन मोतियाबिंद, ग्लूकोमा जैसी समस्या नहीं होती है।

कैंसर से बचाव करती है काली गाजर

काली गाजर में एंथोसायनिन नामक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो कैंसर से भी शरीर को सुरक्षित रखती है। मीना कोरी का कहना है कि एंथोसायनिन वाले खाद्य पदार्थों का सेवन स्तन कैंसर, फेफड़ों के कैंसर, और कोलोरेक्टल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां नहीं होती है।

## डायबिटीज में फायदेमंद

जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है, उन्हें काली गाजर का सेवन जरूर करना चाहिए। काली गाजर में फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। यह टाइप 2 मधुमेह के जोखिम को कम करती है।

## वजन घटाती है काली गाजर

काली गाजर में फाइबर अधिक होने के कारण यह वजन घटाने में मददगार हो सकती हैं। फाइबर लंबे समय तक पेट को भरा हुआ रखता है। ज्यादा भूख नहीं लगती है। आप कम कैलोरी खाते हैं तो इससे शरीर का मेटाबॉलिज्म भी बढ़ता है। इससे शरीर मोटापा नहीं बढ़ता है। शरीर का वजन भी नहीं बढ़ता है। काली गाजर के सेवन से कोलेस्ट्रॉल का लेवल नहीं बढ़ता रहता है और इससे हार्ट अटैक का खतरा नहीं होता है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

# यहां तक पहुंचने के लिए मैंने जिंदगी भर मेहनत की

अभिनेत्री और बेहतरीन डांसर नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। उनका परफॉर्मेंस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। हाल ही में उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात की और शकीरा, बर्ना बॉय, केटी पेरी जैसे बड़े स्टार्स के साथ लाइन-अप का हिस्सा बनने पर भी चर्चा की।

### सीर-सीर सुनकर हैरान हुईं नोरा

ओपनिंग सेरेमनी में अपने गाने 'सीर सीर' पर परफॉर्म करने के बारे में बात करते हुए नोरा ने बताया, 'इस अनुभव ने निश्चित रूप से एक आर्टिस्ट के तौर पर मुझे बेहतर बनाया है। यह एक सफर बेहतरीन रहा। जब मैं जनवरी में मोरक्को में् स्न्नष्टह्व मैच देख रही थी, तो मैंने हर गेम के दौरान स्टेडियम में लगभग 70,000 फैंस को 'सीर सीर' के नारे लगाते सुना और मैं हैरान रह गई। उस एनर्जी ने मुझे प्रोड्यूसर संजॉय से संपर्क करने और उनसे इस नारे का इस्तेमाल करके वर्ल्ड कप एंथम बनाने के लिए कहने के लिए प्रेरित किया।'

### नोरा ने की पूरी जिंदगी मेहनत

इसके अलावा, दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के साथ लाइन-अप में शामिल होने के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस ने कहा, 'इतने बड़े मेनस्ट्रीम लाइन-अप का हिस्सा बनना बहुत रोमांचक रहा है! मैं टोरंटो में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया, जबकि शकीरा और बर्ना बॉय ने मैक्सिको में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। मैंने इस लेवल तक पहुंचने और ऐसे स्टार्स के साथ मौके शेयर करने के लिए पूरी जिंदगी मेहनत की है।'

### संगीत कितना ताकतवर है?

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनना जो अलग-अलग कल्चर और स्टाइल को एक साथ लाता है, मुझे याद दिलाता है कि ग्लोबल कनेक्शन बनाने में संगीत कितना ताकतवर हो सकता है। चाहे शकीरा हों, बर्ना बॉय हों या कोई भी आर्टिस्ट जिसका विजन क्रिएटिव रूप से मेल खाता हो वह अच्छा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जादू तब होता है जब अलग-अलग दुनियाएं एक साथ आती हैं और कुछ ऐसा बनाती हैं जिसकी उम्मीद न हो।

### 'सीर सीर' को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

आपको बता दें कि नोरा का गाना 'सीर सीर' कुछ दिन पहले रिलीज हुआ था और इसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब तक इस ट्रैक को यूट्यूब पर 43 मिलियन से ड्यादा बार देखा जा चुका है।

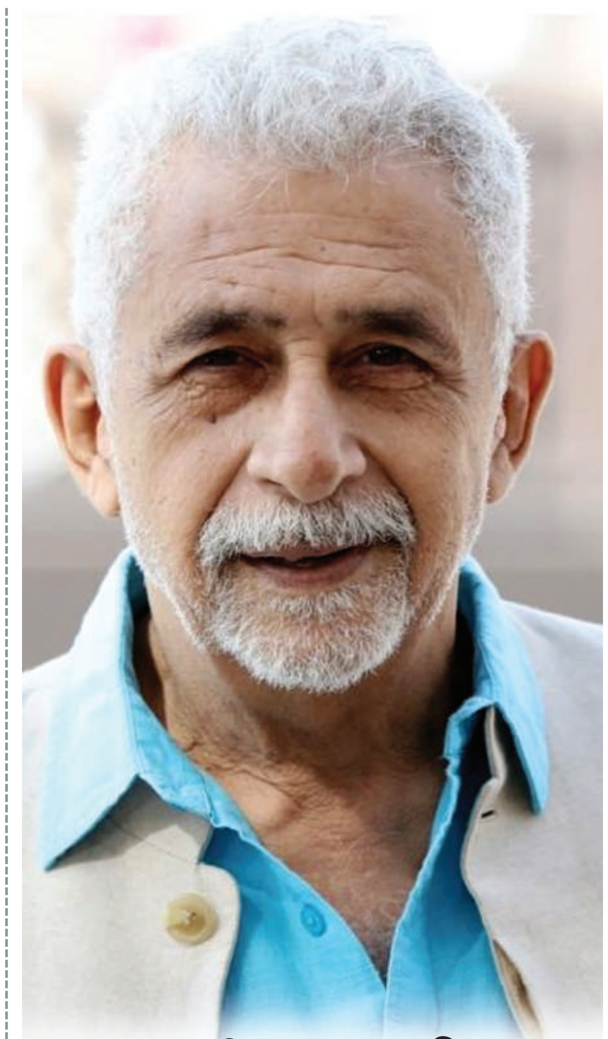

# जेआरडी टाटा का किरदार निभाना सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बायोपिक का चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसी ही एक सीरीज 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी' में भारत के जाने-माने उद्योगपति जेआरडी टाटा के जीवन को दिखाया गया है। इस सीरीज में अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने जेआरडी टाटा का किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिल रही है। इस अनुभव को लेकर नसीरुद्दीन शाह ने बताया कि यह किरदार उनके लिए सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी थी। नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''जेआरडी टाटा एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनकी सबसे बड़ी खासियत उनका संयम और सादगी थी। वह हमेशा बहुत शांत और संतुलित तरीके से रहते थे। यही बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है कि इतने बड़े उद्योगपति होने के बावजूद उन्होंने कभी अपने व्यक्तित्व को प्रचार का हिस्सा नहीं बनने दिया।'' अभिनेता ने आगे कहा, ''जेआरडी टाटा को समझना और उन्हें पर्दे पर निभाना मेरे लिए आसान काम नहीं था। अपने लंबे करियर में मैंने कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन यह भूमिका बेहद खास और जिम्मेदारी भरी थी, क्योंकि वह भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए इस भूमिका को निभाते समय मैंने काफी ध्यान और गंभीरता से काम किया।'' नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन पाया हूं। इसके लिए मुझे एक ऐसे इंसान को समझने का अवसर मिला, जिनकी सोच और व्यक्तित्व आज भी लोगों के लिए प्रेरणा हैं। ऐसे किरदार कलाकार को भीतर से बदल देते हैं, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय नहीं बल्कि गहराई से समझने की जरूरत होती है।'' उन्होंने को-स्टार जिम सर्भ की तारीफ करते हुए कहा, ''उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे सामने वाले कलाकार को ध्यान से सुनते हैं। यह गुण बहुत कम कलाकारों में देखने को मिलता है, लेकिन अभिनय में यह बेहद जरूरी होता है। जब कोई अभिनेता अपने साथी कलाकार की बात और भाव को समझता है, तभी सीन अधिक प्रभावशाली बनता है।''

नसीरुद्दीन शाह ने आगे कहा, ''जिम सर्भ थिएटर से आते हैं और इसी वजह से उनकी अभिनय शैली में गहराई और गंभीरता दिखाई देती है। थिएटर का अनुभव कलाकार को अनुशासन और समझ देता है, जो कैमरे के सामने बहुत काम आता है। खासकर जब कहानी जटिल और भावनात्मक हो तो ऐसे कलाकार पूरी कहानी को जीवंत बना देते हैं।'' 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी' सीरीज अमेजन एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है।

# टीवी इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात नहीं मिलती

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने अपने विचार रखे। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस इंडस्ट्री में टिके रहना आसान नहीं है, इसके लिए धैर्य, मेहनत और लगातार सुधार की जरूरत होती है। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में काम की गति बहुत तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग होती है और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टीवी पर प्रसारित हो जाता है। इस तेज रफ्तार में कलाकारों को हर समय तैयार रहना पड़ता है और अपने किरदार को पूरी एनर्जी के साथ निभाना होता है। हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम काम करती है, और कलाकार को इन सबके बीच संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम कई बार असर को कम कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत नहीं मिलती। कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक अच्छा प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता अलग है। टीवी में नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है। एक-दो अच्छे सीन से लोकप्रियता मिल सकती है, लेकिन स्थायी सफलता की चाबी को लगातार मेहनत और धैर्य ही है। सोशल मीडिया पर भले ही कोई कलाकार जल्दी वायरल हो जाए, लेकिन टीवी इंडस्ट्री में पहचान धीरे-धीरे बनती है और समय के साथ मजबूत होती है।''
अद्रिजा रॉय ने लोकप्रियता और सफलता के बीच फर्क को समझाते हुए कहा, ''लोकप्रियता अक्सर अस्थायी होती है, जो किसी वायरल सीन, चर्चा या सोशल मीडिया ट्रेंड से जल्दी मिल सकती है।

# फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी के लिए राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बढ़ाया वजन

मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म का एलान हो गया है। राजकुमार राव इसमें लीड रोल में हैं। हम फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की बात कर रहे हैं। दिनेश विजन ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी' इस साल अगस्त में रिलीज होगी। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'दिनेश विजन और राजकुमार राव एक बार फिर साथ आ रहे हैं। फिल्म 'प्रहार - द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। मैडॉक फिल्म की 'प्रहार' में राजकुमार राव के अलावा वामिका गब्बी, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत जैसे सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

# स्मिता बंसल ने 'द पिरामिड स्कीम' को बताया अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू

**'बालिका वधू' फेम अभिनेत्री स्मिता बंसल करियर में एक नया मुकाम हासिल कर बेहद उत्साहित हैं। टीवी इंडस्ट्री में सफल रहीं स्मिता टीवीएफ की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर चुकी हैं। स्मिता ने इस प्रोजेक्ट को अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू बताया है। सीरीज में स्मिता बंसल प्रमिला सिंह के किरदार में नजर आईं।**

यह सीरीज आम लोगों के मल्टी-लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम की दुनिया में फंसने की कहानी है। यह महत्वाकांक्षा, तेजी से सफलता पाने की चाहत और इसके लिए लोग जो फैसले लेते हैं, उन विषयों पर आधारित है। स्मिता बंसल ने बताया, ''द पिरामिड स्कीम' ने मुझे इसलिए आकर्षित किया क्योंकि इसमें टीवीएफ के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिला। मैं सालों से टीवीएफ से जुड़ी हूं और इसके काम देख रही हूं और उन्हें बहुत पसंद करती हूं। वे ऐसी कहानियां बनाते हैं जो लोगों से जुड़ती हैं और हर उम्र के दर्शकों को पसंद आती हैं।' स्मिता ने बताया कि सीरीज की कहानी ने भी तुरंत प्रभावित किया। इसकी सोच बिल्कुल नई और रोमांचक लगी। यह आज के समय के बहुत जरूरी मुद्दों पर बात करती है, जैसे महत्वाकांक्षा, जल्दी सफल होने की चाह और उसके लिए किए जाने वाले फैसले। शो का किरदार, लेखन और पूरा विजन एकदम नया लगा।' अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के रूप में वे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हैं जो उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद करे। 'द पिरामिड स्कीम' में प्रमिला सिंह का रोल उन्हें ठीक वैसा ही मौका देता है। सीरीज श्रेयांश पांडे द्वारा बनाई गई है और 'द वायरल फीवर' (टीवीएफ) द्वारा प्रस्तुत की गई है। इसका निर्देशन आशीष आर. शुक्ला और श्रेयांश पांडे ने किया है। 'द पिरामिड स्कीम' 5 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है और काफी पसंद की जा रही है।

# सच्चा प्यार कभी प्रैक्टिकल नहीं हो सकता

**जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से ओटीटी और आलिया भट्ट संग फिल्म 'जिगरा' से बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाले युवा कलाकार वेदांग रैना अब इम्तियाज अली की पीरियड लव स्टोरी 'मैं वापस आऊंगा' में अहम भूमिका में नजर आएंगे। खास बात यह है कि वेदांग अपनी हर फिल्म में अदाकारी के साथ-साथ गायिकी का हुनर भी दिखा रहे हैं। इस फिल्म में तो एआर रहमान जैसे दिग्गज कंपोजर के लिए मसकारा जैसे रूहानी गीत को आवाज देना वेदांग सपना सच होने जैसा मानते हैं।**

रहमान सर के लिए गाने पर यकीन नहीं हुआ अपनी गायिकी के इस सफर और एआर रहमान के लिए गाने को लेकर वह कहते हैं, 'मुझे पता नहीं ये कैसे हो रहा है, क्योंकि मैंने कभी किसी डायरेक्टर को खुद ये बात नहीं बताई है कि मैं गाना गाता हूं। यह सब बस हो गया। जोया (अख्तर) के साथ भी ये अचानक हुआ था कि मैंने आर्चीज में एक छोटे सा हिस्सा गाया था। फिर वासन बाला सर की भी एक सोच थी तो जिगरा में भी गाने का मौका मिला और अब रहमान सर के लिए गाना तो किसी भी कलाकार के लिए सपना सच होने जैसा है। मुझे ये मौका मिलना बहुत बड़ी बात है, जबकि मैं हिंदुस्तानी क्लासिकल में ट्रेंड सिंगर भी नहीं हूं। हालांकि, मैंने अपनी जिंदगी में स्टेज पर बहुत गाया, बहुत परफॉर्म किया है तो यह अनुभव वहीं से आता है। फिर भी ऐसा मौका मिलने की तो मैं सोच भी नहीं सकता था। मुझे कभी-कभी इम्पोस्टर सिंड्रोम (खुद की प्रतिभा पर शक) होता था और लगता था कि मैं ये मौका डिजर्व नहीं करता।' फिल्म में 1947 से पहले का दौर और मोहब्बत है, ऐसे में उस दौर को जीते हुए क्या वेदांग को कोई ऐसी चीज लगी कि काश वो आज के तेज रफ्तार दौर में भी होती? इस पर उनका कहना है, 'उस वक्त का प्यार करने का तरीका। मतलब अहसास तो अब भी वही है लेकिन अब रिश्ते या प्यार के दायरे थोड़े बदल गए हैं। जैसे अभी हम मेसेज करते हैं, तब चिट्ठियां लिखते थे। तब लोग अनकही बातों में, इशारों में मन के भाव समझते थे, वैसा वाला प्यार अब थोड़ा मिसिंग है तो अगर हम उसे वापस ला सकें तो अच्छा होगा।' क्या द्द्वड्ढ पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले वेदांग मानते हैं कि अब प्यार प्रैक्टिकल हो चुका है? इस पर वह दो टूक कहते हैं, 'सच्चा प्यार प्रैक्टिकल हो ही नहीं सकता। प्यार एक अहसास है, जो हर दौर में एक सा ही होता है, बस अब उस अहसास के इर्द गिर्द चीजें बदल गई हैं।'

### कश्मीर लौटने का मन करता है

मैं वापस आऊंगा की तर्ज पर क्या कोई ऐसी जगह या वक्त हैं जहां वेदांग लौटना चाहेंगे? इस बारे में उन्होंने बताया, 'मेरे लिए कश्मीर वह जगह है। मैं कश्मीरी हूं, मेरे माता-पिता कश्मीरी हैं और मैं अपनी जिंदगी में कश्मीर काफी देर से गया। मैं 22 या 23 साल का था और वहां जाकर मुझे एक अलग सा नॉस्टैल्जिया महसूस हुआ। जब मैं श्रीनगर गया तो वहां मेरे साथ पापा- मम्मी और मौसी थी। वे ऐसे बता रहे थे कि यहां पर डल झील था। हम जब यहां अपने नाना-नानी के घर आते थे तो यहां खेलते थे। यहां पर चाय की दुकान होती थी और मैं यकीन ही नहीं कर पाया था कि किसी का बचपन डल झील के किनारे बीता होगा। मुझे वो सब परियों की कहानी जैसा लग रहा था। मुझे उस जगह से,एक नॉस्टैल्जिया महसूस हो रहा था, जहां मैं पहले कभी नहीं गया, शायद कोई पहले का कनेक्शन होगा तो वहां जाने का मेरा बहुत मन करता है।'

### नर्वस था, पर आलिया ने खुले दिल से अपनाया

वेदांग ने हमसे जिगरा में आलिया भट्ट संग काम करने का अनुभव भी साझा किया। बकौल वेदांग, 'वह मेरी दूसरी फिल्म थी और मैं बहुत नर्वस था कि मैं आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर कर रहा हूं। पहली ही फिल्म के बाद मैं एक बिल्कुल अलग माहौल में था, लेकिन आलिया ने मेरी ओर जितनी गर्मजोशी दिखाई, जितनी खुले दिल से मुझे अपनाया और सहज कराया, वह अहसास मुझे हमेशा रहेगा। उसके लिए मैं उनको हमेशा याद रखूंगा। वह हमारी बहुत ही प्यारी दोस्त बनी। वह हमेशा मेरी शुभचिंतक हैं, जिसके लिए मैं हमेशा उनको याद रखूंगा।'